अनंत ज्ञान

www.anantgyaan.in

करे हर सीमा पार

आरएनआई नं. HPHIN01099 | कांगड़ा | मंगलवार, 9 अप्रैल, 2024 | 27 चैत्र, विक्रमी संवत 2081 | वर्ष 1, अंक 111, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

आज के अंक में

- नहीं जगमगाएगा स्मार्ट सिटी 'लोगो', बिजली की तारें काटीं
- तेनजिन डोलमा और अनिल ओवरआल विजेता

पृष्ठ 4 पर पढ़ें

- विवाहिता की मौत मामले में सास, ससुर व सैनिक पति हिरासत में
- हाईवे निर्माण से उड़ रही धूल, लोगों का जीना हुआ दुश्वार

पृष्ठ 6 पर पढ़ें

- शहर में 30 फीसदी पानी हो रहा बर्बाद
- आरएलए नालागढ़ में नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन रुकी, नंबर नहीं

पृष्ठ 7 पर पढ़ें

- घरेलू मैदान पर पंजाब का पलड़ा भारी
- यूपी में बदले कानून-व्यवस्था के हालात : नड्डा

पृष्ठ 14 पर पढ़ें

मां शैलपुत्री

चैत्र नवरात्र का आज पहला दिन है और इस दिन घटस्थापन के बाद मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की जाती है। शैल का अर्थ है हिमालय और पर्वतराज हिमालय के यहां जन्म लेने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा जाता है। इनके दाएं हाथ में त्रिशूल है और बाएं हाथ में इन्होंने कमल धारण किया हुआ है। मां शैलपुत्री के पूजन से व्यक्ति निरोगी रहता है, आपदामुक्त रहता है, व्यक्ति के मान-सम्मान, धन, वैभव और यश में वृद्धि होती है।

वंदे वांछितलाभाय, चंद्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढ़ां शूलधरां, शैलपुत्री यशस्विनीम्॥

अर्थात मैं मनोवांछित लाभ के लिए अपने मस्तक पर अर्धचंद्र धारण करने वाली, वृष पर सवार रहने वाली, शूलधारिणी और यशस्विनी मां शैलपुत्री की वंदना करता हूं।

आज का मैच

पंजाब किंग्स • सनराइजर्स हैदराबाद

स्थान: मोहाली, समय : रात 7:30 बजे

न्यूज शॉर्ट्स

बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में आरोपी बीआरएस नेता के. कविता की जमानत याचिका खारिज कर दी। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में के. कविता को महिला होने की वजह से जमानत देने में किसी तरह की रियायत नहीं दी जा सकती। के. कविता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने ईडी पर आरोप लगाया था कि वो जांच एजेंसी नहीं बल्कि प्रताड़ित करने वाली एजेंसी बन गई है।

ईडी ने 'आप' विधायक दुर्गेश से की पूछताछ

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति केस में आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक को ईडी ने समन जारी किया है। ईडी के अधिकारी उनसे पूछताछ भी की। पाठक गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टी के इंचार्ज थे। वहीं, सीएम केजरीवाल के पर्सनल असिस्टेंट बिभव कुमार से भी जांच एजेंसी ने इसी केस में पूछताछ कर रही है। शराब नीति केस में ईडी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को आरोपी बनाया है। ये सभी न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

हाईकोर्ट ने केजरीवाल को पद से हटाने की याचिका पर लगाई फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आबकारी घोटाला मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग करने वाली तीसरी याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता और आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक संदीप कुमार को फटकार लगाई है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि यह याचिका पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन नहीं है, बल्कि पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन है। आप पर भारी जुर्माना लगना चाहिए, क्योंकि ऐसी ही दो याचिकाएं कार्यकारी चीफ जस्टिस की बेंच खारिज कर चुकी है। अब वही बेंच आपकी याचिका सुनेगी।

नवरात्र: सजे मां के दरबार, दर्शनों के लिए श्रद्धालु तैयार

चिंतपूर्णी मंदिर

- नवरात्र में 24 घंटे खुला रहेगा माता चिंतपूर्णी का दरबार। रोजाना करीब तीस हजार श्रद्धालु पहुंचते हैं।
- चिंतपूर्णी में बहुत सी धर्मशालाएं हैं, जो बस अड्डे के पास स्थित हैं और कुछ मंदिर के पास हैं।

चामुंडा मंदिर

- सुबह पांच से रात 10 बजे तक खुला रहेगा मंदिर।
- 37 पुलिस जवान और 15 होमगार्ड के हवाले सुरक्षा का जिम्मा, परिसर में लगे 24 कैमरे।

ज्वालाजी मंदिर

- सुबह 4 बजे से खुल जाएंगे द्वार।
- ड्रोन से रखी जाएगी हर गतिविधि पर नजर
- 50 सुरक्षा कर्मी और 65 अस्थायी कर्मचारी तैनात।
- मंदिर के अंदर ढोल-नगाड़ा, नारियल पर प्रतिबंध।

नयना देवी मंदिर

- मंदिर के कपाट सोमवार रात 2:00 बजे श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे।
- सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम, नगर को नौ सेक्टरों में बांटा।
- 150 होमगार्ड और 200 पुलिस के जवान तैनात।
- मंदिर के कपाट दोपहर 12:00 बजे से 12:30 और रात में 12 बजे से दो बजे तक बंद रहेंगे।
- मालवाहक वाहनों को पंजाब सीमा पर कोलां वाला टोबा में रोका जाएगा, आगे यात्री वाहन में जाना पड़ेगा।

बज्रेश्वरी मंदिर

- बज्रेश्वरी देवी मंदिर सुबह चार बजे से रात 10 बजे तक खुला रहेगा।
- पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से आते हैं भक्तजन।
- बज्रेश्वरी देवी मां उत्तर प्रदेश के भक्तों की कुल देवी।

माता के दर्शन के लिए पीठ पर हल्दी लगाकर निकलते हैं भक्त

स्थिरता बनाम अस्थिरता के बीच लोकसभा चुनाव : मोदी

महाराष्ट्र के चंद्रपुर में बोले- कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन का मंत्र सत्ता पाओ और खूब मलाई खाओ

एजेंसी, चंद्रपुर (महाराष्ट्र)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महाराष्ट्र के चंद्रपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह लोकसभा चुनाव स्थिरता बनाम अस्थिरता के बीच का चुनाव है। एक ओर भाजपा है, जिसका ध्येय है, देश के लिए कड़े फैसले लो और बड़े फैसले लो। दूसरी ओर कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन है, जिसका मंत्र है कि जहां भी सत्ता पाओ खूब मलाई खाओ। कांग्रेसी अपने कर्मों के कारण देश में जनता का समर्थन खो चुकी है। अब फूट डालो और राज करो की रणनीति अपना रहे हैं। उन्होंने अपने घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग की याद दिलाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया है। साथ ही उनका एक सांसद भारत के विभाजन की मांग कर रहा है।

विपक्षी गठबंधन के लोग दक्षिण भारत को अलग करने की धमकी दे रहे हैं। गठबंधन में शामिल डीएमके पार्टी सनातन को डेंगू-मलेरिया कह कर उसके खात्मे की बात कर रही है और नकली शिवसेना (उद्धव ठाकरे की पार्टी) वाले उन्हीं लोगों की महाराष्ट्र में रैली करवाते हैं।

भ्रष्टाचारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर/बस्तर। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में रैली में कहा कि भ्रष्टाचारियों पर हर हाल में कड़ी कार्रवाई होगी, यह मोदी की गारंटी है। छत्तीसगढ़ ने मोदी की गारंटी पर मुहर लगाई, जिसकी बदौलत आज पूरा देश मोदी की गारंटी पर विश्वास कर रहा। जब तक गरीब की चिंता दूर नहीं होगी, मोदी चैन से नहीं बैठेगा। कच्ची छत के नीचे का दुख और राशन नहीं होने की चिंता मुझे पता है। देश में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। भाजपा ने जब गरीबों के खाते में डायरेक्ट पैसा डाला तो एक भी रुपए कांग्रेस लूट नहीं पाई।

विपक्षी नेताओं को बचाने में जुटा गठबंधन

मोदी धमकियों से डरने वाला नहीं

पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेसी मोदी का सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं। मोदी इन धमकियों से डरने वाला नहीं है। मोदी ने भ्रष्टाचार खत्म किया, उन्होंने भ्रष्टाचार बढ़ाने का काम किया। मैं कहता हूं भ्रष्टाचार से देश को बचाओ, वो (विपक्ष) कहते हैं कि भ्रष्टाचारियों को बचाओ। आज के समय विपक्षी गठबंधन चुनावी रैली नहीं कर रहे, बल्कि विपक्षी नेताओं को बचाने में जुटे हैं। कांग्रेस कार्यकाल में भ्रष्टाचार देश की पहचान बन गई थी। कांग्रेसियों को लगा कि लूट का लाइसेंस मिल गया है, लेकिन 2014 में सरकार में आने के बाद मोदी ने कांग्रेस की लूट का लाइसेंस ही कैंसिल कर दिया है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार पर आज कड़ी कार्रवाई हो रही है। उनकी तेजी से जांच हो रही है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से पीएम के खिलाफ कीं दो शिकायतें

कांग्रेस ने चुनाव आयोग में पीएम मोदी के खिलाफ उनकी पार्टी के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग की छाप वाला बताने के बयान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पीएम ने यूपी के सहारनपुर और राजस्थान के अजमेर में की गई चुनावी रैलियों में कहा था कि कांग्रेस के मैनिफेस्टो पर पूरी तरह से मुस्लिम लीग की छाप है और जो हिस्सा बचा हुआ है, उस पर वामपंथियों का दबदबा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि मेरे साथी सलमान खुर्शीद, मुकुल वासनिक, पवन खेड़ा और गुरदीप सप्पल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि हमने छह शिकायतें दी हैं, जिनमें से दो पीएम मोदी के खिलाफ हैं।

तीन डॉक्टरों ने उलझाया डीएनबी मामला

सर्जरी के डॉक्टर्स अब कोर्ट जाने की तैयारी में

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

- 24 डॉक्टर ऑर्डर कैंसिल करवाने पहुंचे दिल्ली
- बोले- अधूरी डिग्री छोड़ दूसरी जगह पर नहीं जाएंगे
- मरीजों को करना पड़ रहा दिक्कतों का सामना

डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) योजना के तहत पीजी की डिग्री करने वाले डॉक्टरों पर हमीरपुर स्थित डॉक्टर राधाकृष्णन मेडिकल कॉलेज में जो माहौल तैयार हुआ है, उसका असर मरीजों पर पड़ना शुरू हो गया है। करीब 24 पीजी डॉक्टर्स दिल्ली चले गए हैं, जहां काउंसिल के पास वे अपनी सफाई देंगे, क्योंकि दो-तीन को छोड़कर बाकी यहां से नहीं जा रहे हैं। जिन डॉक्टरों ने शिकायत की है, उसका नजला सारे डॉक्टर्स पर क्यों पर डाला जा रहा। कई डॉक्टर्स डीएनबी पीजी कोर्स के तहत यहां पर डिग्री लेने वाले हैं। अब समस्या यह है कि थर्ड ईयर के डॉक्टर्स इस मामले को लेकर दिल्ली में काउंसिल के पास अपनी बात रखने पहुंच गए हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि वह आधी अधूरी डिग्री छोड़कर किसी दूसरी जगह पर नहीं जाएंगे। तीन डॉक्टरों की वजह से शिफ्टिंग हो रही है, वह गलत है। केवल हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में ही ऐसा हो रहा है। प्रदेश के अन्य किसी भी मेडिकल कॉलेज में इस तरह के आदेश नहीं आए हैं। यदि उनकी नहीं सुनी गई तो सर्जरी के डॉक्टर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। ज्यादातर नुकसान गायनी, मेडिसिन और सर्जरी में हो रहा है। ऐसे डॉक्टर्स थीसिस के बगैर पढ़ाई मुकम्मल नहीं कर पाएंगे। दूसरी जगह जाकर उन्हें वैसा माहौल नहीं मिल पाएगा, जो पिछले तीन साल से यहां पर मौजूद हैं। (अनंत ज्ञान)

पीजी डॉक्टर्स को देनी थी च्वॉइस

डीएनबी के आदेशानुसार सोमवार को पीजी डॉक्टर्स को अपनी च्वॉइस देनी थी। अब क्योंकि मामला उलझा हुआ है, उसके बाद 15 दिन के भीतर उन्हें नए मेडिकल कॉलेज अलॉट होने थे। यदि इसमें राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं हुआ, तो निश्चित रूप से यहां कॉलेज डी-एक्रीडेट हो जाएगा।

33 कंपनियों ने मुनाफे से ज्यादा भाजपा को दिया चंदा : संजय

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनावी बांड में हुए घोटाले पर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बड़ा खुलासा किया है। कुछ कंपनियों ने मुनाफे से ज्यादा भाजपा को चंदा दिया। कुछ कंपनियों को टैक्स में छूट भी दी गई।

33 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने सात साल में एक लाख करोड़ रुपए का घाटा उठाया है और भाजपा को 450 करोड़ रुपए का चंदा दिया है। 17 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्होंने या तो शून्य टैक्स चुकाया है या फिर

कंपनियों को घाटा होने पर दी टैक्स में छूट

मोदी सरकार ने कंपनियों को घाटा होने पर केंद्र सरकार ने नियमों में बदलाव कर कंपनियों को हजारों करोड़ टैक्स की छूट दी गई। इतना ही नहीं, कंपनियों को ठेका भी दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने सारा का सारा डाटा देश की जनता के सामने लाकर रख दिया है।

उन्हें टैक्स में छूट मिली है। छह कंपनियों ने भाजपा को 600 करोड़ रुपए का चंदा दिया है। एक कंपनी ने अपने मुनाफे से तीन गुना ज्यादा चंदा दिया।

बिकने वाले जा चुके, अब कोई बिकाऊ नहीं : सुक्खू

एक नेता षड्यंत्र का सरगना; बिकने के लिए 15 करोड़ से ज्यादा मिले, जनता सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने भाजपा और बागी विधायकों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिकने वालों के विरुद्ध हमारे पास सुबूत हैं और भाजपा ने बिकाऊ नेताओं को अपना प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस में बिकने वाले जा चुके हैं और धनबल से बिकने वाला अब कोई नहीं बचा है। एक नेता षड्यंत्र का सरगना है, जिसे बिकने के लिए पंद्रह करोड़ से ज्यादा मिले होंगे।

प्रदेश की जनता इन सभी बिकाऊ नेताओं को सबक सिखाने के लिए तैयार बैठी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छह सीटों पर विधानसभा के उपचुनाव होने जा रहे हैं और तीन निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे पर जल्द फैसला होने की संभावना है। 62 सीटों वाली विधानसभा में कांग्रेस के 34 विधायक हैं, इसलिए भाजपा नेताओं के राज्य में सरकार बनाने के दावे में कोई दम नहीं है। वह केवल झूठ बोलकर प्रदेश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

कांगड़ा में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का स्वागत करते कांग्रेस के कार्यकर्ता।

बाली की 'मजदूर कुटिया' में बनी चुनावी रणनीति

आशीष दमीर, कांगड़ा

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को दिल्ली से गगल एयरपोर्ट पहुंचने के बाद सीधे विधायक एवं कैबिनेट रैंक आरएस बाली की 'मजदूर कुटिया' में पहुंचकर लोकसभा व विधानसभा उपचुनावों को लेकर विस्तृति चुनावी रणनीति बनाई। इससे पहले यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। करीब एक घंटे से भी अधिक समय तक बंद कमरे में शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया, प्रदेश कामगार बोर्ड के अध्यक्ष नरदेव कंवर, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अशोक हिमाचली, सचिव राजेश, धर्मशाला की मेयर नीनू शर्मा के साथ चुनावों पर चर्चा की। (अनंत ज्ञान)

सियासत मंडी संसदीय सीट पर भाजपा उम्मीदवार और कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी में छिड़ी जुबानी जंग

गोमांस पर विक्रमादित्य और कंगना आमने-सामने

विक्रमादित्य बोले- प्रभु राम कंगना को सद्बुद्धि दें

अनंत ज्ञान टीम, शिमला/मंडी

हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत और कांग्रेस के संभावित प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह में गोमांस खाने को लेकर जुबानी जंग छिड़ी है। इस मसले पर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह चर्चाओं का बाजार गर्म है। विक्रमादित्य ने कंगना रनौत को क्वीन ऑफ कंट्रोवर्सी बताया है। कंगना ने ऑन रिकॉर्ड अपने इंटरव्यू में गोमांस खाने की बात कही है। प्रभु राम उनको सद्बुद्धि दें। विक्रमादित्य ने सोमवार को अपनी फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में दावा किया है कि कंगना चुनाव जीतने वाली नहीं है। यह चुनाव हिमाचलियत के नम पर लड़ा जाएगा। कंगना को हिमाचल के बारे में ए, बी, सी तक मालूम नहीं है। शिक्षा, अस्पताल, सड़कों, शिक्षा आदि पर बातें नहीं कर रही। केवल हिमाचल की बेटी के नाम पर वोट मांग रही है। उन्होंने व्यक्तिगत मुद्दे को छोड़कर मंडी से जुड़े मुद्दों पर चुनाव लड़ने की नसीहत दी।

कंगना की सफाई- मैंने कभी गोमांस नहीं खाया

मंडी से भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत के पुराने बयानों को लेकर लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया में घेरना शुरू कर दिया है। चारों ओर से घिरने के बाद कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सफाई दी है कि उन्होंने कभी भी गोमांस और लाल मांस नहीं खाया है। यह बहुत शर्मनाक है कि मेरे बारे में बिना बात के अफवाह फैलाई जा रही है।

मैं दशकों से योग और आयुर्वेदिक जीवन शैली की वकालत और प्रचार प्रसार कर रही हूं। इस तरह की बातें मेरी छवि नहीं बिगाड़ सकतीं। लोग जानते हैं कि मैं एक गर्वित हिंदू हूं। मैं कभी भी ऐसा नहीं कर सकती। दरअसल, कुछ साल पहले कंगना रनौत ने एक ट्वीट किया था, जिसमें लिखा था कि बीफ और दूसरा कोई मीट खाने में कोई बुराई नहीं है। इस ट्वीट के बाद कंगना खूब विवादों में आ गई थीं। तब कंगना के खिलाफ लुधियाना निवासी नवनीत गोपी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। उन्होंने कहा था कि कंगना अपने बयानों के जरिए बीफ खाने को बढ़ावा दे रही हैं। इससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

दिल्ली में चुनाव आयोग के बाहर टीएमसी का प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली में चुनाव आयोग दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी के कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। 10 सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग के आयुक्त से मिलने पहुंचा था। इसके बाद सभी धरने पर बैठ गए। सोमवार शाम को पुलिस ने नेताओं को उठा दिया। टीएमसी नेताओं ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग को लेकर प्रदर्शन किया। धरना देने वालों में टीएमसी के पांच सांसद डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, साकेत गोखले और सागरिका घोष शामिल रहे।

- केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुख को बदलने की मांग

इन नेताओं की मांग है कि एनआईए के डीजी, ईडी और सीबीआई के डायरेक्टर को तुरंत हटाया जाए। धरने पर बैठते ही पुलिस टीम एक्शन में आ गई और सभी नेताओं को वहां से हटा दिया गया। इस दौरान दोनों के बीच झड़प देखी गई। टीएमसी नेता डोला सेन ने कहा कि पिछले सप्ताह दो बार हमने चुनाव आयोग से लेवल प्लेइंग फील्ड देने की रिक्वेस्ट की थी, जो अब तक नहीं पूरी हुई है। भाजपा केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करके टीएमसी नेताओं को निशाना बना रही है।

एयरगन से खेलते-खेलते 11 वर्षीय बच्चे की मौत

बंजार। कुल्लू जिले के बंजार में एयरगन से खेलते-खेलते एक बच्चे की मौत हो गई। 11 वर्षीय भूपेश पुत्र घनश्याम सिंह हुरला ग्राम पंचायत चनोंन तहसील बंजार का रहने वाला था। यह हादसा सोमवार सुबह 9:30 बजे के बीच हुआ। बच्चे के पिता घनश्याम सिंह ने बताया कि वह अपनी ड्यूटी के लिए बंजार पहुंच गया था। फोन आया कि बच्चा घायल हो गया है। जब बच्चे को बंजार अस्पताल पहुंचाया गया तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी बंजार रामलाल ठाकुर ने बताया कि छानबीन के माध्यम से पता चला कि बच्चों की एयरगन से मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए नेरचौक ले जाया गया है।

बच्चे को एयरगन से गले में चोट आई थी। आनन-फानन में अन्य बच्चे उसे उठाकर सड़क तक लेकर आए, जहां से एक निजी वाहन के माध्यम से बंजार अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। डीएसपी बंजार शेर सिंह ठाकुर ने बताया कि आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

ईमानदार होने का दंभ न भरें सीएमः सुधीर

धर्मशाला। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए सुधीर शर्मा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर पलटवार किया है। सुधीर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री व्यवस्था परिवर्तन और ईमानदार सरकार होने का दंभ न भरें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र नालागढ़, बद्दी व बरोटीवाला में गत 15 महीनों में सबसे अधिक भ्रष्टाचार हुआ है। अवैध खनन और स्क्रैप सहित विभिन्न धंधों के लिए शिमला सचिवालय से फोन जाते रहे। सरकार में बैठे लोगों ने ऐसा माहौल बना दिया जिससे कई व्यापारियों ने फैक्टरियां तक बंद कर दीं। सुधीर शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार के सभी मामलों को तथ्यों सहित प्रदेश की जनता के समक्ष रखा जाएगा।

सरकार से नेता ही नहीं, जनता भी दुखीः चक्षु

धर्मशाला। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के मीडिया को-ऑर्डिनेटर व प्रदेश भाजपा मीडिया सह-प्रभारी विश्व चक्षु ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी पार्टी है। उसके लिए देश सर्वोपरी है। राजनीति को जनसेवा का माध्यम मानकर काम करने और अपनी विचारधारा पर अडिग रहने से ही लोकसभा में भाजपा दो से 303 सीटों पर पहुंच गई। इस बार भाजपा ने अपने लिए 370 और सहयोगी दलों के साथ मिलकर 400 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कांग्रेस पर तंज कसते हुए चक्षु ने कहा कि सरकार की तानाशाही से न केवल प्रदेश की जनता, बल्कि उनकी अपनी पार्टी के लोग भी दुखी हैं। कांग्रेस में घुटन महसूस होने के कारण ही उसके कई विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा इससे कहीं अधिक सीटें हासिल करेगी। इसमें हिमाचल प्रदेश की जनता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। देश की जनता सौभाग्यशाली है कि उसे नरेंद्र मोदी जैसा नेता मिला है।

कन्या पूजन के साथ मेले का शुभारंभ

धर्मशाला। दाड़ी के भराड़ी माता मंदिर में कन्या पूजन तथा झंडी पूजन के साथ एसडीएम मेला अधिकारी संजीव भोट ने विधिवत रूप से धुम्मू शाह मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एसडीएम संजीव भोट ने कहा कि धुम्मू शाह मेले के साथ स्थानीय लोगों का भावनात्मक जुड़ाव है तथा इस मेले को भव्य रूप प्रदान करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नौ अप्रैल को छोटी माली आयोजित होगी जिसमें एसपी शालिनी अग्निहोत्री बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगी जबकि दस अप्रैल को कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ उपायुक्त हेमराज बैरवा करेंगे इसके साथ ही 11 अप्रैल को सांस्कृतिक संध्या आयोजित होगी। इसमें नगर निगम के आयुक्त जफर इकबाल बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त नगर निगम सुरेंद्र कटोच, तहसीलदार गिरिराज सहित मेला कमेटी के सदस्य व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

टमक की थाप से बैसाखी मेला शुरू

जवाली। जवाली में 13-14 अप्रैल को आयोजित होने वाले दो दिवसीय जिला स्तरीय बैसाखी मेला जवाली का आगाज टमक की थाप से हुआ। जिला स्तरीय बैसाखी मेला के अध्यक्ष एवं नगर पंचायत जवाली के चेयरमैन राजिंदर राजू ने पूजा-अर्चना की और प्रसाद बांटा गया। मेला कमेटी अध्यक्ष राजिंद्र राजू ने टमक पर थाप लगाई। मेला कमेटी के अध्यक्ष राजिंदर राजू ने कहा कि 13 अप्रैल को मिनी हरिद्वार जवाली में बैसाख संक्रांति का महास्नान होगा। रात्रि को सांस्कृतिक संध्या भी होगी।

पुराना मटौर में युवक ने लगाया फंदा, मौत

कांगड़ा। पुलिस थाना कांगड़ा के अंतर्गत रविवार रात को पुराना मटौर में नीलेश पुत्र प्रदेशा उर्ण निवासी गांव मुंदर तहसील व जिला विसहनपुरा, झारखंड हाल निवासी पुराना मटौर तहसील व जिला कांगड़ा उम्र 21 साल ने अपने मकान के स्टोर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने मामले की पुष्टि की है।

टिहरा लाइन में स्कूटी और कार में भिड़ंत

मैक्लोडगंज। पुलिस थाना मैक्लोडगंज के तहत टिहरा लाइन में एक स्कूटी और कार की भिड़ंत होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार स्कूटी मैक्लोडगंज की तरफ जा रही थी जबकि हरियाणा नंबर की कार धर्मशाला की ओर जा रही थी। टिहरा लाइन में दोनों में टक्कर हो गई जिसमें स्कूटी सवार तथा कार सवारों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस थाना मैक्लोडगंज की टीम मौके पर मौजूद थी। उधर, धर्मशाला के सिविल लाइंस में एक तेज रफ्तार बुलेट ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी चालक घायल हो गया। हादसे के बाद घायल को अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया है।

डरोह स्कूल में पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू

डरोह। स्थानीय पीएमश्री उत्कृष्ट राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला डरोह में सोमवार से चार शिक्षा खंडों के 96 पाठशालाओं के अध्यापक प्रशिक्षण ले रहे हैं। सोमवार को स्थानीय स्कूल के प्रधानाचार्य रजनीश अत्री ने बतौर मुख्यातिथि पांच दिवसीय कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर डाइट धर्मशाला से को-ऑर्डिनेटर मिलंत डोगरा, अभिषेक मिश्रा वेलुएर फेवटेक्स के ऑपरेशन हेड, शबनम ठाकुर भवारना ब्लॉक के इंचार्ज व डोमेन ट्रेनर, शिल्पा धीमान डोमेन ट्रेनर, आरपी चारू सिंह, कामिनी शर्मा डोमेन ट्रेनर, राजू यादव, नितिन डोगरा, संजीव व स्कूलों से आए अध्यापकों ने भाग लिया। शिविर में शिक्षा खंड भवारना, थुरल, लंबागांव व खुंडियां के वाणिज्य संकाय, गणित, अर्थशास्त्र व टीजीटी अध्यापक शामिल हैं।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने का किया आह्वान

धर्मशाला। विधानसभा क्षेत्र धर्मशाला के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत स्वीप कार्यक्रम के अनुसार आगामी लोकसभा चुनाव के तहत कम प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों में जाकर मतदान के लिए जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। एसडीएम धर्मशाला संजीव कुमार भोट ने बताया कि इस कड़ी में जिन मतदान केंद्रों में पिछले लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा है वहां जाकर मतदाताओं को मतदान बढ़ाने का आह्वान किया जा रहा है। सोमवार को स्वीप टीम द्वारा पार्ट नंबर-3, भागसुनाग-2 में वहां के मतदाताओं के साथ बैठक कर एवं भागसुनाग स्कूल के छात्रों के सहयोग से मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। स्वीप टीम द्वारा भागसुनाग-2 के मतदाताओं से पहली जून को निर्धारित लोकसभा चुनाव में तथा विस चुनाव में मतदान में भाग लेने की अपील की गई।

नवरात्र के लिए सज गए मां के दरबार

बज्रेश्वरी, ज्वालाजी और चामुंडा मंदिर में तैयारियां पूरीं, मंदिर प्रशासन ने सुरक्षा के किए पुख्ता इंतजाम

नवरात्र विशेष

आशीष दमीर, कांगड़ा

मंगलवार से शुरू होने वाले चैत्र माह के पहले नवरात्र को लेकर बज्रेश्वरी मंदिर प्रशासन द्वारा कमर कस ली गई है। नवरात्र के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर में कलश स्थापना के साथ ही नवरात्र शुरू होंगे व 17 अप्रैल को मंदिर में पूर्णाहुति के साथ समापन किया जाएगा। यह जानकारी मंदिर अधिकारी मोहित रतन ने दी। नवरात्र में उत्तर प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या ज्यादा होती है क्योंकि बज्रेश्वरी देवी कांगड़ा को इनकी कुलदेवी माना जाता है। इन नवरात्र में यहां पर हर साल लाखों की तादाद में श्रद्धालु मां के दर्शनों को पहुंचते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर में तैनात 14 होमगार्ड जवानों के अतिरिक्त 40 और होमगार्ड कर्मचारी तैनात किए गए हैं। मंदिर में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

मंदिर में जहां पहले एक मेटल डिटेक्टर था वहीं इस बार इनकी संख्या दो कर दी गई है जिससे की मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालु प्रसाद के अलावा कोई और चीज नहीं ले जा सकते। मंदिर में फिलहाल 16 सीसीटीवी कैमरे कार्य कर रहे हैं वहीं दो और अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। पहले मंदिर में सफाई कर्मचारियों की संख्या 20 थी। वहीं इन नवरात्र में 15 अतिरिक्त सफाई कर्मचारी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए बाईपास फायर स्टेशन के पास स्थायी तौर पर शौचालय का निर्माण करवा दिया गया है। इस बार सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए मंदिर में प्रसाद के रूप में चढ़ने वाले नारियल को मंदिर में ले जाने की अनुमति नहीं है, जिसके लिए यहां चढ़ाए जाने वाले नारियल को मंदिर के बाहर ही एक बक्सा स्थापित किया गया है, जिसमें उक्त नारियल डाले जाएंगे। (अनंत ज्ञान)

मां बज्रेश्वरी।

मंदिर में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया

श्रद्धालुओं के लिए नाश्ते का भी प्रबंध

मंदिर प्रशासन द्वारा गाइड मैप भी जारी किया गया है। वहीं मंदिर में लंगर की समय-सारिणी जहां प्रातः 12 से 3:00 बजे तक है व शाम 7:00 बजे से लेकर मंदिर के बंद होने तक है। मंदिर ट्रस्टी अशोक हिमाचली ने बताया कि इस बार श्रद्धालुओं के लिए यहां पर सुबह के नाश्ते का भी विशेष प्रबंध मंदिर प्रशासन द्वारा किया गया है।

मां चामुंडा भक्तों की मन्नत करती हैं पूरी

बॉबी गोस्वामी, चामुंडा

श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम मंदिर में नौ से 17 अप्रैल तक चलने वाले चैत्र नवरात्र महोत्सव शुरू होने जा रहा है। यह विश्व प्रसिद्ध शिव शक्ति सिद्ध पीठ मंदिर धौलाधार के आंचल में बाणगंगा के किनारे बसा हुआ है। इस मंदिर में भक्त जो भी इच्छा सच्चे मन से इस दरबार में मांगते हैं,उनकी इच्छा मां चामुंडा देवी और भोलेनाथ नंदीकेश्वर महादेव जरूर पूरी करते हैं। दुर्गा सप्तशती में इस स्थान का वर्णन आता है, कहते हैं कि इस स्थान पर आकर देवी ने चंड और मुंड नाम के राक्षसों का वध किया था और संसार को उनके आतंक से भय मुक्त किया था।

जब देवी चंड और मुंड के शीश काटकर मां अंबा के सामने प्रकट हुई थी तो मां अंबा के मुख से यह शब्द निकले (यशमा चंडम च मुंडम च ग्रहतीत्वा तपमुपागता चामुंडेती ततो लोके ख्याता देवी भविष्यासी) ने उन्हें यह वरदान दिया था कि देवी तुमने इस संसार को चंड और मुंड नाम के दैत्यों के आतंक से भय मुक्त किया है। आज से तीनों लोकों में चामुंडा देवी के नाम से तुम्हारी ख्याति होगी। तब से यह स्थान श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम के नाम से प्रसिद्ध हुआ। मां चामुंडा देवी का मूल स्थान सामने धौलाधार की पहाड़ी जिसको राजा चंद्रभान (चंद्रधार) की कुल देवी को आदि हिमानी चामुंडा देवी के नाम से जाना जाता है, वहां पर भी हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु दर्शनों के लिए जाते हैं। माता चामुंडा देवी के दरबार में यूपी, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, केरल व महाराष्ट्र पूरे भारतवर्ष से और विदेशों से भी यहां पर श्रद्धालु माता के दरबार में अपनी अरदास लेकर आते हैं और अपनी हाजिरियां भरते हैं। मां सब की मनोकामना पूरी करती है। (अनंत ज्ञान)

ज्वालामुखी मंदिर में ढोल-नगाड़ों पर रहेगा प्रतिबंध

पंकज सोनी, ज्वालामुखी

विश्व विख्यात शक्तिपीठ ज्वालामुखी मंदिर में नौ अप्रैल से चैत्र नवरात्र का आगाज कन्या पूजन व शुभ मुहूर्त में पूजा पाठ से किया जाएगा। सुबह पांच बजे गर्भ गृह के कपाट खोले जाएंगे। चैत्र नवरात्र में शक्तिपीठ ज्वालामुखी में ड्रोन से मेले की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी और सारी व्यवस्था पुलिस विभाग संभालेगा। नवरात्र में अतिरिक्त 50 सुरक्षा कर्मी मंदिर में सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे व 65 अस्थायी कर्मचारी नवरात्र में रखे जाएंगे और अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों को भी नगर परिषद में मेलों के दौरान सफाई व्यवस्था पुख्ता करने के लिए रखा जाएगा। मंदिर के अंदर ढोल, नगाड़ों और नारियल पर प्रतिबंध रहेगा। ज्वालामुखी एसडीएम संजीव शर्मा ने बताया कि नौ अप्रैल से चैत्र नवरात्र का आगाज होगा। मंदिर को लाइटों से सजाया गया है। मंदिर प्रसाशन ने सभी इंतजाम कर लिए हैं। नवरात्र के दौरान शहर में कई जगह अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरों से असमाजिक तत्वों पर नजर रखी जाएगी। शहर को छह सेक्टरों में बांटा जाएगा और पार्किंग चयनित स्थलों पर की जाएगी। चप्पे चप्पे पर पुलिस कर्मी तैनात रहेंगे और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाएगा। बड़े वाहन शहर के बाहर चयनित स्थलों पर ही खड़े होंगे। श्रद्धालुओं के लिए पेयजल व्यवस्था सुचारू रहेगी। मंदिर में सफाई व्यवस्था, लंगर व्यवस्था सुचारू रहेगी। श्रद्धालुओं के लिए सभी प्रकार की सुविधाएं, हेल्थ, दवाइयां व खाने पीने की सभी वस्तुओं को चेक करने के लिए फूड इंस्पेक्टर भी तैनात रहेंगे। इसके साथ ही अंतिम तीन नवरात्र सप्तमी, अष्टमी व नवमी को मंदिर 24 घंटे दर्शनों के लिए खुला रहेगा। (अनंत ज्ञान)

गबन के आरोप हैं तो साबित करें: सविता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

हाईकोर्ट के आदेशों का स्वागत है और जिला प्रशासन ने धुम्मू शाह मेला दाड़ी की कमान अपने हाथों में ली है, यह भी स्वीकार है। जो निर्देश जिला प्रशासन के पास आए हैं, उसकी प्रतिलिपि मेला कमेटी को भी आनी चाहिए थी। प्रशासन की तरफ से तीन अप्रैल को संदेश आया कि आप जिलाधीश कार्यालय में आएं। प्रशासन ने वहां मुझे हाईकोर्ट से निर्णय के अनुसार सहयोग देने की अपील की। यह बात धुम्मू शाह मेला कमेटी दाड़ी की अध्यक्ष सविता कार्की ने प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि 2019 में हाईकोर्ट की दो सदस्यीय बेंच ने हमारे पक्ष में फैसला किया। उन्होंने दुख प्रकट किया कि उन्हें इस संबंध में कोई भी सूचना नहीं मिली। उन्होंने कहा कि जब प्रशासन ने मेले को अपने हाथ में लिया तो कई प्रकार की कोताही बरती जा रही है। मेरे ऊपर जो गबन के आरोप लगा रहे हैं उसे किसी प्रकार से साबित करने के लिए चेक कर सकते हैं। वहीं व्यापार मंडल अध्यक्ष दाड़ी हर्ष ओबराय ने कहा कि इस प्रकार के हस्तक्षेप से मेले के अस्तित्व पर खतरा आ गया है। यहां तक कि प्लॉट की नीलामी का जो मूल्य लिया जा रहा है उस पर जीएसटी वसूला जा रहा है। एसडीएम धर्मशाला एसके भौट ने बताया कि जिला प्रशासन न्यायालय के आदेशों के अनुसार कार्रवाई कर रहा है। मेला पारदर्शी तरीके से हो, इसका प्रयास किया जा रहा है। मेले में दुकान लगाने का सबको मौका मिलना चाहिए, इसलिए प्लॉट के लिए बोली से आवेदन हो रहा है। मेला अधिकारिक तौर पर नौ अप्रैल को शुरू होगा।

70 हजार में बिका दुकान का प्लॉट

पूर्व में पांच से छह हजार रुपए में दुकान के लिए आवंटित होने वाले प्लॉट बोलियों के माध्यम से कई गुणा अधिक कीमतों में बिक रहे हैं। व्यापार मंडल अध्यक्ष दाड़ी हर्ष ओबराय ने बताया कि सोमवार को एक प्लॉट 70 हजार की बोली पर बिका। एक आम व्यापारी इस नीति से कैसे मुनाफा कमा पाएगा। उन्होंने कहा कि दाड़ी मेला यहां की संस्कृति को दर्शाता है, यह पैसा कमाने का धंधा नहीं है। लोग यहां दूर-दूर से सस्ता सामान खरीदने की उम्मीद से आते हैं, लेकिन यदि दुकानें ही इतनी महंगी बिकेंगी तो सामान का दाम भी अधिक होगा।

बैठक के दौरान हुई गहमागहमी

बैठक के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने मेला कमेटी की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए और पूर्व में आयोजित मेलों में धांधली होने का आरोप लगाया। मेला कमेटी अध्यक्ष सविता कार्की ने कोर्ट से मिले क्लीन चिट और मेला आयोजन को लेकर तैयार किए दस्तावेजों को साझा कर गबन के आरोपों पर सफाई दी। बाद में मामला शांत हो गया।

सिमसा में तिल के तेल की ज्योति जलाने पर मिलती है संतान

राकेश डोगरा, डरोह

हिमाचल प्रदेश में मां सिमसा के दो प्रमुख मंदिर स्थित हैं। एक मंडी जिले के लडभड़ोल में और दूसरा कांगड़ा जिले के डरोह में। मां सिमसा का डरोह मंदिर पालमपुर से 17 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां केवल तिल के तेल की ज्योति जलाने मात्र से संतान प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है। मंदिर की स्थापना की कथा एक ऐसे दंपति से जुड़ी है जिन्हें संतान सुख की प्राप्ति नहीं हो रही थी। डॉक्टरों के पास जाने और कई उपचार के बावजूद जब कोई समाधान नहीं मिला, तब उन्होंने सिमसा माता मंदिर में शरण ली। उनकी अथक भक्ति और सेवा के बाद, माता की कृपा से उन्हें संतान का वरदान मिला। इसके बाद एक दिन उनके आंगन में एक छोटी कन्या आई, जिसने केवल चीनी की कटोरी मांगी। इस छोटी कन्या के रूप में मां सिमसा ने खुद को प्रकट किया और अपने दिव्य अस्तित्व को दर्शाया। मंदिर में नवरात्र के दौरान विशेष आराधना की जाती है, जिसमें भक्तों को सपने में मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मां सिमसा ने स्वप्न में दर्शाया कि तिल के तेल की ज्योति जलाने वाले विवाहित जोड़े संतान सुख प्राप्त कर सकते हैं। (अनंत ज्ञान)

पानी की समस्या हल नहीं हुई तो करेंगे धरना-प्रदर्शन

अनिल छांगू, जवाली

जल शक्ति विभाग उपमंडल फतेहपुर के तहत पड़ती पंचायत लोहारा के गांव लोहारा के लोगों ने सोमवार को विभाग को चेतावनी दी है कि एक सप्ताह के भीतर पानी की समस्या का हल नहीं किया तो विभागीय कार्यालय में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

स्थानीय निवासी अवतार जरियाल ने बताया उनके यहां करीब 200 घरों में पानी की समस्या पिछले करीब एक माह से चल रही है। नलों में पानी तो आता है लेकिन पानी का प्रेशर काफी कम होता है। इस कारण उन्हें काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय युवा चरण गुलेरिया ने बताया कि पानी की समस्या के बारे में कई बार विभाग को अवगत करवाया गया, लेकिन फिर भी कोई हल नहीं हुआ। अब ग्रामीण विभागीय एक्सईएन से मिलकर समस्या के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय देंगे। यदि फिर भी हल न हुआ तो विभागीय कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यकारी एसडीओ अमित रंधावा ने बताया कि समस्या उनके ध्यान में। संबंधित जेई को इसके समाधान के निर्देश दिए थे, फिर भी समस्या बनी हुई है तो जरूर राहत दी जाएगी। इस मौके पर विश्वजीत सिंह ठाकुर, रिखी राम, रजिंद्र शर्मा, पूर्ण सिंह, लेखराज आदि उपस्थित रहे। (अनंत ज्ञान)

जसूर में मतदान के लिए जागरूक किए लोग

नूरपुर। सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता समूह नूरपुर द्वारा जसूर स्थित पोलिंग बूथ पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सभी से आगामी लोकसभा चुनावों में भारी संख्या में मतदान की अपील की गई। अभियान सहायक रिटर्निंग अधिकारी गुरसिमर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित करवाया गया। इस अवसर पर बृजेश पठानिया, नोडल अधिकारी स्वीप द्वारा उपस्थित लोगों को संबंधित दिन मतदान केंद्र पर पहुंचने और अपना मताधिकार प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बृजेश पठानिया, रूपेश, मुकेश शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पंचरुखी में जयसिंहपुर भाजपा की बैठक में बोले संजय टंडन

'मोदी देश ही नहीं, दुनिया की जरूरत'

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर/पंचरुखी

भाजपा मंडल जयसिंहपुर की बैठक पंचरुखी में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा सह प्रभारी संजय टंडन विशेष तौर पर उपस्थित रहे। उन्होंने कांगड़ा संसदीय क्षेत्र के पार्टी प्रत्याशी डॉ. राजीव भारद्वाज के पक्ष में जयसिंहपुर मंडल के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा की पीएम नरेंद्र मोदी देश ही नहीं दुनिया की जरूरत है। वर्तमान समय में रूस और यूक्रेन भी पीएम मोदी को याद कर रहे है कि वह आए और उनके बीच वार्ता करवाए। यह भारत के लिए बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा की कांग्रेस के केंद्र कार्यकाल और भाजपा के कार्यकाल में दिन रात का अंतर है। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को आगामी लोकसभा चुनाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई कि अपने- अपने बूथ पर क्या-क्या जिम्मेदारियां पूरी करनी हैं और अपने क्षेत्र के लोगों को भाजपा के पक्ष मे वोट डालने के लिए प्रेरित करना है ताकि पार्टी इन चुनावों में प्रदेश की चारों सीटें बड़े अंतर से जीते। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बूथ अध्यक्षों से वर्चुअल मीटिंग कर रहे हैं और उन्हें अपने बूथ को मजबूत करने के लिए आग्रह कर रहे हैं। इस मौके पर पार्लिमेंट्री प्रभारी चंद्रभूषण नाग,पूर्व जिला अध्यक्ष हरिदत्त शर्मा, जिला प्रभारी पंकज जमवाल, पूर्व विधायक रविंद्र धीमान,मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र राणा, मंडल , भाजपा मीडिया प्रभारी प्रकाश चंद, कार्यसमिति सदस्य व सभी मोर्चों के मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पंचरुखी में भाजपा सह प्रभारी संजय टंडन का स्वागत करते पूर्व विधायक रविंद्र धीमान व भाजपा कार्यकर्ता।

उत्तराखंड के राजेश ने जीता आशापुरी मेले का दंगल

मां आशापुरी मेले के समापन पर विजेता पहलवानों को सम्मानित करते आयोजक।

अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर

चार दिवसीय मां आशापुरी मेले का समापन हो गया। इस मौके पर मेला कमेटी द्वारा हर वर्ष की भांति छिंज व वॉलीबाल प्रतियोगिता का भी आयोजन करवाया गया । छिंज प्रतियोगिता में उत्तराखंड का राजेश विजेता व जालंधर का सोनू उपविजेता रहे। विजेता को मेला कमेटी की और से 9100 रुपए व स्मृति चिन्ह, उपविजेता को 7100 रुपए व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वॉलीबाल प्रतियोगिता में जयसिंहपुर विजेता व महाराजा नगर उपविजेता रहा। इस मौके पर मेला कमेटी अध्यक्ष कुलवंत शर्मा, अप्पर ठेहडू पंचायत प्रधान विनोद कुमार के अतिरिक्त ओम प्रकाश, अशोक, संजू, मनजीत, विद्यासागर आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

नैहरनपुखर में संत समागम 11 को

देहरा। संत निरंकारी मिशन के जोनल इंचार्ज महात्मा डॉ. केसी धीमान ने बताया कि 11 अप्रैल को संत निरंकारी मिशन की सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आदेश अनुसार उपमंडल देहरा के अंतर्गत नैहरनपुखर नजदीक पेट्रोल पंप के पास सुबह 10 बजे से लेकर 1 बजे दोपहर तक संत समागम होगा। इस समागम में संत निरंकारी मिशन की आध्यात्मिक विचारधारा जो कि विश्व में मानव एकता और आपसी भाईचारे का संदेश दे रही है और आदिकाल से अनेक संत महात्माओं ने जो सच्चाई का संदेश मानव मात्र को दिया उसी को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंकारी मिशन के संत महात्मा दिन-रात प्रयासरत है ताकि पूरे विश्व में सुकून कायम हो सके।

बैठक समीक्षा बैठक में सीएमओ ने स्वास्थ्य अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यक्षेत्र में अनुशासन व समय का करें पालन: गुलेरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

जोनल अस्पताल के कॉन्फ्रेंस हॉल में सोमवार को कांगड़ा के स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जिला के सभी स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश गुलेरी ने की। बैठक में जिला के वरिष्ठ चिकित्सा अधीक्षक भी मौजूद रहे। सिविल हॉस्पिटल नूरपुर से डॉ. नीरजा गुप्ता, सिविल हॉस्पिटल पालमपुर से डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, जोनल हॉस्पिटल धर्मशाला से डॉ. सुनील भट्ट, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, वित्त नियंत्रक अधिकारी सीएमओ ऑफिस और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। मासिक समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी ब्लॉक के स्वास्थ्य कार्यक्रमों का अवलोकन किया। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को आदेश दिए कि आम लोगों के साथ अच्छा व्यवहार रखें, कार्यक्षेत्र में अनुशासन एवं समय का पालन करें, हर कार्यक्षेत्र में निरीक्षण रजिस्टर लगाए, निरीक्षण करें और निरीक्षण के दौरान आने वाली समस्याओं का भी निदान किया जाए। राष्ट्रीय स्तर पर चलने वाले स्वास्थ्य कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर उतारना बहुत जरूरी है। उन्होंने स्वास्थ्य प्रोग्राम जैसे व्यस्क बीसीजी टीकाकरण, एचएमआईएस, आरसीएच, आईडी एसपी, नेशनल वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम, टीबी, लेपरोसी, आरबीएस आदि कार्यक्रमों को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। फतेहपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश को व्यस्क बीसीजी टीकाकरण की अच्छी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक में मौजूद अधिकारियों को संबोधित करते सीएमओ डॉ. राजेश गुलेरी।

चुनावी टकी

सपेरे की बीन

सपेरा भी आया है, सांप भी लाया है, खेल भी दिखाया है, लेकिन फिर भी झांसे में कोई नहीं आया है। यह सब देख परेशान बहुत अपना ताया है। लोगों को सपेरे का जादू क्यों नहीं भाया है। चुनावी मौसम में सपेरों का बोलबाला था, तभी तो इस दिन के लिए मैंने भी सांप पाला था। बीन भी बजा रहा हूं, सबको बुला रहा हूं। तमाशा बिलकुल नया दिखाया है, खेल देखने कोई नहीं आया है। सपेरे का खेल तो बहाना है, वोट पर उनका निशाना है। जनता चाल यह जान चुकी है, असली चेहरे को पहचान चुकी है। मुंह पर लगाए बैठा जो मुखौटा है, इसके पीछे छिपा सिक्का खोटा है। तमाशा भी दिखा चुका है, मिठाई भी खिला चुका है, जादू अब नहीं चल रहा है, मन ही मन में बहुत कुछ पल रहा है। भाखड़े वाला रौनकी ताऊ सपेरे को पहचान चुका है, चुनावी बीन बजाने की वजह जान चुका है। पहले भी मुखौटा सामने आया था, जनता को चुनावों में ही वह भाया था। अब नया मुखौटा लगाकर माहौल बनाने की उसने ठानी है, जनता ने भी लाचिंग में ही याद दिला दी उसको नानी है। काटे पर चारा लगा दरिया में डाल चुका था, मछली भी काटे में आएगी यह मान चुका था। तालाब में शुरू हो चुकी एक नई कहानी है, ताऊ बता चुका है, चारा नया लेकिन कुंडी तो वही पुरानी है। झांसे में अब यह मछली नहीं आ रही है, ताऊ की नई चाल सबको भा रही है।

बदलता चुनावी मौसम

चुनावी मौसम का बदलाव काम करने लगा है, अब निशान नहीं नाम चलने लगा है, जो लोग थे, अब तक उनसे अनजान, अब वे निकाल रहे नजदीकी होने की पहचान। नेता जी का नाम जबसे चलने लगा है, अचानक विरोधी दल भी ढलने लगा है। संकट विरोधियों का भारी है, स्टेशन पर मिल नहीं रही कोई सवारी है। तूफान जो मुखिया ने चला दिया है, चमके हुए दीपक को बुझा दिया है। हवा में जो उड़ रहे थे, धरती पकड़ने को अब तरस रहे हैं। मेघ ऐसे घनघोर छा चुके हैं, कुछ को धरती सुंघा चुके हैं। खाक वे अब छान रहे हैं, मुश्किल डगर मान रहे हैं। चुनावी मौसम का बदलाव काम करने लगा है, अब निशान नहीं नाम चलने लगा है, जो अस्त्र वे चला रहे हैं, अपनों का ही खून बहा रहे हैं। नव ग्रह का संकट यह भारी है, कुंडली में चोट भी करारी है। जनता भी संकेत दिखा रही है, मुश्किल में बड़े नेता हैं ऐसा आभास जता रही है। आसमान में अब चक्रवाती का अंदेशा है, मौसम बदलता देख निष्ठा बदलना भी अब नया पेशा है। भाखड़े वाला रौनकी ताऊ भी मौसम को पहचान चुका है, तभी तो छतरी की जगह बरसाती पहन चुका है।

-राजेश शर्मा

हिमाचल लोकसभा चुनाव एक नजर

कांगड़ा संसदीय सीट

- **1977** कंवर दुर्गा चंद जनता पार्टी से सांसद बने
- **2019** बसपा के डॉ. केहर सिंह को 8,866 वोट पड़े
- **2014** 'आप' के राजन सुशांत को 24,430 वोट पड़े
- **2009** बसपा के नरेंद्र सिंह पठानिया को 12,745 वोट पड़े
- **2004** बसपा के शक्ति चंद चौधरी को 10,860 मत पड़े

मंडी जिले के थुनाग में मतदाताओं को जागरूक करती 'स्वीप' टीम।

आर-पार की लड़ाई के मूड में पौंग विस्थापित

तीसरी पीढ़ी कर रही हक के लिए संघर्ष, वन टाइम सेटलमेंट से ही मिलेगी प्रभावितों को राहत

कपिल पंडित/अनिल छांगू, धर्मशाला/जवाली

चुनावी मुद्दा

विधायक या सांसद बनना है, तो पौंग बांध विस्थापितों के कंधे का इस्तेमाल करें और बाद में भूल जाएं। चुनावी वर्ष में पौंग बांध विस्थापितों का मुद्दा उठता तो जरूर रहा है, लेकिन नतीजा आज तक किसी ठोस मुकाम तक नहीं पहुंच पाया।

सालों से बांध विस्थापित अपने हक की लड़ाई के लिए आंदोलनरत हैं, लेकिन अभी तक उनकी कोई भी सुनवाई कहीं नहीं हुई है। चाहे सरकार कांग्रेस की रही हो या भाजपा की, उन्हें मात्र आश्वासन ही मिलते रहे हैं। अब विस्थापितों ने एकजुट होकर आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। उन्हें रंज इस बात का है कि उनके पूर्वज अपनी जमीन के हक के इंतजार में दम तोड़ गए, तो कई परिवारों के सदस्यों को राजस्थान में जान गंवानी पड़ी। अब विस्थापितों की तीसरी पीढ़ी हक के लिए संघर्ष कर रही है।

प्रदेश सरकार यदि विस्थापितों को जल्द हक नहीं दिलाती है, तो पौंग बांध का पानी राजस्थान को जाने से रोक दिया जाएगा। समिति चेतावनी जारी कर चुकी है कि हक न मिला तो जलसमाधि से भी पीछे नहीं हटेंगे। अब विस्थापितों को राजस्थान में भूमि नहीं चाहिए, बल्कि नर्मदा बांध की तर्ज पर वर्तमान जमीन की कीमत के मुताबिक 30 लाख रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाए, यानी कि वन टाइम सेटलमेंट कर दी जाए। राहत एवं पुनर्वास उपायुक्त संजय धीमान का कहना है कि प्रथम चरण का मुद्दा राजस्थान सरकार के ध्यान में लाया गया है। मूलभूत सुविधाओं से पूर्ण कमांड भूमि की मांग की जा रही है। मुआवजे का मामला प्रदेश सरकार के ध्यान में लाया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

फाइल फोटो

1964 में शुरू हुआ था पौंग बांध का निर्माण

90,702 लोग और 339 गांव हुए थे प्रभावित

1973 में शुरू हुआ था बांध में जलभराव

यह कहना है विधायक भवानी पठानिया का

राज्य योजना आयोग उपाध्यक्ष एवं विधायक फतेहपुर भवानी पठानिया का कहना है कि विस्थापितों का मुद्दा बेहद गंभीर है। प्रदेश सरकार इस दिशा में कोशिश कर रही है। कुछ विस्थापितों को रेतीले टिब्बे युक्त भूमि मिली है, जो कृषि योग्य नहीं है और वहां मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। आवंटित जमीनों पर भू-माफिया एवं कब्जाधारियों के मामले भी सामने आ रहे हैं।

क्या कहते हैं पीसी विश्वकर्मा

मैं पौंग बांध विस्थापितों के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहा हूं। प्रदेश में सरकारें बदलती रहीं, लेकिन विस्थापितों के मुद्दे पर किसी भी सरकार ने गौर नहीं किया। मेरी सरकार से मांग है कि पौंग बांध विस्थापितों को वन टाइम सेटलमेंट दी जाए, ताकि विस्थापितों को न्याय मिल सके।

29 बैठकों के बाद भी मामला बेनतीजा

पौंग बांध विस्थापित संघर्ष समिति अध्यक्ष अश्वनी कुमार बताते हैं कि करीब 7 हजार परिवार ऐसे हैं, जिन्हें भूमि आवंटित नहीं हुई। हकों की लड़ाई के लिए अब तक बड़े स्तर पर 29 से अधिक बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन कोई नेता, विधायक, मंत्री एवं सांसद मदद के लिए नहीं आया। इसी वर्ष जनवरी माह में आखिरी बैठक हुई, जिसमें बीबीएमबी चेयरमैन, सांसद किशन कपूर, जिलाधी कांगड़ा एवं संघर्ष समिति के सदस्य मौजूद रहे। इस बैठक में विस्थापितों को वन टाई सेटलमेंट देने पर बीबीएमबी चेयरमैन राजी हुए, अब आगामी क्या फैसला होता है, यह देखना बाकी है। इससे पूर्व वर्ष 2017 को उच्चतम न्यायालय ने भी राजस्व विभाग को आदेश दिए थे कि विस्थापितों को वन टाईम सेटलमेंट प्रदान की जाए।

भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने पौंग बांध विस्थापित लोगों के साथ छल किया है। जो अधिकारी पौंग बांध विस्थापित के हक में काम करते हैं, उनको भी ये रोक देती हैं।

हंसराज चौधरी, पौंग बांध समिति प्रधान।

सरकारों ने सारे रास्ते बंद कर दिए हैं। राजस्थान के नेता, प्रशासन कब्जाधारी बाहुबलियों की मदद करते हैं। विस्थापित अपने हक के लिए ठोकरे खा रहे हैं।

संजीव खट्टा, पौंग बांध विस्थापित।

राजस्थान के नेता, मंत्री, प्रशासन विस्थापितों की भूमि पर कब्जा जमाकर बैठे बाहुबलियों की मदद करता है। वहीं, हिमाचल सरकार, केंद्र सरकार को विस्थापितों के मुद्दे से कोई सरोकार ही नहीं है।

श्याम सुंदर बिट्टू, पौंग बांध विस्थापित।

बांध निर्माण पर समझौता और विद्युत उत्पादन

1964 में पौंग बांध निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। 3 व 4 सितंबर,1970 को भारत सरकार की अध्यक्षता में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व हिमाचल के मुख्यमंत्रियों की सहमति पर एग्रीमेंट के तहत विस्थापितों के पुनर्वास के लिए श्रीगंगानगर में 2.20 लाख एकड़ भूमि आरक्षित की गई। पौंग बांध के पानी से 360 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है, जिससे प्रदेश सरकार लगातार लाभान्वित हो रही है।

युवा मतदाता

वोट जरूर देना चाहिए, वोट हमारे भविष्य को तय करता है। वोट करने से हम सही भविष्य को चुन पाते हैं और आज के समय में अगर सही नेता नहीं चुना जाता है, तो इससे देश, प्रदेश और स्वयं का काफी नुकसान होता है।

अक्षय वर्मा, घुमारवीं।

मतदान सोच-समझ कर करना चाहिए। मतदान ही हमारा भविष्य तय करता है। मैं प्रत्येक साल अपने परिवार के साथ मतदान करने जाता हूं। इस साल अपने दोस्तों के साथ मतदान करने जरूर जाऊंगा और सरकार बनाने में अपना योगदान दूंगा।

आर्यन सांख्यान, घुमारवीं।

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार की बहुत संभावनाएं हैं। यहां पर पर्यटन के क्षेत्र को हर दृष्टि से बढ़ावा देने के लिए हमारे सांसदों को काम करना चाहिए। मेरा पहला मतदान इन विचारों के पक्षधर उम्मीदवार के पक्ष में होगा।

नितिन, छात्र, सदर मंडी।

महिला मतदाता

हमारा सांसद ईमानदार और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार क्षेत्र का नेतृत्व करने वाला होना चाहिए। धर्म संस्कृति से लेकर राष्ट्र नीति तक अच्छी पैठ रखता हो। बेसहारा पशुओं, बंदरों की बढ़ती संख्या वाले विषयों को संसद में उठाए।

अंजना देवी, डलहौजी।

महंगाई व बेरोजगारी से जनता त्रस्त है। सरकार को चाहिए कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान दे। लोगों को भी चाहिए मतदान से पूर्व प्रत्याशियों का रिपार्ट कार्ड जांचें और सही व्यक्ति को मतदान करें।

भावना शर्मा, धर्मशाला।

पुरुष मतदाता

केंद्र सरकार द्वारा लाए गए सीएए कानून के बारे में आम लोगों में जागरूकता नहीं है और यहां कोई इस बारे में चर्चा भी नहीं होती है। जहां तक राम मंदिर के निर्माण की बात है, यह अपने-अपने धर्म की बात है। जहां तक सरकार के बनने का प्रश्न है तो अधिकतर झुकाव भाजपा की ओर ही दिखाई देता है।

नसीम दीदान, ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के मुख्य सलाहकार।

राजनीति में हो रहा दल-बदल बेहद गलत है। जनता को विचार करना चाहिए और सोच-समझकर अपने मत का प्रयोग करना चाहिए। प्रदेश में भाजपा ने जो ऑपरेशन लोटस चलाने का प्रयास किया, वह गलत है। चुने हुए प्रतिनिधियों को अपने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं को छोड़ जनहित के फैसले लेने चाहिए। जनप्रतिनिधियों का बार-बार दल बदलना बेहद गलत है।

संजय कुमार, डलहौजी।

लोकसभा चुनाव में सुलझा हुआ, ईमानदार व पढ़ा-लिखा उम्मीदवार आना चाहिए। उम्मीदवार ऐसा आना चाहिए, जो जीतने के बाद भी जनता के दुख-सुख में शामिल हो। विकास को लेकर उम्मीदवार का विजन सबके सामने होना चाहिए।

सूरज शर्मा
वाइस चेयरमैन, ब्लॉक पंचायत समिति मैहला।

सत्ता में आने से पहले प्रधानमंत्री ने 2 करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था। नोटबंदी जैसे निर्णय लिए, जिससे कोई फायदा नहीं हुआ। हिमाचल सरकार महिलओं को 1500 देने शुरू किए, जिसे पूर्व सीएम जयराम ठाकुर बंद करवाने के लिए चुनाव आयोग पहुंच गए। इन मुद्दों को ध्यान में रख कर मतदान करेंगे।

अंकुश शर्मा, कोटखाई।

बीते दस साल में बेरोजगारी देश में चरम पर है। जनता को नेता के चेहरे नहीं नीतियों पर वोट करना चाहिए। विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया और सभी सरकारें विकास कार्य करवाती हैं। इस सरकार ने भी कुछ विकास कार्य करवाए हैं, लेकिन कई पैरा मीटर पर सरकार विफल रही है।

पवन शर्मा, शिमला संजौली।

2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब भाजपा के प्रधानमंत्री चेहरा बने तो उन्होंने युवाओं के साथ 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था। आजतक 20 करोड़ रोजगार मिल जाना चाइए था। प्रधानमंत्री ने नई शिक्षा नीति जैसे निर्णय लेकर शिक्षा के निजीकरण करने का कार्य किया है।

अनिल ठाकुर, शिमला समरहिल।

न्यूज ब्रीफ

लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की होगी जीतः रोहित ठाकुर

कोटखाई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जुब्बल-नावर-कोटखाई की मासिक बैठक का आयोजन जुब्बल में किया गया। बैठक में शिमला संसदीय क्षेत्र के प्रभारी व वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विशेष तौर से शिरकत की। शिक्षा मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने जनता के प्रति अपनी वचनबद्धता को निभाया है और गत 15 माह के छोटे से कार्यकाल में जनहित में नीतिगत व ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस सरकार ने ओपीएस बहाल कर लाखों कर्मचारियों के दुख-दर्द को समझा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के चलते जनता में भाजपा के खिलाफ भारी आक्रोश है।

कांग्रेस पार्टी का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदाः डॉ. राजीव बिंदल

शिमला। कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी किया है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी इस घोषणा पत्र के जारी होने के बाद पूरी तरह से खोखली पार्टी के रूप में दिखाई देती है। यह घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा है। शिमला में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान यह बात डॉ. राजीव बिंदल ने कही। उन्होंने कहा कि 1970 के दशक में गरीबी हटाओ का नारा इंदिरा गांधी ने अपने घोषणापत्र में लगाया, लेकिन 60 साल के बाद दोबारा से वही गरीबी हटाओ, गरीब की मदद करो की बात कर रहे हैं। 1980 के दशक में नारा लगाया कि 100 दिन में महंगाई खत्म कर देंगे और लोगों ने डट के वोट डालकर सरकार बना कर दी। आज 40-45 साल बाद फिर से महंगाई की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2022 में हिमाचल प्रदेश के चुनाव घोषणा पत्र में झूठी गारंटियों का पुलिंदा जनता के सामने प्रस्तुत किया।

चौपाल में 82532 मतदाता करेंगे मतदान

अनंत ज्ञान, नेरवा/चौपाल

लोकसभा चुनाव में चौपाल विधानसभा क्षेत्र चौपाल से 82532 मतदाता अपने मत का प्रयोग कर उम्मीदवारों के भाग्य की पटकथा लिखेंगे। सहायक रिटर्निंग अफसर एसडीएम चौपाल हेम चंद वर्मा के अनुसार चौपाल में इस बार 82 हज़ार से अधिक मतदाता अपने मत प्रयोग करेंगे। इसमें 42539 पुरुष, जबकि 39993 महिला मतदाता शामिल हैं।

इसके आलावा 85 वर्ष की आयु से अधिक मतदाताओं की संख्या 668 है, जबकि शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों की संख्या 1205 है। 85 वर्ष से अधिक आयु और शारीरिक रूप से अक्षम मतदाताओं के लिए घर से ही मतदान करने की व्यवस्था की जाएगी। एसडीएम चौपाल हेम चंद वर्मा ने कहा कि चौपाल विधानसभा क्षेत्र में इस बार छह नए मतदान केंद्र स्थापित किए जाने के बाद कुल मतदान केंद्रों की संख्या 152 हो गई है, जो कि पहले 146 थे। प्रशासन चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है तथा इसके लिए सभी तरह की जरूरी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए गांव-गांव स्वीप कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एसडीएम हेम चंद वर्मा ने चौपाल के सभी मतदाताओं से अपील की है कि सभी पात्र मतदाता लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

इंदौरा में 82 कैन स्प्रिट, नौ लाख की नकदी बरामद

इंदौरा। पुलिस जिला नूरपुर के अंतर्गत नशे के खिलाफ चलाई गई मुहिम के तहत आने वाले लोकसभा चुनाव के चलते थाना डमटाल पुलिस को एक बहुत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने छापेमारी के दौरान, 82 कैन 3280 लीटर स्प्रिट से भरे हुए बरामद किए। एसपी नूरपुर अशोक रतन ने बताया की काफी दिनों से शिकायत मिल रही थी कि थाना डमटाल के अंतर्गत गांव सूरजपुर में एक व्यक्ति बाहरी राज्यों से लाकर स्प्रिट लाकर उसे गांव छन्नी बेली में अवैध शराब बनाने के लिए सप्लाई करता है, जब आरोपी के घर पर छापेमारी की गई तो पुलिस ने तहखाने से स्प्रिट के कुल 82 कैन बरामद किए, जिसमें 3280 लीटर स्प्रिट थी। मौके पर आरोपी के पास से करीब 9 लाख 9 हजार 450 रुपए की नकदी भी बरामद की गई है। आरोपी की पहचान राकेश्वर सिंह पुत्र योगराज निवासी सूरजपुर के तौर पर की गई है।

ऊना में पकड़ा कैश

ऊना। जिले में लोकसभा चुनाव और 2 विधानसभा उपचुनाव को लेकर पूरा प्रशासनिक अमला आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित बनाने को लगातार सक्रिय है। इसी के तहत पुलिस की टीम ने रविवार रात को कुटलैहड़ विस क्षेत्र के डुमखर में चैकिंग के दौरान एक निजी कार से 57,500 रुपए की नकदी बरामद की। चालक की पहचान ऊना शहर के निवासी के तौर पर हुई है। एएसपी संजीव भाटिया ने बताया कि पुलिस ने चालक से कैश के संबंध में जानकारी मांगी जिसका वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया, जिसके बाद पुलिस ने कैश को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें, चुनावों में आदर्श आचार संहिता के दौरान 50 हजार से अधिक नकद धनराशि ले कर चलने पर उससे जुड़े दस्तावेज साथ रखना अनिवार्य है।

विधानसभा उपचुनावों ने फीका किया लोकसभा चुनाव का क्रेज

हमीरपुर संसदीय सीटः भाजपा के मजबूत किले को भेदने की तैयारी कर रही कांग्रेस

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

1989 के बाद अब तक हुए 11 चुनावों में कांग्रेस हमीरपुर संसदीय सीट के इस किले को केवल एक बार ही भेद पाई है। 10 बार भाजपा ने यहां अपना परचम लहराया है। अनुराग ठाकुर के रूप में भाजपा प्रत्याशी एक बार फिर चुनावी मैदान में है। विधानसभा उपचुनावों की वजह से हमीरपुर संसदीय सीट पर लोकसभा चुनाव का क्रेज फीका पड़ चुका है।

कांग्रेस का कुनबा तो केवल विधानसभा उपचुनाव की चर्चा कर रहा है। लोकसभा की बात यहां कांग्रेस की जुबान पर जितनी आ रही है वह उसके वर्कर्स को भी पहले से ही समझ आ चुकी है। कारण साफ है, प्रदेश में सत्तासीन कांग्रेस के लिए विधानसभा उपचुनाव जितना ज्यादा मायने रखता है। उसकी सत्ता का किला तभी सलामत रहेगा, यदि विधानसभा उपचुनाव में वह कम से कम एक सीट जीतने में कामयाब रहे। पिछले काफी समय से कांग्रेस अभी प्रत्याशी घोषित नहीं कर पाई है। हालांकि कांग्रेस ने पूर्व विधायक सतपाल रायजादा के रूप में हमीरपुर सीट से उम्मीदवारी तय कर रखा है, लेकिन अभी विधिवत इसकी घोषणा की इंतजार है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के रूप में भाजपा ने हमेशा ही कांग्रेस के सामने उम्मीदवारी को लेकर बड़ी चुनौती पेश की है। 1984 में हमीरपुर सीट पर नारायण चंद्र पराशर चुनाव जीते थे। उसके बाद दो मर्तबा प्रेम कुमार धूमल ने यह सीट भाजपा के कब्जे में रखी। बाद में सुरेश चंदेल तीन मर्तबा इस सीट पर सांसद रहे। उनके आने से पहले भी यह सीट परंपरागत रूप से प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल के रूप में भाजपा के कब्जे में ऐसा आधार छोड़ गई, जिसकी वजह से केवल 1996 में मेजर जनरल विक्रम सिंह ही एक मर्तबा इस सीट पर भाजपा को पटकनी दे सके।

वहीं, मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सोमवार से हमीरपुर पहुंच गए हैं अब अपने गृह जिला में ही अगले चार-पांच दिनों तक रहेंगे। यहीं से विधानसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम भी फाइनल करवाएंगे और लोकसभा के लिए भी अलग-अलग जगह पर वर्कर्स के साथ बैठकें करके माहौल को टटोलने का प्रयास करेंगे। (अनंत ज्ञान)

सियासत मंडी से राज परिवार की ओर से युवा नेता विक्रमादित्य सिंह मैदान में उतरे तो कंगना के लिए मुश्किल होंगी राहें

स्वर्गीय वीरभद्र सिंह के परिवार की साख से कांग्रेस वाकिफ

जय ठाकुर, शिमला

हिमाचल प्रदेश की चार लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव की 6 सीटों पर प्रदेश कांग्रेस ने अभी तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा को लेकर लंबे समय से सस्पेंस बना हुआ है। वहीं, देश भर के चुनावों में हॉट सीट बने मंडी संसदीय क्षेत्र से बीजेपी ने बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत को टिकट दिया है, जो जोरशोर से प्रचार-प्रसार में जुटी हुई हैं। इस सीट से कांग्रेस की ओर से लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य का नाम आने से प्रदेश में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। राजनीतिक पंडितों की मानें तो कांग्रेस इस लोकसभा चुनाव में फूंक-फूंककर कदम आगे बढ़ा रही है।

लोकसभा सहित विधानसभा उपचुनावों में अपने ही विधायकों से गहरी चोट खाई हुई कांग्रेस अब बाहरी उम्मीदवारों पर किसी भी प्रकार का रिस्क लेने से बच रही है। दशकों से प्रदेश की राजनीति में एकछत्र राज करने वाले 6 बार के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के परिवार की साख से कांग्रेस अच्छी तरह वाकिफ है। ऐसे में इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस विक्रमादित्य सिंह को उतारने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है, जिसके कई राजनीतिक मायने हैं। (अनंत ज्ञान)

देश की हॉट सीट बनी मंडी

हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी ने कंगना रनौत को जब से प्रत्याशी बनाया है, तब से ही इस सीट पर ग्लैमर का तड़का लग गया है। पूरे देश की नजर इस सीट पर गढ़ गई है। यहां की गतिविधियों को पूरा देश जानना और पढ़ना चाहता है। इस सीट को भारत की पटल लाने को लेकर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत का भी कथित तौर पर बहुत बड़ा हाथ रहा। सुप्रिया की कथित टिप्पणी भले ही अभद्र थी, लेकिन इसने पूरे देश का ध्यान इस ओर आकर्षित किया।

तेज-तर्रार नेताओं में होती है विक्रमादित्य सिंह की गिनती

युवा मंत्री विक्रमादित्य सिंह की गिनती राज्य के तेज तर्रार नेताओं में होती है। वे पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह और वर्तमान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के बेटे हैं। हालांकि इसे लेकर पार्टी आलाकमान की ओर से कोई औपचारिक घोषणा नहीं हुई है। इस पर अंतिम निर्णय पार्टी को ही लेना है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने मंडी लोकसभा सीट से प्रतिभा सिंह को प्रत्याशी बनाए जाने की बात मीडिया में कही थी। उन्होंने कहा था कि प्रतिभा सिंह मंडी से चुनाव क्यों नहीं लड़ेंगी, वह सिटिंग एमपी हैं, हिमाचल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष हैं, उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए।

विक्रमादित्य लगातार रहे हैं कंगना पर हमलावर

प्रदेश लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह हाल के दिनों में कंगना रनौत पर लगतार हमला बोल रहे हैं। चाहे वह कंगना के गोमांस खाने को लेकर बयानबाजी हो या फिर आपदा के समय कंगना की अनुपस्थिति को लेकर हो, लोक निर्माण मंत्री ने कंगना पर हमला बोलने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। वहीं, कंगना भी पलटवार करने में पीछे नहीं है। वह भी कांग्रेस की बयानबाजी का डटकर मुकाबला करती हुई नजर आ रही हैं।

अनंत ज्ञान
अनुभवी स्टाफ चाहिए
'अनंत ज्ञान' दैनिक अखबार को हिमाचल में अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

संपादकीय विभाग
प्रूफ रीडर, कंटेंट और स्क्रिप्ट राइटर एवं उपमंडल स्तर पर जुझारू, ऊर्जावान और खोजी पत्रकारों की जरूरत है। अनुभवी डिजाइनर चाहिए। (फोटोशॉप का अनुभव अनिवार्य)। आवेदक को अनुभवी होना जरूरी है।

डिजिटल मीडिया
डिजिटल हेड, वीडियो एडिटर, एंकर, रिपोर्टर, कैमरामैन, कंटेंट और स्क्रिप्ट राइटर चाहिए।

मार्केटिंग विभाग
मार्केटिंग रणनीति में माहिर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव चाहिए।

मोबाइल नंबर: 8894521702
ई-मेल anantgyaanadm@gmail.com

बर्थडे और सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 8580644502 पर भेजें।

नहीं जगमगाएगा स्मार्ट सिटी 'लोगो', बिजली की तारें काटीं

स्मार्ट सिटी प्रबंधन ने ठेकेदार को दिए मरम्मत के निर्देश

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

स्मार्ट सिटी धर्मशाला के कचहरी चौक में लगे स्मार्ट सिटी के लोगो के डी तथा एस एच शब्द को तोड़ने के बाद अब बिजली की तारों को कुछ असामाजिक तत्वों के काट देने के कारण अब यह बोर्ड नहीं जगमगाएगा। स्मार्ट सिटी प्रबंधन ने इसकी लाइटों को फिलहाल बंद कर दिया है। इसके कारण रात के समय यहां रोशनी नहीं जगमगाएगी। बताते चलें कि धर्मशाला के कचहरी चौक के पास 150 फुट के तिरंगे के साथ ही धर्मशाला के कचहरी में स्मारक चौक पर लोगों के बैठने के लिए सीढ़ियों के साथ धर्मशाला, हैवन सिटी का बोर्ड लगाया है। इस स्थान पर लोग सैल्फी लेते हैं तथा फोटो खिंचते हैं।

वहीं कुछ असामाजिक तत्वों ने रविवार रात को बिजली की तारों को जगह-जगह से काट दिया है जिसके कारण स्मार्ट सिटी प्रबंधन ने इसकी बिजली की आपूर्ति को पूरी तरह से बंद कर दिया है। इससे अब रात को यहां जगमगाने वाली लाइटें बंद रहेंगी। इससे पहले असामाजिक तत्वों ने धर्मशाला लिखे इस बोर्ड के कुछ अक्षरों को भी तोड़ दिया था। वहीं इस बारे में जब स्मार्ट सिटी के एसडीओ केवल शर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि रविवार रात को कुछ असामाजिक तत्वों ने इस बोर्ड में जगमगाने वाली लाइटों को जगह-जगह से काट दिया है। इसके बाद इन लाइटों को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में संबंधित ठेकेदार को इन तारों की मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि ये लाइटें फिर से जगमगा सकें। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि यहां रात्रि गश्त को बढ़ाया जाए ताकि असामाजिक तत्वों पर नकेल कसी जा सके।

स्मारक चौक पर लगे स्मार्ट सिटी के लोगो की फाइल फोटो।

मतदान के लिए युवा किए जागरूक

डरोह। महाराजा संसार चंद स्मारक महाविद्यालय थुरल और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोना में सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम स्वीप के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि राकेश शर्मा उपमंडल अधिकारी धीरा रहे। उन्होंने कहा कि स्वीप का प्राथमिक लक्ष्य सभी पात्र नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करना है। युवा शक्ति को मतदान के लिए जागरूक करना चाहिए। हमें वोट डालने का अधिकार है इसका हमें उपयोग करना चाहिए। लोकतंत्र की नींव मताधिकार पर ही रखी जाती है। भारत संसार का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। उन्होंने युवा मतदाता वर्ग को लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने के लिए जागरूक किया। इस बार 18वीं लोकसभा के लिए मतदान करेंगे, जिसमें युवा और नए मतदाताओं की सक्रिय भूमिका की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए हस्ताक्षर अभियान और सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ भी किया। इसमें मतदाता पंजीकरण करना और निर्वाचन सहभागिता बढ़ाना प्रमुख उद्देश्य है।

दौलतपुर में पोस्टर के माध्यम से दिया मतदान का संदेश

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान छात्राएं व अन्य।

अनंत ज्ञान, कांगड़ा

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भारतीय चुनाव आयोग द्वारा मतदाताओं को वोट करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से उपमंडल स्तर पर स्वीप के तहत अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उपमंडल कांगड़ा में स्वीप के तहत एआरओ एवं एसडीएम कांगड़ा इशांत जसवाल के निर्देशानुसार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दौलतपुर में सोमवार को चुनाव को लेकर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस प्रतियोगिता में संस्थान के 100 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने लोकसभा चुनाव को लेकर पोस्टर बनाए। प्रत्येक पोस्टर चुनाव को लेकर एक संदेश दे रहा था।

एसडीएम कांगड़ा ने प्रशिक्षणार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों की प्रशंसा की और लोगों से अपील की है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने मत की अहमियत को समझे और अपना वोट अवश्य डाले। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संतोष नारायण, नोडल अधिकारी स्वीप लेख राज ठाकुर, नोडल अधिकारी दिनेश कुमार, आईटीआई के प्रशिक्षक और प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

न्यूज ब्रीफ

जमनखोला में की बावड़ी की सफाई

जमनखोला में बावड़ी की सफाई करते ग्रामीण।

डरोह। स्वच्छता अभियान के चलते ग्राम पंचायत सपड़ूल की ब्राह्मण बस्ती जमनखोला में ग्रामीणों ने बावड़ी की साफ-सफाई की। ग्रामीण अजय कुमार ने कहा कि गर्मी आने वाली है इसलिए आए दिन कभी बिजली की मोटर जल जाती है, कभी बिजली कट लगते हैं तो कभी पाइपों की लीकेज के कारण नल से पानी कम आता है। इस समस्या के चलते ग्रामीणों ने बावड़ी की साफ-सफाई की ताकि गर्मियों में पानी की समस्या से निजात मिल सके। इस मौके पर अजय कुमार, बलदेव कुमार, रजनीश कुमार शर्मा, डिंपल, बिंदु और पिंकी देवी आदि मौजूद रहे।

मलां में दुकान से पकड़ी शराब

नगरोटा बगवां। जिला के पुलिस थाना नगरोटा बंगवा के तहत रविवार को मलां में पठियार निवासी संदीप कुमार की दुकान से 4,50,000 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की है। इस बारे में पुलिस थाना नगरोटा बगवां में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। डीएसपी कांगड़ा अंकित शर्मा ने मामले की पुष्टि की है।

नंदरूल में 8250 मिलीलीटर शराब बरामद

कांगड़ा। पुलिस थाना कांगड़ा के तहत नंदरुल में केवल कृष्ण निवासी नंदरुल की दुकान से 8, 250 मिलीलीटर देसी शराब बरामद की है। इस बारे में पुलिस थाना कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज किया गया है। एसएचओ कांगड़ा संजीव कुमार ने मामले की पुष्टि की है।

डहूक में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया

डहूक में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं व अन्य।

बैजनाथ। खंड चिकित्सा अधिकारी महाकाल के सौजन्य से उपस्वास्थ्य केंद्र डहूक में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस मौके पर स्वास्थ्य शिक्षक बीरबल वर्मा ने उपस्थित लोगों को बताया कि दुनिया भर में हर साल सात अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। यह दिवस वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। विश्व स्वास्थ्य दिवस 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाना शुरू हुआ था। इस मौके पर स्वास्थ्य पर्यवेक्षिका गीता वर्मा, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहित 40 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया।

तेनजिन डोलमा और अनिल ओवरआल विजेता

अनंत ज्ञान, बैजनाथ

छह और सात अप्रैल को पैराग्लाइडिंग लैंडिंग साइट बीड़ में दो दिवसीय मैराथन में भारत देश के दूर दराज के अलावा केन्या और पोलैंड के धावकों ने भी भाग लिया। छह अप्रैल को बीड़ से बिलिंग माउंटेन ट्रेल वर्टिकल रन जो घने जंगल और खूबसूरत पगडंडियों से होते हुए टेकऑफ साइट तक पहुंची। जबकि सात अप्रैल को रोड की दौड़ 10 किमी, 21 किमी और 42 किमी हुई। इसमें तेनजिन डोलमा और अनिल कुमार ओवरआल विजेता रहे। दौड़ के बाद कैप्टेन सुरेश चंद ने अपनी बहादुरी की दास्तान के साथ धावकों को जिंदगी में कभी हार न मानने का संदेश दिया। कैप्टेन सुरेश ने अपने साथी जवान को बचाने के लिए टेररिस्ट की सात बुलेट्स से घायल हुए थे। उन्होंने उसके बाद भी जिंदगी से हार नहीं मानी और हॉस्पिटल से घर आने के बाद फिर से दौड़ने लगे और आज भी बिलकुल सेहतमंद होकर आर्मी में अपनी ड्यूटी दे रहे हैं। दौड़ के समापन समारोह में सभी विजेताओं को गणमान्य अथितियों अनुराग शर्मा, सुरेश ठाकुर, रणविजय, सुरेश की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग शर्मा ने बीड़ में रनिंग स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया। माउंटेन ट्रेल वर्टिकल रन के पुरुष वर्ग में अनिल कुमार, अनीश चंदेल और अंकित चौधरी ने क्रमश: पहले तीन स्थान प्राप्त किए। जबकि महिला वर्ग में तेनजिन डोलमा प्रथम, सोनम जोंगमों दूसरे और निशा मिश्रा तीसरे स्थान पर रही। 10 किमी दौड़ के पुरुष वर्ग में रुस्तम प्रथम, शमा मसी दूसरे व जतिन सिंह तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में निशा मिश्रा प्रथम, डोरोटो ड्जिनुबन दूसरे व रीना सैनी तीसरे स्थान पर रही। 21 किमी दौड़ के पुरुष वर्ग में अनीश चंदेल प्रथम, अनिल कुमार दूसरे व मनजीत सिंह तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में सोनम जोंगमों प्रथम रही। 42 किमी दौड़ के पुरुष वर्ग में अनिल जिंदल प्रथम, राजीव सिंह दूसरे व अजय यादव तीसरे स्थान पर रहे जबकि महिला वर्ग में तेनजिन डोलमा प्रथम रही।

पैराग्लाइडिंग लैंडिंग साइट बीड़ में विजेताओं को सम्मानित करते मुख्यातिथि।

घर में घुसकर की मारपीट मामला दर्ज

बैजनाथ। जिला के पुलिस थाना बैजनाथ के तहत सुकराना में मारपीट का एक मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार राकेश कुमार निवासी सुकराना डाकघर नौहरा ने अश्वनी कुमार निवासी सुकराना के घर में घुस कर उसके साथ लड़ाई-झगड़ा व मारपीट की है। इस संदर्भ में पुलिस थाना बैजनाथ में भारतीय दंड संहिता की धारा 452, 323, 324, 506 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की पुष्टि करते हुए धर्मशाला स्थित एएसपी कांगड़ा वीर बहादुर ने बताया कि पुलिस इस मामले में कार्रवाई कर रही है।

जयसिंहपुर में ध्यान प्रशिक्षण शिविर

जयसिंहपुर। कंवर दुर्गा चंद राजकीय महाविद्यालय जयसिंहपुर में सोमवार को हेल्थ क्लब समिति द्वारा आयोजित सात दिवसीय ध्यान प्रशिक्षण शिविर का आरंभ ब्रह्म कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जयसिंहपुर की बहनों की ओर से किया गया। इसमें योग एवं ध्यान के माध्यम से परम पिता परमात्मा से आत्मा के मिलन की तकनीकों के बारे में बताया गया। जिसमें जयसिंहपुर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. उपेंद्र शर्मा व सभी शिक्षक एवं गैर शिक्षक वर्ग उपस्थित रहा। इस कार्यक्रम की शुरुआत बहन सपना द्वारा शरीर व आत्मा के संबंध के बारे में विस्तृत जानकारी देकर की गई। प्राचार्य ने इस कार्यक्रम में आई बहनों का धन्यवाद किया व इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समिति को बधाई दी।

राजनीति में परिवारवाद लोकतंत्र के लिए खतरा: संजय टंडन

धर्मशाला। भाजपा के प्रदेश चुनाव सह प्रभारी संजय टंडन ने सोमवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार से उनके निवास पर मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक दृष्टिकोण के बारे में विस्तृत चर्चा हुई। इसको लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार ने कहा कि वह इन चुनावों में लगातार कार्यकर्ताओं से दूरभाष के माध्यम से संपर्क में है। इस चुनाव में भाजपा के पक्ष में आने वाले परिणाम उत्तम रहेंगे। भाजपा एक बार फिर लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करेगी और उपचुनाव में भी भाजपा अच्छा प्रदर्शन करते हुए सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। संजय टंडन ने कहा कि नारी शक्ति, युवा शक्ति, गरीबों और अन्नदाता के चार स्तंभों से ही देश तेजी से विकसित और मजबूत होगा। इन सभी शक्तियों को लेकर केंद्र सरकार सकारात्मक रूप से कार्य कर रही है। परिवारवाद की राजनीति चिंता का कारण मजबूत विपक्ष की जरूरत पर जोर देते हुए टंडन ने कहा कि भारत के लोकतंत्र के लिए परिवारवाद की राजनीति चिंता का कारण है। टंडन ने कहा कि एक राजनीतिक दल जो एक परिवार चलाता है, अपने सदस्यों को प्राथमिकता देता है और जहां सभी निर्णय परिवार के सदस्यों द्वारा लिए जाते हैं, उसे परिवारवादी राजनीति माना जाता है, न कि उस परिवार को जिसके कई सदस्य जनता की सहायता से अपने बल पर राजनीति में आगे बढ़ रहे हैं। टंडन ने लोकतंत्र के लिए परिवारवादी राजनीति के खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मैं राजनीति में उन सभी युवाओं का स्वागत करता हूं जो देश की सेवा करने के लिए सामने आए हैं। उन्होंने लोकतंत्र में परिवारवादी राजनीति के उभरते खतरों के बारे में अफसोस जताया।

धर्मशाला शहर में प्रशासन ने कटवाए पेड़, यातायात प्रभावित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला

ट्रैफिक पुलिस ने सुरक्षा को देखते हुए रोकी आवाजाही

धर्मशाला शहर में प्रशासन के निर्देशों के बाद सड़क किनारे पेड़ों को काटने के काम के चलते यातायात की अवाजाही सोमवार को प्रभावित होती रही। इसके चलते वाहन वैकल्पिक मार्गों से गुजरते रहे। बताते चलें कि सोमवार सुबह अग्निशमन कार्यालय के साथ चीड़ के विशाल पेड़ की शाखाओं को काटे जाने के चलते यातायात को रोकना पड़ रहा था। इस मौके पर धर्मशाला के ट्रैफिक पुलिस जवान मौके पर तैनात रहे तथा उन्होंने पेड़ों की शाखाओं के गिरने से राहगीरों तथा वाहनों को नुकसान होने की आशंका के चलते यातायात को रोका। इसके चलते वाहन चीलगाड़ी मार्ग समेत दूसरे मार्गों से गुजरे। इसके चलते सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें भी देखी गई। दोपहर तक पेड़ों के कटान के कारण यही आलम बना रहा तथा वाहनों को बिना नुकसान की आशंका के गुजारने के कारण काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

गरली में 51 को लगाए बीसीजी के टीके

अनंत ज्ञान, गरली

सिविल अस्पताल गरली में सोमवार को एडल्ट बीसीजी वैक्सीन का कैंप सरकार के दिशा-निर्देशों अनुसार स्वास्थ्य विभाग की टीम के माध्यम से आयोजित किया गया। यह कैंप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाडासीबा ब्लॉक की देखरेख में हुआ।

कैंप में पीएचसी सुपरवाइजर अजय शर्मा, स्वास्थ्य कर्मचारी रमेश चंद, आशा वर्कर रीना देवी ने पूर्ण सहयोग किया। ग्राम पंचायत प्रधान एवं आशा वर्कर शशि लता ने ग्राम पंचायत गरली में घर-घर जाकर लोगों को बीसीजी वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया। इसके तहत सोमवार को सिविल हॉस्पिटल गरली में 51 पात्र व्यक्तियों को बीसीजी वैक्सीन लगाई गई। इसमें कुछ मरीज शुगर के थे, कुछ धूम्रपान करने वाले, कुछ टीबी के संपर्क में आने वाले पात्र व्यक्ति थे। आशा वर्कर ने कहा कि बीसीजी वैक्सीन लगवाने से टीबी की रोकथाम की जा सकती है। हर घर हर व्यक्ति को संदेश देते हुए कहा की बीसीजी वैक्सीन लगाकर स्वास्थ्य विभाग को टीबी मुक्त हिमाचल बनाने के लिए सहयोग करें। ग्राम पंचायत गरली टीबी मुक्त पंचायत स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के तहत हो चुकी है, लेकिन फिर भी ग्राम पंचायत गरली टीबी मुक्त रहे उसके लिए बीसीजी वैक्सीन अवश्य लें और हिमाचल प्रदेश को टीवी मुक्त बनाने के लिए सहयोग करें।

सिविल अस्पताल गरली में बीसीजी वैक्सीन कैंप के दौरान उपस्थित चिकित्सक।

कृषि सेवा समिति चनौहता का चुनाव नौ मई को

डाडासीबा। चनौहता कृषि सेवा सहकारी सभा समिति की प्रबंधक कमेटी का कार्यकाल नौ मई 2024 को समाप्त हो रहा है। सहकारी विभाग द्वारा कार्यक्रम तैयार किया जा चुका है। जो भी सभा के कोई इच्छुक सदस्य सभा की प्रबंधक कमेटी में भाग लेना चाहते हो वे 24 अप्रैल 2024 को सुबह 11 बजे से शाम तीन बजे तक अपना नामांकन पत्र भर सकते है। 29 अप्रैल को नामांकन वापस लेने की तिथि तय की गई है। नौ मई 2024 को सभा का चुनाव होगा। यह जानकारी चनौहता कृषि सेवा सहकारी सभा समिति की सचिव सपना देवी ने दी।

दुल्हन की तरह सजाया उत्तरी भारत का प्रसिद्ध धार्मिक स्थल संतोषी माता मंदिर

सुरक्षा को लेकर लगाए सीसीटीवी कैमरे, अतिरिक्त शौचालयों की व्यवस्था

एसके शर्मा, जाहू

उत्तरी भारत के प्रसिद्ध संतोषी माता का मंदिर नवरात्रों के चलते पूरी सजा गया है। मंदिर प्रशासन ने मंदिर में श्रद्धालुओं के आने व जाने के लिए अलग-अलग गेट की व्यवस्था की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को कोई परेशानी का समाना न करना पडे। दो जिलों हमीरपुर और बिलासपुर की सीमा पर प्रसिद्ध धार्मिक स्थल संतोषी माता मंदिर लदरौर में नवरात्रों के उपलक्ष्य पर विभिन्न राज्यों के भक्त व प्रदेश के सभी जिलों के लोग मंदिर में मनोकामना मांगने व दर्शन करने के लिए आते हैं। नवरात्रों के उपलक्ष्य पर मंदिर कमेटी द्वारा श्रद्धालुओं को हर दिन लंगर की व्यवस्था की होती है। संतोषी माता मंदिर की मान्यता है कि जो भी भक्त अपनी मनोकामना मांगता है वह पूरी होती है। संतोषी माता मंदिर लदरौर में नवरात्रों के उपलक्ष्य पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। इससे मंदिर में लाखों का चढ़ावा भी होता है। (अनंत ज्ञान)

संतोषी माता मंदिर लदरौर।

साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें श्रद्धालु : नंदलाल

मंदिर कमेटी के प्रधान नंदलाल रणोत ने बताया कि संतोषी माता मंदिर में नवरात्रों के उपलक्ष्य को लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कमेटी द्वारा पूरी व्यवस्था कर ली गई है। श्रद्धालुओं को रात को रुकने के लिए भी व्यवस्था की है। लंगर की व्यवस्था को सुचारु कर दिया है। सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शौचालयों की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कैमरों की संख्या को बढ़ाया गया है। मंदिर परिसर में आने जाने वाले हर व्यक्ति पर कैमरों के जरिए नजर रखी जाएगी। मंदिर कमेटी के प्रधान नंद लाल रणोत ने भी सभी आने वाले श्रद्धालुओं से आहवान किया है कि साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और किसी को कोई समस्या होती है तो मंदिर कमेटी से संपर्क कर सकता है।

खुथड़ी गांव के बुजुर्गों ने की थी संतोषी माता मंदिर की स्थापना

मंदिर के इतिहास के बारे में यही जानकारी है कि जहां पर वर्तमान में मंदिर बना है उस जगह को झंडे वाली फेट कहा जाता था और बाद में इस जगह को धूरी का रिड़ा के नाम से जाना जाने लगा। वर्ष1968 में खुथड़ी गांव लोगों के बुजुर्गों को स्वप्न होने लगे कि मां संतोषी अपना स्थान मांग रही है। गांव के बुजुर्गों ने इस बारे बैठक की और फिर 1968 में ही गांव वालों के सहयोग से मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया। वर्ष 1970 में इस मंदिर में संतोषी माता की मूर्ति स्थापित की गई तबसे लेकर आज दिन तक यहां पर साल भर हजारों भक्त माता के दर्शनों के लिए आते हैं। इसके अलावा संतोषी माता मंदिर के साथ सैयर का मेला भी लगता है। यह मेला सिखों के दसवें गुरु गरुगोबिंद के छोटे भाई बाबा लखमीर दास द्वारा शुरू किया गया था। बाबा लखमीर दास स्नातम धर्म का प्रचार करने के लिए आते थे और किसी के घर में नहीं रहते थे गांव के किसी बट वृक्ष या पीपल के पेड़ के नीचे प्रवचन देते थे और लंगर लगाते थे।

न्यूज ब्रीफ

रंगस में बाल कुश्ती मेला 14 अप्रैल को

रंगस। इंकलाब संस्था द्वारा बाल कुश्ती मेले का आयोजन 14 अप्रैल को रंगस में किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष पुनीत उप्पल ने बताया कि इसमें अंडर-17, अंडर-14 व अंडर-10 मुकाबले होंगे। अंडर-17 के विजेता को 3100 रुपए व उपविजेता को 2100 रुपए, अंडर-14 के विजेता को 2100 और उपविजेता को 1100 रुपए तथा अंडर-10 के विजेता को 1100 और उपविजेता को 700 रुपए के नकद इनाम से सम्मानित किया जाएगा।

कांग्रेस ने सुजानपुर से किया भेदभाव : प्रो. विक्रम

सुजानपुर। सुजानपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रो. विक्रम राणा ने कहा कि सुक्खू सरकार की एकमात्र उपलब्धि हमीरपुर में कर्मचारी चयन आयोग को बंद करने और विभिन्न डिपार्टमेंट्स को बंद करने की है, जो पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने खोले थे। पहले कर्मचारी चयन बोर्ड को बंदकर युवाओं के रोजगार के दरवाजे बंद कर दिए फिर पूर्व सरकार के कार्यकाल में सुजानपुर में खोले गए जलशक्ति और इलेक्ट्रिकल विभाग के डिविजन को भी बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने सुजानपुर से भेदभाव किया है।

मंडी ने किन्नौर की टीम को 180 रनों से हराया

नादौन। क्रिकेट स्टेडियम अमतर में मंडी व किन्नौर के बीच खेली जा रही अंडर-19 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन किन्नौर टीम की पहली पारी 46.4 ओवर में मात्र 153 रन बनाकर सिमट गई। इस संबंधी क्रिकेट स्टेडियम के प्रभारी संजय टिंका ठाकुर ने बताया कि मंडी की टीम ने पहले दिन पहली पारी में 77.3 ओवर खेलकर 441 रन बनाए थे, जिसके चलते किन्नौर को फालोआन खेलना पड़ा। किन्नौर के बल्लेबाज दूसरी पारी में भी फ्लॉप रहे और पूरी टीम 31.5 ओवर में मात्र 108 रन ही सकी। इस तरह मंडी की टीम यह मुकाबला एक पारी और 180 रन से जीत लिया।

वोटर कार्ड नहीं है तो अपनाएं वैकल्पिक दस्तावेज

हमीरपुर। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अमरजीत सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 और विधानसभा उपचुनाव के लिए एक जून को होने वाले मतदान के लिए मतदाताओं को अपना मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। अगर कोई मतदाता किन्हीं कारणों से मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ है तो वह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 अन्य फोटोयुक्त वैकल्पिक दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करके मतदान कर सकता है। इन 12 फोटोयुक्त वैकल्पिक दस्तावेजों में आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार तथा सार्वजनिक उपक्रमों या पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के कर्मचारियों के फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों एवं विधायकों को जारी सरकारी पहचान पत्र और यूडीआईडी कार्ड में से कोई भी दस्तावेज दिखाकर मतदान किया जा सकता है।

बाबा जी की पवित्र गुफा में 21.81 लाख का चढ़ावा

बिझड़ी। बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में चैत्र मास के मेलों के चलते सोमवार को हुई चढ़ावे की गणना पर बाबा के भक्तों ने 21 लाख 81 हजार 591 रुपए नगद चढ़ावा बाबा जी की पवित्र गुफा में चढ़ाया। वहीं 3 ग्राम 850 मिलीग्राम सोना, 155 ग्राम 930 मिलीग्राम चांदी तथा विदेशी मुद्रा के रूप में इंग्लैंड के 190पौंड, यूएसएके 158, ऑस्ट्रेलिया के 240 डॉलर, यूरो 240 यूएई द्रम 25, मलेशिया दो तथा कुवैत दिनार 1 बाबा जी की पवित्र गुफा में चढ़ाए गए।

केंद्रीय विद्यालय में 15 अप्रैल तक लें प्रवेश

हमीरपुर। केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में पहली कक्षा में प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 15 अप्रैल सायं 5 बजे तक किया जा सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील चौहान ने बताया कि प्रवेश संबंधित विवरण वेबसाइट ऑनलाइनएडमिशन.केवीएस.जीओवी.इन पर उपलब्ध है। दूसरी कक्षा और इससे ऊपर की कक्षाओं में खाली सीटों के लिए ऑफलाइन माध्यम से पंजीकरण करवाया जा सकता है। इसकी अंतिम तिथि 10 अप्रैल सायं 4 बजे तक निर्धारित की गई है। 11वीं कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन प्रपत्र विद्यालय की अपनी वेबसाइट पर और केंद्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट केवी संगठन.एनआईसी.इन से डाउनलोड किया जा सकता है। सभी कक्षाओं के लिए आयु की गणना 31 मार्च 2024 होगी।

13 अप्रैल को होगा मुंडखर का दंगल

भरेड़ी। जय श्री लखदाता मुंडखर का 31वां दंगल 13 अप्रैल को होगा। इसमें प्रदेश के अलावा बाहरी राज्यों के पहलवान भाग लेंगे। दंगल कमेटी के अध्यक्ष मिलखी राम चौधरी सेवानिवृत अधीक्षक ने बताया कि बड़ी माली के विजेता पहलवान को 16 हजार रुपए व गुर्ज तथा उप विजेता पहलवान को 14 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसी तरह छोटी माली के विजेता पहलवान को 5100 रुपए तथा उप विजेता पहलवान को 4100 रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहलवानों के प्रदर्शन को देखते हुए उपरोक्त राशि को कम या अधिक किया जा सकता है।

नादौन के लोग क्रांतिकारी, भाजपा के खिलाफ खड़ा करें जन आंदोलन : सीएम

मुख्यमंत्री ने अपने विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में जोश भरा, बोले- बड़ी रैली कर खोलेंगे भाजपा के काले कारनामों की पोल

अनंत ज्ञान, नादौन

प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने लोकसभा चुनावों को लेकर सोमवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में जोश भरा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नादौन के लोग क्रांतिकारी हैं, भाजपा ने पैसे के बल पर प्रदेश सरकार को गिराने का जो असफल प्रयास किया, उसके खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करें। 1 जून तक पूरे विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को भाजपा के दुष्प्रचार और षड्यंत्रों का एकजुट होकर जवाब देना है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों के लिए कार्यकर्ता कमर कस लें। घर-घर तक कांग्रेस सरकार के 15 महीने में हुए कार्यों को पहुंचाएं। सरकार 10 में से 5 गारंटियों को पूरा कर चुकी है। 2032 तक प्रदेश को आर्थिक रूप से समृद्ध राज्य बनाया जाएगा। सीएम ने कहा कि नादौन के लोग मेरे साथ ताकत बनकर खड़े हुए तभी आम परिवार का व्यक्ति मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचा। नादौन के लोगों ने मुझे कभी पीठ नहीं दिखाई, मैं ताउम्र आपका कर्जदार रहूंगा। नादौन के लोग मेरे दिल और दिमाग में हैं। 25-30 वर्षों से आपके बीच हूं, सबको जानता हूं। जनता की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। साढ़े तीन साल अभी कांग्रेस सरकार का कार्यकाल है, उसमें डटकर काम करेंगे। युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी अब व्यवस्था परिवर्तन का समय आ गया है। बिकाऊ लोगों को सबक सिखाएं और काम करने वालों को आगे बढ़ाएं। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जल्दी हमीरपुर में कांग्रेस बड़ी रैली करेगी। उस रैली में भाजपा के काले कारनामों की पोल खोली जाएगी, जो उन्होंने कांग्रेस व निर्दलीय विधायकों को खरीदने के लिए किए हैं। कांग्रेस सरकार के पास सबका काला चिट्ठा मौजूद है। जनबल के बूते सरकार हिमाचल प्रदेश में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी।

वहीं, नादौन ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद ने कहा कि भाजपा के धनबल के खेल का जवाब जनबल से देने के लिए कांग्रेस पार्टी तैयार है। नादौन की जनता की तरफ से मुख्यमंत्री सुक्खू को आश्वस्त करना चाहता हूं कि चट्टान की तरह सब आपके साथ खड़े हैं। चुनावों के लिए कार्यकर्ता पूरी तरह तैयार हैं। सरकार ने 15 महीने के कार्यकाल में नादौन में अभूतपूर्व विकास हुआ है। हर क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कार्य शुरू करवाए हैं।

नादौन में मुख्यमंत्री का स्वागत करते कार्यकर्ता।

अनाप-शनाप बयानबाजी करने पर भुगतने होंगे परिणाम : कृष्ण

बिझड़ी। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव कृष्ण चैधरी ने बागी विधायकों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि छह विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर हिमाचल सरकार को गिरने का असफल प्रयास किया है, जो बागियों पर भारी पड़ेगा। जनता इसका जवाब आने वाले लोकसभा व विधानसभा के उपचुनावों में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में भारी मतदान करके देगी। उन्होंने कहा कि बागी और सस्पेंड किए गए विधायक अनाप-शनाप बयानबाजी बंद करें, अन्यथा जनता भी विरोध प्रदर्शन करने में उतारू है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश में मुख्यमंत्री सुक्खू के नेतृत्व में एकजुट है। 1 जून को होने वाले विधानसभा उपचुनाव में प्रदेश की जनता बागियों को सबक सिखाएगी। बड़सर के साथ-साथ पांच अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी कांग्रेस पार्टी की भारी मतों से जीत होगी और मुख्यमंत्री के हाथ मजबूत किए जाएंगे।

भोरंज कॉलेज को नैक पीयर ने दिया 'बी' ग्रेड

अनंत ज्ञान, जाहू

नैक पीयर दल ने राजकीय महाविद्यालय भोरंज का 29 मार्च और 30 मार्च को दौरा करके विद्यालय की गतिविधियों का निरीक्षण किया था, इससे पहले नैक पीयर दल के द्वारा महाविद्यालय का निरीक्षण तीन मानदंडो के आधार पर मूल्यांकन किया जाता था। परंतु इस बार निरीक्षण टीम के द्वारा सात मानदंडों के आधार पर मूल्यांकन किया गया जिसकी वजह से प्रदेश के कई महाविद्यालयों के ग्रेड नीचे आए हैं। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यापन परिषद ने राजकीय महाविद्यालय भोरंज को बी ग्रेड में रखा है।

यह ग्रेड महाविद्यालय का अगले 5 वर्षों तक मान्य होगा। निरीक्षण टीम के द्वारा सांचेई ग्रेड प्वाइंट का 2.37 आंकी गई है जो कि पिछली बार की औसत 2.11 से 0.26 ज्यादा है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस उपलब्धि के लिए शिक्षक वर्ग, गैर शिक्षक वर्ग पूर्व छात्र संघ अभिभावक अध्यापक संघ व स्थानीय हित धारकों के अथक प्रयास रहा है।

भोरंज कॉलेज में नैक पीयर की टीम निरीक्षण के दौरान अन्यों के साथ।

कोहटा के विजय कुमार ने पास की बैंक अधिकारी की परीक्षा

भरेड़ी। उपमंडल भोरंज की ग्राम पंचायत धमरोल गांव कोहटा के विजय कुमार ने बैंक ऑफ बड़ौदा में सहायक प्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने 2019 में मुंबई में बैंक ऑफ बड़ौदा में लिपिक के तौर पर सेवाएं शुरू की थी। उन्होंने दिसंबर 2023 को आईबीपीएस परीक्षा और जनवरी 2024 को साक्षात्कार में शामिल हुए थे। उन्होंने पहले प्रयास में परीक्षा पास की। इससे पहले विजय 15 वर्षों तक भारतीय नौसेना में सेवा दे चुके हैं। सर्विस के दौरान उन्होंने एक साल अमेरिका में स्पेशल ट्रेनिंग भी ली है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय वह माता-पिता और जीवनसाथी प्रमिला देवी को दिया है।

अपराध नियंत्रण एवं समाज सुधार संगठन लगाएगा रक्तदान शिविर

धनेटा। त्रिमूर्ति शिव मंदिर धनेटा में सोमवार को अपराध नियंत्रण एवं समाज सुधार संगठन की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल गुलेरिया ने की। बैठक में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि हर महीने के दूसरे रविवार को मासिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। अनिल ने बताया कि इस अवसर पर संगठन द्वारा ब्लड कैंप लगाने की भी चर्चा की गई। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव जड़तार परमार, राज्य उपाध्यक्ष संतोर्ष, जिला अध्यक्ष राकेश, जिला उपाध्यक्ष योग राज आदि उपस्थित थे।

18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा मतदाता सूची में दर्ज करवाएं नाम

सुजानपुर। एसडीएम एवं विधानसभा क्षेत्र 37 सुजानपुर के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डॉ. रोहित शर्मा ने एक अप्रैल 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी युवाओं से अपने नाम मतदाता सूचियों में दर्ज करवाने की अपील की है। सोमवार को भारत निर्वाचन आयोग के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम स्वीप यानि व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला पटलांदर में आयोजित एक कार्यक्रम में एसडीएम ने यह अपील की। उन्होंने कहा कि सभी मतदाताओं को हर चुनाव में स्वतंत्र रूप से निर्भय होकर किसी भी तरह के प्रलोभन में आए बगैर अपने विवेक से अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

विश्व शांति के लिए महायज्ञ बैसाखी पर

बड़ा। उपमंडल नादौन के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बिल्वकलेश्वर महादेव मंदिर बटाहली के परिसर में बिल्वकलेश्वर महादेव सुधार सभा बटाहली (बड़ा) की आज विशेष बैठक हुई। इस दौरान सभा के प्रधान हरीश चंद स्याल ने बताया कि बैठक में फैसला लिया गया कि बैसाखी पर्व पर 13 अप्रैल को बिल्वकलेश्वर महादेव मंदिर बटाहली में विश्व शांति के लिए महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

सीएम ने चहेती फर्म को 100 करोड़ का फंड एडवांस में क्यों दिया : राजेंद्र राणा

बोले- मुख्यमंत्री स्पष्ट करें स्थिति, मामला सीबीआई-ईडी की जांच का है

अनंत ज्ञान, हमीरपुर

पूर्व विधायक और सुजानपुर से उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी राजेंद्र राणा ने कहा है कि चुनावों की घोषणा से एक दिन पहले शिमला नगर निगम में पानी की स्कीम के लिए एडीबी के माध्यम से अनुमोदित प्रोजेक्ट के लिए एक फर्म को एडवांस में 100 करोड़ रुपए की राशि रिलीज कर देने और इसमें 10 करोड़ के किक बैक की चर्चाएं बाजार में गर्म होने के मामले में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए, क्योंकि यह मामला सीधा-सीधा सीबीआई और एंफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानि ईडी की जांच का बनता है।

राणा ने कहा कि उपरोक्त स्कीम के लिए तीन बार टेंडर आमंत्रित किए गए और हर बार सिर्फ एक ही पार्टी ने इसमें टेंडर भरे। विभाग के मंत्री ने फाइल पर स्पष्ट शब्दों में लिख दिया कि एक ही फर्म को काम नहीं दिया जा सकता, क्योंकि बार-बार एक ही फर्म टेंडर में आ रही है। उन्होंने कहा कि विभागीय मंत्री के इस बारे नेगेटिव रिमार्क्स को नजरअंदाज करते हुए इस मामले को कैबिनेट में लाकर पास कर दिया गया और सूईस नामक कंपनी को न केवल यह प्रोजेक्ट आवंटित कर दिया गया, बल्कि 15 मार्च को ही 100 करोड का फंड एडवांस में भी रिलीज कर दिया गया। राणा ने कहा कि 15 मार्च को ही चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट जारी करके यह कहा था कि 16 मार्च को चुनाव आयोग चुनाव की तारीखों का ऐलान करेगा और आनन-फानन में 15 मार्च को ही उक्त कंपनी को एडवांस में इतनी बड़ी राशि जारी कर दिया जाना संदेह पैदा कर रहा है।

बैंक से ऋण लेकर वापस न करने पर दो गिरफ्तार, दो की तलाश में जुटी पुलिस

विक्रम ढटवालिया, हमीरपुर

कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक से ऋण लेकर वापस न करने वाले डिफॉल्टरों पर बैंक प्रबंधन ने शिकंजा कस दिया है। बैंक ने पुलिस की मदद से दो को गिरफ्तार कर समाहर्ता एवं उपपंजीयक धर्मशाला ई. प्रत्युष चौहान के समक्ष पेश किया, जबकि दो डिफॉल्टर्स की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, जिन्हें अब 30 दिन की अतिरिक्त जेल काटनी होगी।

उधर, ऊना के 9 डिफाल्टरों को भी पुलिस मंगलवार को समाहर्ता अदालत में पेश करेगी। गौरतलब है कि हमीरपुर स्थित कांगड़ा केंद्रीय बैंक की शाखा से चार लोगों ने ऋण ले रखा था। जिन्हें डिफॉल्टर होने पर उन्हें कोर्ट में पेश होने के लिए कई बार सम्मन भेजे गए, लेकिन हर बार चारों डिफाल्टर कोई न कोई बहाना बनाकर पेशी में उपस्थित नहीं हो रहे थे। इस कारण उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

वहीं, समाहर्ता एवं उपपंजीयक धर्मशाला ई. प्रत्युष चौहान ने बताया कि हमीरपुर के इन चार डिफॉल्टर्स में से सबसे महत्वपूर्ण 15 लाख रुपए का अकेला मामला बड़सर इलाके का है। कुल मिलाकर 25 लाख का मामला है। ये 6 महीनों से ज्यादा पुराने मामले हैं, जिन्हें समय दिया जा रहा था। लेकिन डिफॉल्टर पेश नहीं हो रहे थे। कुल मिलाकर एक करोड़ की रिकवरी अभी तक की जा चुकी है। मंगलवार को गगरेट के भी आठ डिफॉल्टर्स को पेश किया जाएगा।

30 तक बंद रहेगी कलूर-कोहला बिलकलेश्वर महादेव सड़क

नादौन। नादौन में कलूर-कोहला-अमतर-बिलकलेश्वर महादेव सड़क का सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत कार्य तेजी से पूरा करवाया जा रहा है। सुदृढ़ीकरण एवं मरम्मत कार्य को सुचारू ढंग से जारी रखने तथा इसे अतिशीघ्र पूरा करने के लिए इस सड़क पर यातायात 30 अप्रैल तक बंद किया गया है।

इस संबंध में आदेश जारी करते हुए जिलाधीश अमरजीत सिंह ने बताया कि पहले इस सड़क पर वाहनों की आवाजाही 7 अप्रैल तक बंद की गई थी, लेकिन अब यह प्रतिबंध 30 अप्रैल तक बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र के वाहन चालक गुरुद्वारा गेट से मिन्हास चैक और ओल्ड एसडीएम आफिस से आवाजाही कर सकते हैं। इसके अलावा कलूर कोहला से नादौन अस्पताल और ओल्ड एसडीएम आफिस से भी आवाजाही की जा सकती है। जिलाधीश ने क्षेत्र के वाहन चालकों से सहयोग की अपील की है।

लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारु है भाजपा : दीपक शर्मा

बोले- सत्ता की भूख ने कर दिया भाजपा को बेनकाब

अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर

अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक दीपक शर्मा ने भाजपा पर लोकतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश स्वच्छ एवं आदर्शवादी राजनीति के लिए जाना जाता था लेकिन जिस तरह से भाजपा ने कांग्रेस की चुनी हुई बहुमत की सरकार को गिराने की कोशिश की, उससे न केवल भाजपा बेनकाब हुई बल्कि प्रदेश की जनता ने भी भाजपा के इस षड्यंत्र को निंदनीय माना है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं को मात्र दरियां बिछाने और झंडे लगवाने के लिए ही रखा है। यह अब भाजपा का कार्यकर्ता भी जानने, समझने लगा है। दीपक शर्मा ने कहा कि विधायकों की खरीदो-फरोक्त के जो आरोप भाजपा पर लगे हैं उसकी परतें धीरे-धीरे खुलने लगी हैं और शीघ्र ही सत्ता के सौदागर बेनकाब होंगे।

शर्मा ने दावा किया कि हिमाचल की सभी छः की छ विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनावों और लोकसभा में कांग्रेस भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगी और चारों लोकसभा सीटों पर भी अप्रत्याशित जीत दर्ज करेगी।

असुविधा एक्स-रे मशीन होने के बावजूद सुजानपुर के लोगों को नहीं मिल रहा इसका लाभ

रेडियोलॉजिस्ट न होने से एक्स-रे रूम पर लटका ताला

अनंत ज्ञान, सुजानपुर

सुजानपुर अस्पताल में लगाई गई एक्स-रे मशीन सफेद हाथी बनी हुई है। लोगों को इस सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अस्पताल में एक्स-रे मशीन होने के बावजूद मरीजों को बाहर महंगे दामों पर अपना एक्स-रे करवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

सुजानपुर अस्पताल में लगभग 1 वर्ष से मशीन ऑपरेटर का पद खाली है। यहां एक्स-रे मशीन मौजूद है, लेकिन मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां पर कार्यरत रेडियोलॉजिस्ट के प्रमोशन के बाद यह पद लंबे समय से खाली है जिनको विभाग द्वारा भरने की जहमत नहीं उठाई गई है।

सुजानपुर अस्पताल में एक्स-रे रूम के दरवाजे पर लटका ताला।

अस्पताल में यह सुविधा न मिलने के चलते लोगों को बाहर महंगे दामों पर एक्स रे करवाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है जबकि अस्पताल में यह सुविधा फ्री में मिलती है। फ्री में मिलने वाली यह सुविधा लोगों को पैसे खर्च करके लेनी पड़ रही है।

सुजानपुर अस्पताल में रोजाना सैकड़ों लोग अपना उपचार करवाने आते हैं। सुजानपुर जिला हमीरपुर के अलावा जिला कांगड़ा

लोगों को खर्च करने पड़ रहे हैं 200 से 300 रुपए

और जिला मंडी के विभिन्न गांवों का केंद्र बिंदु है। यहां सैकड़ों लोग अपना इलाज करवाने अस्पताल में पहुंचते हैं। जिनमें से कई मरीजों को डॉक्टरों द्वारा एक्सरे करवाने के बाद अगला उपचार करवाने का परामर्श दिया जाता है, लेकिन जैसे ही मरीज एक्स-रे रूम में जाते हैं तो वहां पर ताला लटका मिलता है। लोगों के अनुसार जब सरकार द्वारा यहां पर लाखों रुपए की यह मशीन लगाई गई है तो इसकी सुविधा न मिल पाना समझ से परे है।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस संबंध में बीएमओ सुजानपुर डॉ. सौरव का कहना है कि उच्च अधिकारियों को लिखा गया है। अस्पताल में शीघ्र ही रेडियोलॉजिस्ट की नियुक्ति की मांग की गई है। **वहीं,** सीएमओ हमीरपुर डॉ. आरके अग्निहोत्री का इस बारे कहना है कि इस सुविधा के लिए एक निजी कंपनी के साथ एमओयू साइन किया गया है। जिसके द्वारा यह सुविधा जिला के विभिन्न अस्पतालों में दी जा रही है। सुजानपुर अस्पताल के बीएमओ को भी इस संबंध में एमओयू निजी कंपनी के साथ करने के लिए कहा गया है।

श्यामाकाली मंदिर टारना मार्ग की हर पौड़ी के नीचे दफन हैं अपराधियों के सिर

अनिल शर्मा, मंडी

श्यामाकाली का मंदिर राजा श्याम सेन द्वारा 1670 ई. में निर्मित है, उस समय सारा मंडी शहर जंगल होता था। राजा को शिकार खेलने का बहुत शौक था, एक दिन वह कांच और पीतल से निर्मित कोशयंत्र से पहाड़ी पर शिकार देख रहे थे तो उनको तीन कन्याएं नजर आईं। राजा शीघ्र ही घोड़े पर सवार होकर इसी स्थान पर आया तो वह कन्याएं लुप्त थीं।

रात को राजा को स्वप्न हुआ, देवी प्रकट हुई और कहा कि हम तीन देवियां हैं महालक्ष्मी, महासरस्वती, महाकाली, हम इस पहाड़ी में पिंडी रूप धारण कर रही हैं, आप यहां खुदाई करवाएं, आपको यहां तीन मूर्तियां मिलेगी। खुदाई में यहां तीन मूर्तियां प्रकट हुई तत्पश्चात मंदिर बनवाया गया, अब जो भी दर्शन करने आते वे मूर्छित होने लगे।

राजा को बड़ी चिंता हुई तो एक दिन देवी ने पुन: स्वप्न में राजा को दर्शन दिए और कहा कि हमारे दर्शन सामने से न करके हमारी दायी ओर से किए जाएं, क्योंकि हमारा हमारा रूप बहुत उग्र है इसमें बहुत तेज है, इस तेज को साधारण मनुष्य धारण नहीं कर सकता।

उसके बाद सामने वाला दरवाजा बंद करने के बाद दायीं ओर से दरवाजा निकाला गया। देवी को

नवरात्र विशेष

- श्यामाकाली के दर्शन कर मूर्छित हो जाते थे श्रद्धालु
- विजय गाथा का प्रतीक है टारना मंदिर

टारना इसलिए कहते हैं, क्योंकि पहले इस क्षेत्र का नाम तारना धार था, जिसे अब टारना नाम से भी जाना जाता है। इसके साथ ही वासनीधार में देवी का मूल स्थान है, जहां पूर्व में राजधानी रही है। कुछ ग्रंथों में विवरण मिलता है कि इसी देवी का बौद्ध अनुयायी तारा देवी के रूप में पूजते हैं। (अनंत ज्ञान)

टारना मंदिर।

365 पौड़ियां, 365 सिर

जालिम सेन के राज में जो भी अपराधी गंभीर अपराध करता उसे मौत की सजा सुनाई जाती थी, बाजार से लेकर टारना मंदिर तक 365 पौड़ियों के नीचे 365 अपराधियों के सिर प्रत्येक पौड़ी के नीचे दबाए गए थे। आज भी यहां अष्टमी को विशेष पूजा दो बार होती है, जैसी परंपराएं राजतंत्र के समय थी वैसी ही परंपराएं आज भी निर्वहन की जा रही हैं। मुख्य मूर्तियों के दाहिनी ओर महिषासुर मर्दिनी तथा बायीं ओर शिव परिवार सहित पंचवक्त्र की छोटी प्रतिमा है।

ऊंचे शिखर पर है कंगोत्री देवी का भव्य मंदिर

करसोग । सुकेत की आदि राजधानी पांगणा के पूर्वोत्तर में ऊंचे शिखर पर छतरी धार कनेज में प्रतिष्ठित कंगोत्री देवी का मंदिर स्थापित है। यह मंदिर गांव कनेज, ग्राम पंचायत जाच्छ कांडा तहसील करसोग में अवस्थित है। कंगोत्री देवी की मान्यता कनेज, पांगणा, छण्डियारा, सरही, बरोहकड़ी, जाच्छ-कांडा, कुटहाची, पंडार, शलोग, सोरता, ठंडापानी व झुंगी गांवों में है। वनों के मध्य में स्थित कंगोत्री देवी का प्राचीन मंदिर वन की आग के कारण जलता रहा है। अतः आग से क्षति को रोकने के लिए 2022 में चैत्र नवरात्र में नए मंदिर के निर्माण का कार्य आरंभ हुआ। मंदिर परिसर में देवी के अंगरक्षक लांकड़ा वीर का मंदिर अवस्थित है। परिसर में ही ग्वालू देव का खुला मंदिर है। दोनों देवों के मंदिरों का नवीनीकरण किया जा रहा है। श्री कंगोत्री माता मंदिर कमेटी छतरीधार कनेज का कहना है कि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और आकाश पूजा का आयोजन द्वितीय नवरात्र पर 10 अप्रैल को होगी।

न्यूज ब्रीफ

चुनाव में सभी कार्यकर्ता जीत हासिल करेंगे : जयराम

मंडी । सराज के जंजैहली में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने स्थानीय भाजपा मंडल के ग्राम केंद्र जंजैहली और जरोल के पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस दौरान आगामी लोकसभा चुनाव संबंधी विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। इस मौके पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ने कहा कि मुझे विश्वास है कि सभी कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि ये चुनाव फिर से तीसरी बार प्रधानमंत्री मोदी को देश की बागडोर सौंपने का है।

नाचन में 81 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य

गोहर । मिनर्वा कॉलेज आफ एजुकेशन बग्गी में 'मा भी पाणा वोट' अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सहायक निर्वाचन अधिकारी व एसडीएम गोहर की अध्यक्षता में स्वीप टीम द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया गया। अभियान में युवाओं को मतदान का महत्व समझाया गया। एसडीएम गोहर ने बताया कि नाचन में 81 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य रखा गया है। वहीं अपने नाटक के माध्यम से बीएड प्रशिक्षुओं ने संदेश दिया गया कि बिना किसी प्रलोभन में आए उपयुक्त उम्मीदवार का चयन करें और चुनाव प्रक्रिया में भाग लें।

पधर में होगा प्रतियोगिताओं का आयोजन

पधर। एसडीएम पधर सुरजीत सिंह ने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला स्तरीय किसान मेला पधर 15 अप्रैल से 19 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है मेले में स्थानीय युवाओं और छात्रों के लिए विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस बार जिला स्तरीय किसान मेला पधर में कर्मचारियों और उपमंडल पधर के प्रेस सदस्य गण के लिए के लिए बैडमिंटन प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया जा रहा है। यह बैडमिंटन प्रतियोगिता 11 अप्रैल से 14 अप्रैल तक गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल पधर के खेल मैदान में करवाई जाएगी। उन्होंने सभी इच्छुक कर्मचारियों और प्रेस सदस्य से आग्रह किया कि अपना पंजीकरण व प्रवेश शुल्क के साथ अपना आवेदन 10 अप्रैल 2024 को दोपहर 12 तक एसडीएम कार्यालय पधर में जमा करवाए।

बिजनी कॉलेज में मनाया विश्व स्वास्थ्य दिवस

मंडी । संपति देवी मेमोरियल कॉलेज बिजनी में विश्व स्वास्थ्य दिवस को धूमधाम से आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार था, वहीं इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग के प्रमुख इंदु कश्यप मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस मौके पर संपति देवी नर्सिंग कॉलेज की प्रधानाचार्य नेहा ठाकुर और नर्सिंग छात्राएं उपस्थित रही।

रैली निकाल मतदाताओं को किया जागरूक

सुंदरनगर । निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम सुंदरनगर गिरीश समरा ने बताया कि नगर परिषद सुंदरनगर के चांगर वार्ड में जाकर महिला मंडल व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर एक रैली निकालकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर महिलाओं ने शत-प्रतिशत मतदान करने तथा लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। इस अवसर पर स्वीप टीम के सदस्यों में देवेंद्र कुमार, रजनीश गौतम, दिनेश सिंह, नैना व भीमा उपस्थित रहे।

बाल कहानियां पुस्तक का किया लोकार्पण

मंडी । हिमाचल की यादगार बाल कहानियां संपादक डॉ. सुशील कुमार का लोकार्पण

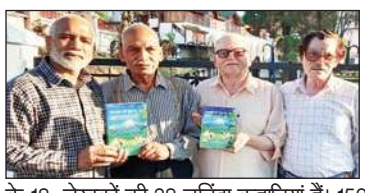

कृष्ण चंद महादेविया, डॉ. गंगा राम राजी, रतनलाल शर्मा, सुरेंद्र मिश्रा के करकमलों द्वारा एक साधारण से कार्य क्रम में सुंदर नगर के विश्राम गृह में संपन्न हुआ। इस पुस्तक में हिमाचल के 18 लेखकों की 38 चुनिंदा कहानियां हैं। 152 पृष्ठों की यह पुस्तक देश के प्रसिद्ध लेखक डॉ. सुशील कुमार द्वारा संपादित है।

बल्ह घाटी में आवारा पशुओं का आतंक

किसानों की फसलें हो रही तबाह, राजनीतिक दल सेंक रहे रोटियां

आदर्श यादव, नेरचौक

बल्ह घाटी में आवारा पशुओं की तादाद दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे यहां का किसान बेहद परेशान है। गर्मी के दस्तक देते ही आवारा पशुओं ने गांव से शहर की ओर रुख करना शुरू कर दिया है।

डडोर से नेरचौक, बग्गी से डडोर तक, नेरचौक से गलमा तक कोई भी सड़क ऐसी नहीं है जहां आवारा पशुओं ने डेरा न डाला हो। नेरचौक शहर के चारों ओर की सड़कों पर जगह-जगह आवारा पशुओं के झुंड बीच सड़क पर नजर आ रहे हैं।

इन आवारा पशुओं के कारण यातायात व्यवस्था बुरी तरह से अवरुद्ध हो रही है। जगह-जगह जाम लग रहे हैं तथा हर जगह दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ है। आम जनता का सड़कों पर चलना तथा गाड़ी चलाना मुश्किल हो गया है।

गर्मी से राहत पाने के लिए आवारा पशु हर बार सड़क का रुख करते हैं ताकि वाहनों से आने वाली हवा से इन्हें गर्मी से राहत मिले साथ ही मक्खी व मच्छरों से भी छुटकारा मिले।

सड़क के बीचोंबीच यातायात को अवरुद्ध करता आवारा पशुओं का झुंड।

- आवारा पशुओं के कारण यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह से हो रही अवरुद्ध

अनंत ज्ञान स्पैशल

पूर्व सरकार ने भी नहीं उठाया समस्या संबंधी कोई कदम

जयराम सरकार ने आवारा पशुओं के नाम पर प्रदेश में बिकने वाली शराब की बोतल पर एक रुपए की वसूली कर करोड़ों रुपए इकट्ठा किया था, मगर आवारा पशुओं के लिए कोई भी योजना नहीं बनाई गई थी, जिससे बीते 5 वर्षों में आवारा पशुओं की समस्या वैसी की वैसी ही रही।

हर दिन बढ़ रही आवारा पशुओं की संख्या

कांग्रेस हो या भाजपा सभी राजनीतिक दलों ने किसानों की इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया, बल्कि आवारा पशुओं को लेकर इन दलों ने राजनीतिक रोटियां सेंकने का ही कार्य किया है। चुनाव में सभी राजनीतिक दल आवारा पशुओं की सुरक्षा तथा किसानों को इससे निजात दिलाने के जनता से बड़े-बड़े वादे कर वोट बटोरने का कार्य करते हैं और फिर सत्तासीन होने पर वायदे भूल जाते हैं। परिणाम स्वरूप आवारा पशुओं की तादाद घटने के बजाय दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है।

पंजीकरण योजना भी रही असफल

पिछले कुछ वर्षों से सरकार ने पशुओं का पंजीकरण शुरू किया है मगर पंजीकरण के बावजूद भी आवारा पशुओं की तादाद में कोई कमी नहीं हुई है। जिससे यह योजना बुरी तरह से असफल होकर रह गई है।

पंजीकरण के साथ जवाबदेही होनी चाहिए सुनिश्चित

आवारा पशुओं पर रोक लगाने के लिए आवारा पशुओं की पंजीकरण की योजना पर गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। बल्ह घाटी के शंकर दास, खजान सिंह, प्रकाश, राजेंद्र, हुकम चंद, सुनीता, बबीता व धना लाल सहित कई ग्रामीणों का कहना है कि सरकार किसानों के पशुओं के पंजीकरण के साथ-साथ प्रदेश में घूम रहे आवारा पशुओं की गंभीरता से शिनाख्त कर इन पशुओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए योजना तैयार करें तभी आवारा पशुओं पर अंकुश लग पाएगा।

विवाहिता की मौत मामले में सास, ससुर व सैनिक पति हिरासत में

महिला के घर में जांच के लिए इकट्ठा हुए पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग।

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

उपमंडल जोगिंद्रनगर में एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में हुई मौत पर पुलिस ने सास-ससुर और सैनिक पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। 34 साल की महिला की मौत पर मायका पक्ष ने खूब हंगामा किया।

वहीं शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाकर पति, सास ससुर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग भी उठाई। स्थानीय पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अभी कुल तीन लोगों को हिरासत में गहनता से पूछताछ शुरू कर दी है और महिला के शव को भी पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में लिया है।

जानकारी के अनुसार द्राहल बगला गांव की 34 साल की विवाहित महिला रविवार दोपहर को अपने ससुराल में मौजूद थी। मकान के एक कमरे में जब काफी समय बाद भी वह बाहर नहीं आई घर में मौजूद परिजनों ने बंद दरवाजे को खटखटाया शुरू किया तो, जब खिड़की को तोड़ा गया तो 34 साल की विवाहित महिला अर्पणा फंदे से झूलती पाई गई। इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और मायका पक्ष को जब मिली तो काफी संख्या में मायका पक्ष के लोगों ने पहुंचकर हंगामा शुरू कर सास-ससुर और सैनिक पति के खिलाफ प्रताड़ना का आरोप लगाकर परिवार के तीनों सदस्यों को हिरासत में लेने की मांग उठाई। पुलिस के जवानों घटनास्थल से पति, सास व ससुर को हिरासत में लेकर पुलिस थाना में जोगिंद्रनगर में मामले की जांच चल रही है। पुलिस थाना प्रभारी अश्विनी कुमार ने बताया कि आज पुलिस गिरफ्तार व्यक्तियों को कोर्ट में पेश किया जाएगा जहां कोर्ट से दो दिन का रिमांड मांगा गया है।

कम मतदान केंद्रों में आज से चलेगा जागरूकता अभियान : एसडीएम

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

जोगिंद्रनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव आयोग के मिशन 414 के तहत ऐसे 20 मतदान केंद्र चिन्हित किए गए हैं, जिनमें गत लोकसभा चुनाव के दौरान औसत मतदान से कम मतदान दर्ज हुआ है। इन मतदान केंद्रों में मत प्रतिशतता बढ़ाने के लिए 9 अप्रैल से विशेष मतदाता जागरूकता अभियान शुरू किया जा रहा है। इस संबंध में सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम जोगिंद्रनगर मनीश चौधरी ने बताया कि चुनाव आयोग के मिशन 414 के तहत जोगिंद्रनगर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में गत लोक सभा चुनाव के दौरान मत प्रतिशतता की दृष्टि से कम मतदान वाले मतदान केंद्रों को चिन्हित किया गया है। इस विशेष मतदाता जागरूकता अभियान के तहत अप्रैल को ऊपरी धार के मतदान केंद्र निरोहली, गोलवां के मतदान केंद्र डूगहली, पीहड़ बेहडलू के मतदान केंद्र तरयांबली व मतदान केंद्र भरडौण तथा ममाण बनांदर के मतदान केंद्र ममाण में मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जाएगा।

10 अप्रैल को गुम्मा के अंतर्गत मतदान केंद्र खारसा तथा मटरू के तहत मतदान केंद्र भटवाड़ा, 12 अप्रैल को बड़ा ठाणा, सनहाली, चुल्ला व तुल्लाह, 16 अप्रैल को भडयाड़ा बूहला के मतदान केंद्र भडयाड़ा बूहला आदि शामिल हैं।

देवभूमि क्षत्रिय संगठन व सवर्ण मोर्चा करेगा प्रदर्शन

नेरचौक । जितने लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे है उतनी ही चुनाव प्रचार रफ्तार पूरे प्रदेश भर में तेज हो रही है, वहीं राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी भी लोकसभा चुनावों के लिए पूरी तरह मैदान में उतर चुकी है। राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी के महासचिव मुनीश मंढोत्रा ने बताया कि जहां भारतीय जनता पार्टी अपने आप को हिंदुत्व जिंदाबाद विचारधारा की पार्टी कहती है वहीं उनके द्वारा एक ऐसे उम्मीदवार को चुनाव में उतारना शर्मनाक है जिसने गौ मांस खाया हो।

उनका कहना है कि गुजरात के बीजेपी नेता रूपाला द्वारा सवर्ण समाज की महिलाओं पर की गई अभद्र टिपणी निंदनीय है, अभी तक रुपाला पर कोई गंभीर कार्रवाई भाजपा द्वारा नहीं की है। साथ ही राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी के युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष तुलेश कुमार ने कहा कि जहां सवर्ण समाज उनके साथ हमेशा खड़ा रहा, उस सवर्ण समाज की अहमियत को दरकिनार करना सही नहीं । आज राष्ट्रीय देवभूमि पार्टी व गो रक्षा व सेवा के अन्य संगठन विरोध-प्रदर्शन करेंगे।

राम प्रकाश की युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील

अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर

माइंड आप्रेशन अकादमी के निदेशक राम प्रकाश ठाकुर ने राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेले की अंतिम संस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और युवाओं को खतरनाक नशे से बचने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा युवा प्रदेश व देश के भविष्य की दिशा और दशा निर्धारित करते हैं इसीलिए युवाओं का नशे से दूर रहना बेहद जरूरी है और कहा माइंड ऑप्रेशन अकादमी से वैसे तो सैकड़ों युवा युवती विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी नौकरी हासिल कर चुके हैं परंतु अकादमी ने हिमाचल प्रदेश की पहली महिला सैन्य पुलिस अग्निवीर प्रदेश को दी है और निदेशक ने सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि बेटा-बेटी को एक समान शिक्षा और प्रेरणा देनी चाहिए क्योंकि प्रदेश व देश के समग्र विकास के लिए जितना योगदान लड़कों का है उतना ही लड़कियों का भी होना आवश्यक है। वहीं आखिरी सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश सहित स्थानीय कलाकारों ने संध्या में मौजूद लोगों का भरपूर मनोरंजन किया।

महिला सशक्तिकरण पर कार्यशाला आयोजित

हमीरपुर । महिला सेल-एनआईटी ने महिलाओं को सशक्त बनाने, मन, शरीर और अधिकार पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. वीना शर्मा द्वारा आयोजित कार्यशाला का संचालन डॉ. वंदना शर्मा और डॉ. प्रदीप सिंह द्वारा किया गया और डॉ. सुंदर कला नेगी और डॉ. रिंशु द्वारा समन्वयित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. राधाकृष्णन सरकारी मेडिकल कॉलेज, हमीरपुर में प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान की सहायक प्रोफेसर डॉ. मोनिका शर्मा की व्यावहारिक बातचीत से हुई।

सरकाघाट के सौरव कोर्फबॉल विश्व कप के लिए चयनित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

कोर्फबॉल खिलाड़ी सौरव शर्मा पुत्र राजेंद्र शर्मा निवासी बासी नबाही सरकाघाट मंडी का चयन कोर्फबॉल विश्व कप जो कि 26 से 28 अप्रैल तक थाइलैंड में खेला जाएगा इसमें चयन हुआ है।

सौरव ने इसका श्रेय अपने कोच विनोद ठाकुर और माता पिता को दिया है। वर्तमान में सौरव एचआरटीसी केलांग में लेजर कीपर के पद पर कार्यरत है। बता दें कि सौरव ने 2009 से कोर्फबॉल खेलना शुरू किया था और राष्ट्रीय स्तर पर 13 स्वर्ण पदक, 3 रजत या 4 कांस्य

पदक हैं और खेल कोटा में हिमाचल पथ परिवहन निगम में लेजर कीपर के पद पर 2022 से कार्य रहे हैं।

लक्ष्य का निर्धारण हमारी प्राथमिकता : अनुपमा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी

इतिहास विभाग सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता आचार्य अनुपमा सिंह प्रति कुलपति, एसपीयू मंडी ने की। मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस अधीक्षक विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त कार्यालय ग्वालियर रामेश्वर सिंह यादव रहे।

इस उपलक्ष्य पर प्रो. अनुपमा सिंह ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सर्वप्रथम अपने लक्ष्य का निर्धारण करें व ईमानदारी के साथ मेहनत करें तो आपको लक्ष्य प्राप्ति से कोई रोक नहीं सकता।

मुख्य वक्ता रामेश्वर सिंह यादव

रामेश्वर सिंह यादव को सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. अनुपमा सिंह।

ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रशासनिक सेवा में भविष्य को देखें तो वे समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा कर सकते हैं।

उन्होने प्रशासनिक सेवा की तैयारी व महत्व के संदर्भ में विद्यार्थियों से विचार साझा किए। यदि हम पूरी लगन और मेहनत से निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करते हैं तो निश्चित तौर पर हम अपने लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे। आचार्य अनुपमा सिंह ने मुख्य वक्ता को सम्मानित किया।

अनदेखी एनएच निर्माण कर रही कंपनी की अनदेखी के चलते बढ़ी दुर्घटनाओं की संभावना

हाईवे निर्माण से उड़ रही धूल, लोगों का जीना हुआ दुश्वार

रितेश चौहान, सरकाघाट

निर्माणाधीन नेशनल हाईवे-3 अटारी-लेह लद्दाख वाया अवाहदेवी कोटली सड़क मार्ग पर मेन बाजार से पाडच्छू पुल तक उड़ रही धूल मिट्टी ने हजारों लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। दो सप्ताह से क्षेत्र में बारिश नहीं हो रही है और सड़क में बिछी मिट्टी सूख चुकी है।

अब तो आलम यह बन चुका है कि आगे चलने वाले वाहन चालक को पीछे वाला वाहन नहीं दिखाई देता है और न ही पीछे चल रहे वाहन चालक को अगला वाहन उड़ती धूल की वजह से नजर आता है, जिससे दुर्घटना होने की संभावनाएं बढ़ गई है।

वहीं सड़क किनारे बने घरों, दुकानों के अंदर बाहर धूल जम जाती है। अंदर बाहर रखा सामान भी खराब हो रहा है। सबसे ज्यादा समस्या बुजुर्गों, स्कूली बच्चों, कर्मचारियों को आ रही है। धूल से कपड़े प्रतिदिन खराब हो जाते है और बुजुर्गों का दम घुटता है इससे सांस की बीमारियां बढ़ सकती है और टीबी जैसी बीमारी को भी न्योता दिया जा रहा है।

यह सब एनएच निर्माण कर रही

सड़क में उड़ रही धूल, जिससे लोग परेशान हैं।

कंपनी की अनदेखी के चलते हुआ है अगर कंपनी दिन में दो-तीन बार सड़क में पानी छिड़क देती तो यह समस्या नहीं आती। (अनंत ज्ञान)

सड़क पर किया जाए पानी का छिड़काव

दरअसल अवाहदेवी से लेकर पाड़च्छू तक कंपनी ने एक साथ ही करीब 30 किलोमीटर पक्की सड़क उखाड़ दी है। सरकाघाट व्यापार मंडल के अध्यक्ष ब्रह्मदास शर्मा, राम प्रकाश, सीता राम शर्मा, जगदीश चंद, प्रेम सिंह आदि ने प्रशासन से मांग की है कि पुरी सड़क पर दिन में दो-तीन बार पानी छिड़क दिया जाए, वहीं बरसात से पहले पक्का कर नालिया और डंगे भी लगाए जाए ताकि लोगों को आ रही दिक्कतों से राहत मिल सके।

अस्पताल में धूल फांक रही दो एमएमयू वैन

पुष्पराज, मंडी

जोनल अस्पताल मंडी में पिछले 6 महीनों से दो एमएमयू वैन धूंल फांक रही हैं। कंपनी के साथ हुए एमओयू खत्म होने के बाद अब दोनों मोबाइल मेडिकल यूनिट को अस्पताल के एक कोने में खड़ा कर दिया हैं।

सीएमओ मंडी डॉ. नरेंद्र कुमार भारद्वाज ने कहा कि दोनों मोबाइल मेडिकल यूनिट फिल्ड में काम कर रही थी परंतु 6 महीनें पहले कंपनी के साथ साइन हुए एमओयू खत्म हो गया हैं, जिसके बाद दोनों एमएमयू वैन को खड़ा कर दिया हैं।

उन्होंने कहा कि इनके संचालन को लेकर अभी तक विभाग से उन्हें कोई आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं और इतना कहा गया हैं कि इनकी चाबियां ले ली जाए और जो सामान हैं उनकी लिस्ट बनाकर अपने पास रख लें। मुख्य चिकित्साधिकारी नरेंद्र कुमार भारद्वाज ने कहा कि इसको लेकर विभाग को पत्र लिखा हैं, जिसमें इनके संचालन की परमिशन दी जाए ताकि इन्हें फिल्ड में इस्तेमाल किया जा सके, परंतु अभी तक उन्हें कोई भी जवाब नहीं मिला हैं।

जोनल अस्पताल मंडी में छह महीने से धूल फांक रही एमएमयू वैन।

- विभाग से इस्तेमाल न करने का है आदेश

चिंता दूर करती है छिन्नमस्तिका

ऊना जिले में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल चिंतपूर्णी का अपना ही है महत्व

राजेश शर्मा, ऊना

हिमाचल प्रदेश देवी-देवताओं की भूमि है। प्रदेश के कोने-कोने में बहुत से प्रसिद्ध तीर्थ स्थल हैं, लेकिन ऊना जिले में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल चिंतपूर्णी का अपना ही महत्व है। चिंतपूर्णी अर्थात चिंता को दूर करने वाली देवी जिसे छिन्नमस्तिका भी कहा जाता है। छिन्नमस्तिका का अर्थ है-एक देवी जो बिना सर के है। कहा जाता है कि यहां पर पार्वती माता के पवित्र चरण गिरे थे।

नवरात्र विशेष

प्राचीन धर्म ग्रंथों और मान्यताओं के अनुसार कहा जाता है कि 14वीं शताब्दी में माईदास नामक दुर्गा भक्त ने इस स्थान की खोज की थी। माईदास का जन्म अठूर गांव, रियासत पटियाला में हुआ था। माईदास के दो बड़े भाई थे, दुर्गादास व देवीदास। माईदास का अधिकतर समय पूजा-पाठ में ही व्यतीत होता था, इसलिए वह परिवार के कार्यों में हाथ नहीं बंटा पाते थे। इस लए भाइयों ने माईदास जी को परिवार से अलग कर दिया। एक दिन माईदास जी अपने ससुराल जा रहे थे। रास्ते में एक वट वृक्ष के नीचे आराम करने बैठ गए। इसी वट वृक्ष के नीचे आजकल दुर्गा भगवती जी का मंदिर है। वहां घना जंगल था। तब इस जगह का नाम छपरोह था, जिसे आजकल चिंतपूर्णी कहते हैं। थकावट के कारण माईदास की आंख लग गई और स्वप्न में उन्हें दिव्य तेजस्वी कन्या के दर्शन हुए, जो उन्हें कह रही थी कि माईदास! इसी वट वृक्ष के नीचे बीच में मेरी पिंडी बनाकर उसकी पूजा करो। तुम्हारे सब दुख दूर होंगे। माईदास को कुछ समझ न आया और वह ससुराल चले गए, ससुराल से वापस आते समय उसी स्थान पर माईदास जी के कदम फिर रुक गए। उन्हें आगे कुछ न दिखाई दिया। वह फिर उसी वट वृक्ष के नीचे बैठ गए और स्तुति करने लगे।

उन्होंने मन ही मन प्रार्थना की। हे दुर्गा मां यदि मैंने सच्चे मन से आपकी उपासना की है तो दर्शन देकर मुझे आदेश दो। बार-बार स्मृति करने पर उन्हें सिंह वाहनी दुर्गा के दर्शन हुए। देवी ने कहा कि मैं उस वट वृक्ष के नीचे चिरकाल से विराजमान हूं। लोग यवनों के आक्रमण तथा अत्याचारों के कारण मुझे भूल गए हैं। तुम मेरे परम भक्त हो। अत: यहां रहकर मेरी आराधना करो। यहां तुम्हारे वंश की रक्षा मैं करूंगी।

माईदास जी ने कहा कि मैं यहां पर रहकर कैसे आपकी आराधना करूंगा। यहां पर घने जंगल में न तो पीने योग्य पानी है और न ही रहने योग्य उपयुक्त स्थान। मां दुर्गा ने कहा कि मैं तुमको निर्भय दान देती हूं कि तुम किसी भी स्थान पर जाकर कोई भी शिला उखाड़ो, वहां से जल निकल आएगा। इसी जल से तुम मेरी पूजा करना। आज इसी वट वृक्ष के नीचे मां चिंतपूर्णी का भव्य मंदिर है और वह शिला भी मंदिर में रखी हुई है, जिस स्थान पर जल निकला था, वहां आज सुंदर तालाब है। आज भी उसी स्थान से जल निकाल कर माता का अभिषेक किया जाता है।

पुराणों के अनुसार यह स्थान चार महारुद्र के मध्य स्थित है। एक ओर कालेश्वर महादेव, दूसरी ओर शिववाड़ी, तीसरी ओर नारायण महादेव, चौथी ओर मुचकंद महादेव हैं। मार्कंडेय पुराण के अनुसार ऐसा विश्वास किया जाता है कि सती चंडी की सभी दुष्टों पर विजय के उपरांत, उनके दो शिष्यों अजय और विजय ने सती से अपनी खून की प्यास बुझाने की प्रार्थना की थी। यह सुनकर सती चंडी ने अपना मस्तिष्क छिन्न कर लिया, इसलिए सती का नाम छिन्नमस्तिका पड़ा। (अनंत ज्ञान)

श्रद्धालुओं को मिल रहीं व्यापक सुविधाएं

श्री चिंतपूर्णी धाम में त्योहारों और मेलों के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा और अनुशासन के लिए अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया जाता है। बेहतर प्रबंधन के लिए मंदिर ट्रस्ट के पूरे प्रशासन को 9 खंडों में बांटा गया है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट और उपजिला मजिस्ट्रेट विशेष दिनों के दौरान मुख्य प्रभारी अधिकारी होते हैं। नवरात्रि और त्योहारों में श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण मंदिर दिन-रात खुला रहता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अत्याधुनिक एक्सलेटर और रोप-वे की व्यवस्था की जा रही है। पानी की समुचित व्यवस्था की गई है। लंगर, सफाई व अन्य कार्यों के लिए अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। ऑनलाइन व्यवस्था के साथ वीआईपी दर्शन के लिए 1100 रुपए शुल्क निर्धारित है। इसमें परिवार के पांच सदस्य दर्शन कर सकते हैं।

धरती में समा जाता है श्रीनयना देवी में जला हवन, आज तक कभी भी साफ नहीं किया कुंड

नयनादेवी में ऐसा हवन कुंड जो कभी खाली नहीं होता

शुभम राही, बिलासपुर

विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्रीनयना देवीजी में एक ऐसा हवन कुंड भी है जो कभी खाली नहीं किया जाता है। यह हवन कुंड कई दशकों से चलता आया है, लेकिन इस हवन कुंड को न कभी खाली किया गया है और न ही कभी साफ।

यह कुंड अपने आप ही हवन सामग्री को धरती में समा लेता है। यहां पर लाखों मन सामग्री स्वयं अपने आप ही धरती में समा जाती है। मान्यता है कि इस हवन कुंड में जितनी भी बार हवन होता है तो हमेशा यहां पर हवन सामग्री हजारों लाखों टन के हिसाब से डाली जाती है, परंतु इस हवन कुंड को साफ नहीं किया जाता है।

नवरात्र विशेष

हवन कुंड

यह कुंड अपने आप ही साफ हो जाता है। पुजारी वर्गों की बात करें तो उनका कहना है कि यहां पर मां नयनादेवी जी में हवन की सबसे बड़ी अहमियत है।

जब तक मंदिर में कोई श्रद्धालु इस हवन कुंड में माथा नहीं टेकता है तो उसकी यात्रा सफल नहीं मानी जाती है। (अनंत ज्ञान)

चैत्र नवरात्र मेले आज से

श्रीनयनादेवी जी। विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी जी मंदिर में मंगलवार से चैत्र नवरात्र मेले शुरू हो जाएंगे। नवरात्र के दौरान मंदिर के कपाट रात दो बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मंगलवार से शुरू होने वाले नवरात्र मेले 17 अप्रैल तक चलेंगे। श्री नयनादेवी जी नगर को 9 सेक्टरों में बांटा गया है, इसमें 150 होमगार्ड और 200 पुलिस के जवान तैनात रहेंगे। प्रशासन ने तैयारियों पूरी कर ली हैं।

गुरु गोबिंद सिंह ने की थी तपस्या व हवन

सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह ने भी यहां तपस्या व हवन किया था। उनकी तपस्या से खुश होकर मां भवानी ने गुरु गोबिंद सिंह को दर्शन दिए और उन्हें तलवार भेंट की। साथ ही उन्हें विजयी होने का वरदान दिया था। मां का आशीर्वाद पाकर उन्होंने मुगलों को पराजित किया था। कहा जाता है कि आनंदपुर साहिब की ओर जाने से पहले गुरु गोबिंद सिंह ने अपने तीर की नोक से तांबे की एक प्लेट पर अपने पुरोहित को हुक्मनामा लिखकर दिया, जो आज भी नयनादेवी के पंडित के पास सुरक्षित है।

मंदिर में माता जगंदबा भी है विराजमान

नयनादेवी जी मंदिर में पवित्र ज्योत की भी काफी अहमियत है कि जिस समय महिषासुर राक्षस और श्रीनयना देवी के बीच युद्ध होने पर मां ने उसे वरदान दिया कि मेरे हाथों मृत्यु होने के कारण तू एक क्षण के लिए भी मेरे चरणों से अलग नहीं होगा। जहां मेरा पूजन होगा वहां पर तुम भी पूजे जाओगे। तब से यहां माता जगदंबा भी विरामजान हैं। वहीं, नवरात्र मिलने के दौरान मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते है।

न्यूज ब्रीफ

छात्र कार्यशालाओं का उठाएं लाभ : तरसेम

दौलतपुर चौक। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रपोह मिसरां ने व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत रिटेल विषय के छात्र-छात्राएं ऑन जॉब ट्रेनिंग के लिए अमित गारमेंट्स तथा इंटर्नशिप के लिए एससीजी कलेक्शन अंब में अध्यापक गुलशन के साथ भ्रमण किया। स्कूल प्रधानाचार्य तरसेम लाल धीमान ने छात्र - छात्राओं को बताया कि इन कार्यशालाओं का आपने ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना है।

रविदास सत्संग सभा सलोह के प्रधान बने बलदेव सरोआ

हरोली। सलोह गांव की पंजीकृत श्री गुरु रविदास सत्संग सभा सलोह का चुनाव संपन्न हुआ। इसमें सर्वसम्मति से रिटायर्ड तहसीलदार बलदेव सरोआ को प्रधान चुना गया । कमेटी में सीनियर उपप्रधान कुलदीप सिंह, उपप्रधान संसार चंद, महासचिव गुरदास राम भाटिया, सहायक सचिव रामप्रकाश बिट्टू, कोषाध्यक्ष सुरजीत भट्टी, ऑडिटर सुरजीत कुमार, मुख्य सलाहकार साधुराम भट्टी व दिलवाग चंद चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य केवल सिंह, दर्शन कुमार, माखन सरोआ, सुखविंद्र सिंह सरोआ, अनिल कुमार भाटिया व संजीव कुमार चुने गए।

कांगड़ा ने चंबा को एक पारी और 69 रन से हराया

अनंत ज्ञान, ऊना

पीसीपी ग्राउंड संतोषगढ़ ऊना में चंबा और कांगड़ा के बीच में दूसरे दिन का खेल आरंभ हुआ। मुकाबले में चंबा ने पहले खेलते हुए 10 विकेट खोकर 46 बनाए थे। कांगड़ा ने अपनी पहली पारी में 244 रन बनाए।

दूसरी पारी में चंबा की टीम 133 रन पर ऑलआउट हो गई। कांगड़ा ने मैच को एक पारी और 65 रन से जीत कर शानदार जीत दर्ज करवाई। उधर, अखिलेश गौतम के शानदार शतक से बिलासपुर की टीम ने पहली पारी में 350 राम बनाए थे। ऊना के इंदिरा स्टेडियम में चल रहे मुकाबले के दूसरे दिन लाहौल-स्पीति ने पहले खेलते हुए 116 रन बनाए।

दूसरी पारी में लाहौल स्पीति की टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक 3 विकेट खोकर 75 रन बना लिए थे। आयुष शर्मा 15 रन और आर्य कुशल 34 रन बनाकर खेल रहे हैं। बिलासपुर के प्रिंस, सक्षम और सार्थक ने एक-एक विकेट प्राप्त किया।

डीसी ने टाहलीवाल में तेल टैंकर दुर्घटनास्थल का किया दौरा

अनंत ज्ञान, ऊना

उपायुक्त जतिन लाल ने औद्योगिक क्षेत्र टाहलीवाल में तेल से भरा टैंकर पलटने के हादसे में हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए सोमवार को दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने प्रभावितों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया और संबंधित अधिकारियों को मामले की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के निर्देश दिए ताकि आवश्यकता अनुरूप सुधारात्मक कदम उठा जा सकें, जिससे आगे इस तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो।

नुकसान का लिया जायजा, प्रभावितों को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

इस दौरान एसडीएम हरोली राजीव कुमार सहित संबंधित अधिकारी उनके साथ रहे। गौरतलब है कि रविवार को टाहलीवाल चौक में तेल से भरा एक टैंकर सड़क में पलटने से उसमें भीषण आग लग गई थी।

नुकसान का जायजा लेते उपायुक्त।

इस हादसे में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जबकि 8 अन्य लोग घायल हो गए। वहीं, आग की चपेट में आने से करीब 15 दुकानों और वाहनों को भारी नुकसान हुआ है। उपायुक्त ने कहा कि दुर्घटना प्रभावितों को नियमों के अनुसार फौरी राहत प्रदान कर दी गई है। घायलों को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ऊना में भर्ती करवाया गया है तथा स्वास्थ्य विभाग को उनकी अच्छी से अच्छी देखभाल और बेहतर उपचार को लेकर भी निर्देश दिए गए हैं।

भदसाली में कल से धार्मिक समागम

ऊना। हरोली क्षेत्र के भदसाली गांव के ठाकुरद्वारा मंदिर में श्री रामनवमी हिंदू नववर्ष के उपलक्ष्य मे मंगलवार से श्री राम चरितमानस कथा सप्ताह व विशाल संत सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । मंदिर कमेटी के प्रधान प्रदीप कुमार, सेवादार मोहन लाल जसवाल, कुशल कुमार, कर्ण जसवाल, रोहित जसवाल, कांता देवी व सुषमा देवी आदि ने बताया कि धार्मिक समागम के शुभारंभ पर 9 अप्रैल को सुबह मंदिर भदसाली से विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। 9 से 17 अप्रैल तक प्रतिदिन कथा सुबह साढ़े दस बजे से दोपहर पौने दो बजे तक होगी । कथा उपरांत लंगर की व्यवस्था की गई है। सप्ताह दौरान मंदिर में सायं 7 बजे संध्या आरती एवं कीर्तन होगा। मंदिर सेवकों ने सभी से कथा का पुण्य लाभ उठाने का निमंत्रण दिया है।

हमारा उद्देश्य जनसेवा : देवेंद्र भुट्टो

बंगाणा। कुटलैहड़ के भाजपा प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक देवेंद्र कुमार भुट्टो ने सोमवार को कुटलैहड़ के कोहड़रा, बुधान, लठियानी, सोलहसिंगी धार के डरोह, सरोह आदि पंचायतों में जन संपर्क अभियान के तहत जनता से समर्थन मांगा। वही समाजसेवी सुदेश बोहरा के पिता के निधन पर उनके घर जाकर परिवार को सांत्वना दी। देवेंद्र कुमार भुट्टो ने जन संपर्क अभियान के तहत कहा कि हमारा उद्देश्य जन सेवा है।

समर्थकों के साथ देवेंद्र भुट्टो।

101 बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे बंबर ठाकुर

बिलासपुर में प्रेस वार्ता करते हुए बंबर ठाकुर।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर

रविवार को बिलासपुर जिला के 101 बूथ अध्यक्षों के साथ सदर पूर्व विधायक बंबर ठाकुर व अन्य कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता बैठक करने जा रहे है। इस बैठक में 101 बूथ अध्यक्षों को कांग्रेस पार्टी को मजबूत और पार्टी के लिए लोकसभा चुनावों में वोट डालने के लिए जागरूक किया जाएगा। हमीरपुर ससंदीय सीट से कांग्रेस जिस भी नेता को टिकट देगी उसको पूरा सहयोग किया जाएगा और उनके साथ मिलकर कांग्रेस पार्टी के लिए वोट देने की अपील की जाएगी।

बिलासपुर में प्रेसवार्ता करते हुए सदर पूर्व विधायक बंबर ठाकुर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि लोक सभा चुनाव में गोमांस खाने वालों एवं नशेड़ियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। एक तरफ भाजपा गो रक्षा जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाती है। तो दूसरी तरफ ऐसे लोगों को चुनावी टिकट देकर मैदान में उतारा जा रहा है। जिसने सोशल मीडिया पर इस बात को स्वीकार किया है। इससे भाजपा के दोहरे चरित्र का पता चलता है। वहीं, भाजपा नेताओं द्वारा संगठन ऐसे नशा तस्करों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है जो इस तरह के अवैध धंधे में शामिल है। बल्कि उनके साथ फोटो खिचवाने से भी परहेज नहीं करते हैं। जनता इन सवालों पर भाजपा से जवाब चाहती है। वह सोमवार को यहां पर पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। पूर्व विधायक बंबर ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के बीते पांच वर्ष के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री का बीते पांच वर्ष का कार्यकाल निराशाजनक रहा है। वह न तो कोई नई बड़ी योजना ला पाए और न ही विकास करवा पाए। बल्कि केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर व भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा जो भी गांव गोद लिए गए है। वहां पर न तो उन गांवों की हालत नहीं बदल पाई है बल्कि सड़कों व बिजली व्यवस्था की हालत पहले से भी बदतर हो गई है।

भाजपा के गुंडों ने किया था हमला

बंबर ठाकुर ने कहा कि पिछले दिनों बिलासपुर में आयोजित हुए अनुराग ठाकुर के कार्यक्रम में भाजपा के एक पदाधिकारी ने मंच से कहा कि बंबर ठाकुर को प्रसाद दिया है। इसका अर्थ सीधे तौर पर यह है कि भाजपा ने मान लिया है कि उन पर जिन गुंडों ने हमला किया था वह भाजपा के थे।

हरबंस सिंह महाजन को सौंपी कमान

घुमारवीं। हिमाचल पथ परिवहन पेंशनर कल्याण संगठन बिलासपुर इकाई के चुनाव घुमारवीं में हुए। चुनाव राज्य उपाध्यक्ष दयाल सिंह कवर की अध्यक्षता में हुए। इसमें सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। नई कार्यकारिणी में हरबंस सिंह महाजन को जिला अध्यक्ष, कृष्ण ठाकुर को कार्यकारी अध्यक्ष, विद्यासागर को उपाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा नथूराम ठाकुर को प्रधान, रणजीत सिंह चंदेल को वरिष्ठ उपप्रधान, सुभाष चंद्र शर्मा, ज्ञान सिंह ठाकुर, रामलाल ठाकुर को उपप्रधान, सरवन कुमार गौतम को महासचिव, दिलबर ठाकुर को अतिरिक्त महासचिव, प्यार सिंह ठाकुर को मुख्य सलाहकार, रमेश चंद्र जमवाल को संगठन सचिव, गिरधारी लाल को प्रेस सचिव, शमशेर सिंह को प्रसार सचिव, इंद्रपाल चैहान को कोषाध्यक्ष, राजेंद्र पाल को सहकोषाध्यक्ष, रमेश वर्मा को लेखा परीक्षक, भूरी सिंह ठाकुर, दौलत राम ठाकुर, लेख राम चंदेल को मार्गदर्शक नियुक्त किया गया। चुनाव के बाद 70 साल से अधिक आयु के 60 पेंशनर को सम्मानित किया गया। नवनिर्वाचित जिला प्रधान नथूराम ठाकुर ने सभी पेंशनरों का धन्यवाद किया।

फूड सेफ्टी विभाग ने मेले में दुकानों में की छापेमारी

खबर छपते ही हरकत में आया विभाग, दुकानदारों जल्द लाइसेंस बनाने के दिए आदेश

नीरज शर्मा, घुमारवीं

राज्य स्तरीय घुमारवीं ग्रीष्मोत्सव में लगाई गई खाने-पीने की अस्थायी दुकानों में बिना फूड सेफ्टी लाइसेंस के खाद्य सामग्री बेचने वालों पर संबंधित विभाग ने कार्रवाई शुरू की है। इसके तहत सोमवार को विभाग द्वारा इस उत्सव में लगाई गई खाद्य सामग्री की सभी दुकानों में जाकर उनके लाइसेंस तथा अन्य मानकों की जांच की गई। विभाग की तरफ से मौके पर पहुंचे खाद्य निरीक्षक केएस ठाकुर की अगुआई में बनाई गई टीम ने इस मेले में करीब 30 दुकानों के लाइसेंस तथा अन्य जरूरी कागजात चेक किए। इस दौरान कुछ दुकानदारों के पास लाइसेंस न होने पर उन्हें तत्काल लाइसेंस बनाने की हिदायत दी गई।

दुकानों की चेकिंग करते विभाग के कर्मचारी।

अनंत ज्ञान इंपैक्ट

साथ ही खुले में खाद्य पदार्थ बचने वालों की जांच करते हुए सभी दुकानदारों को यह हिदायत जारी की गई कि कोई भी दुकानदार खुले रूप से खाद्य पदार्थ मेले में नहीं बचेगा और अगर कोई भी दुकानदार नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया गया तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। बताते चलें कि इस मेले में बाहर से आए व्यापारी खुलेआम बिना किसी लाइसेंस के खाद्य सामग्री बेचकर सरेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे थे और इसको लेकर संबंधित विभाग बिलकुल भी गंभीर नहीं था। जब कि दुकानदार सरेआम लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। इसी मुद्दे को अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र ने प्रमुखता से उठाया था जिसके बाद संबंधित विभाग हरकत में आया और सोमवार को विभाग ऐसे सभी दुकानदारों के खिलाफ जो नियमों को ताक पर रखकर काम कर रहे थे कि विरुद्ध अपनी कार्रवाई शुरू की । ऐसे सभी खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों जिनके पास रजिस्ट्रेशन तथा लाइसेंस नहीं थे उन्हें लाइसेंस की जानकारी देकर तत्काल लाइसेंस तथा अन्य संबंधित जरूरी कागजात बनाए जाने के आदेश जारी किए।

विभागीय अधिकारियों द्वारा मेले में लगाई गई अस्थायी मिठाई, चाय, समोसे, चाट पापड़ी, आइसक्रीम, गोलगप्पे, जलेबी तथा गन्ने का रस बेचने वाले करीब 30 दुकानदारों की जांच की इस दौरान स्वास्थ्य पर्यवेक्षक सुरेंद्र, देवराज तथा रूप लाल टीम के साथ मौजूद रहे। (अनंत ज्ञान)

घुमारवीं में कार ड्राइविंग स्कूल वालों की वजह से लग रहा जाम

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

घुमारवीं शहर में भारी आवाजाही के बीच कार ड्राइविंग स्कूल वालों के कारण जाम की स्थिति बन रही है। शहर के बीचों बीच ड्राइविंग स्कूल संचालक लोगों को कार चलाना सीखा रहे हैं। ऐसे में सीखने वाला गाड़ी चलाने में परिपूर्ण न होने के कारण बीच सड़क में कार को रोक दे रहे है, जिससे लंबी-लंबी कतारें जाम की लग रही हैं। वहीं, ऐसे में हादसों का खतरा भी बना हुआ है।

प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गाड़ी सीखने ओर सिखाने के लिए वाकायदा ग्राउंड या किसी ऐसी सड़क का होना लाजिमी है जहां पर न तो वाहनों की आवाजाही ज्यादा हो और न ही किसी तरह का स्कूल या भीड़ भाड़ वाला कोई कस्बा हो। घुमारवी शहर के बीचों बीच ड्राइविंग स्कूल वाले नोसिखियों को गाड़ी चलाना सीखा रहे हैं। सोमवार को शहर में जब कार सिखाने का दौर जारी था तो गांधी चौक के नजदीक जाम की स्थिति बन गई। कार सीखने वाले से कार सड़क से एक तरफ नहीं की जा रही थी, वहीं अन्य गाड़ी वाले जोर-जोर से हॉर्न बजा रहे थे।

सड़क के बीच में खड़ी गाड़ी।

निजी बस के कंडक्टर बस से उतर कर कार को हटाने के लिए बाहर निकल गए। तब जाकर बड़ी मशक्कत से कार सीखने वाले ने कार को साइड किया। घुमारवीं शहर पूरी तरह से हाईवे पर स्थित है। शिमला से धर्मशाला आने-जाने वाले लोगों की आवाजाही लगातार चली रहती है। अकसर सड़क के दोनों तरफ वाहन भी खड़े रहते हैं। ऐसे में जब कार सीखने वाले शहर में कार सीखने लग जाते हैं तो जाम की स्थिति होना स्वभाविक है। लोगों ने कहा कि शहर में गाड़ी सीखना बेहद गलत है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ड्राइविंग स्कूल वालों को हिदायत दी जाए कि गाड़ी सिखाने के लिए किसी ग्राउंड या शहर से बाहर की सड़कों का प्रयोग किया जाए।

खुले में सिखाएं गाड़ी

इस संदर्भ में पुलिस उपाधीक्षक चंद्रपाल ने कहा कि शहर के बीचोंबीच वाहन चलाना सिखाना गलत है। आज ही ड्राइविंग स्कूल वालों को हिदायत दी जाएगी कि शहर से बाहर ड्राइविंग सिखाई जाए। या खुले ग्राउंड में यह काम किया जाए। शहर के बीचोंबीच कार चलाना सिखाने का कार्य नहीं किया जाए।

चुनाव 15 करोड़ के साथ पूर्व विधायक के कई कारनामे होंगे उजागर : विवेक

पूर्व विधायक के धोखे ने जनता पर थोपा उपचुनाव : शर्मा

अनंत ज्ञान, ऊना

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेक शर्मा ने कहा कि कुटलैहड़ के पूर्व विधायक की अभी और सच्चाई जनता के सामने आएगी, जिसका सामना करने के लिए वह तैयार हो जाएं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कुटलैहड़ दौरे के दौरान बागी विधायकों की 15-15 करोड़ रुपए में बिकने की बात कही, जिसके सभी साक्ष्य कांग्रेस के पास हैं। विवेक शर्मा ने कहा कि जो जनता का अपमान करता हो, वह मानहानि का दावा नहीं कर सकते हैं। पूर्व विधायक को भी अपनी सच्चाई पता है, जिसके चलते वह घबराए हुए हैं। शर्मा ने कहा कि पूर्व विधायक ने 14 माह में क्या-क्या कार्य किए। विधायक निधि कहां खर्च की, इन सबकी सच्चाई जनता के बीच रखी जाएगी।

विवेक शर्मा कुटलैहड़ में अपने समर्थकों के साथ।

यह उपचुनाव पूर्व विधायक के धोखे के चलते जनता पर थोपा गया है। वह पूर्व विधायक के द्वारा जनता के साथ किए हुए धोखे को लेकर जनता के बीच उतरे हैं और जून महीने में जनता पूर्व विधायक को सबक सिखाने के लिए बेताब बैठी है।

जोगीपंगा में कांग्रेस का बूथ सम्मेलन आज : कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के तहत जोगीपंगा में 9 अप्रैल को कांग्रेस का बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन का सुबह 10 बजे आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। इसमें कुटलैहड़ कांग्रेस के प्रत्येक बूथ प्रभारी हिस्सा लेंगे।

गगरेट कांग्रेस एकजुट, टिकट की मांग सबका अधिकार

अंब। गगरेट विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की टिकट के चाहवान नेताओं ने कांग्रेस पार्टी पर अंगुलियों उठने वालों को इन नेताओं ने कड़ा जवाब दिया है। सोमवार को अंब के एक निजी होटल में पत्रकार वार्ता कर इन लोगों ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री व हाईकमान से इनमें से किसी एक व्यक्ति को टिकट देने की बात कही है। इनका कहना है कि अगर पार्टी इनमें से किसी एक को टिकट देती है, तो वह सभी एकजुट होकर हाथ के निशान के लिए काम करेंगे। इन्होंने कहा कि हम सभी एक लंबे अरसे से गगरेट विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को सींचने का काम कर रहे हैं। पार्टी हाईकमान अगर इन लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए इन्हीं में से किसी एक को अपना प्रत्याशी बनाती है, तो वह सब लोग गगरेट विधानसभा की सीट को हाईकमान की झोली में डाल देंगे। सोमवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता करने वालों में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव सरोज शर्मा व रमण जसवाल, जिला कांग्रेस ह्यूमन राइट कमीशन के जिला अध्यक्ष राकेश कुमार अपलु, जिला परिषद सदस्य एवं जिला कांग्रेस कमेटी के वाइस प्रेजिडेंट कुलदीप कुमार दीपा, ब्लॉक कांग्रेस प्रवक्ता व आत्मा प्रोजेक्ट के अध्यक्ष अजय ठाकुर, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष अश्विनी ठाकुर, ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमन ठाक्कुर उपस्थित थे।

गगरेट के कांग्रेस नेता एकजुटता दिखाते हुए।

मोनिका शर्मा को लाडली फाउंडेशन की राज्य उपाध्यक्ष किया नियुक्त

कार्यक्रम के दौरान मौजूद लाडली फाउंडेशन के सदस्य।

अनंत ज्ञान, घुमारवीं

लाडली फाउंडेशन की राज्य अध्यक्ष शालू अख्तर की सहमति से बिलासपुर जिला के घुमारवीं शहर निवासी मोनिका शर्मा को लाडली फाउंडेशन हिमाचल प्रदेश का राज्य उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

गौरतलब है की समाज सेविका मोनिका शर्मा घुमारवीं शहर में स्थित रेनबो हॉस्पिटल के मुख्य प्रबंधक प्रीतेश शर्मा की धर्मपत्नी है। लाडली फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष शालू अख्तर, कोषाध्यक्ष निर्मला राजपूत अन्य पदाधिकारीयों दीक्षा ठाकुरर, आशा देवी ने विधिवत रूप से सदस्यता फॉर्म भरवा कर मोनिका शर्मा को राज्य उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इस मौके पर पदाधिकारियों ने हिमाचली परंपरा अनुसार माता वैष्णो देवी देवी जी से लाई चुनरी एवं हिमाचल टोपी से मोनिका शर्मा को सम्मानित किया। गौरतलब है कि मोनिका शर्मा कई वर्षों से प्रमुख सामाजिक संस्था रेनबो स्टार क्लब, सर्वधर्म समभाव राष्ट्रीय मंच एव लाडली फाउंडेशन के साथ मिलकर सामाजिक कुरीतियों को जड़ से उखाड़ने के लिए हमेशा कटिबद्ध रही हैं। इस मौके पर इंजीनियर श्याम लाल पंवार, प्रीतेश शर्मा, आरती ठाकुर इत्यादि विशेष रूप से मौजूद रहे।

"मनुष्य को अपनी कठिनाइयों की आवश्यकता होती है, क्योंकि वे सफलता का आनंद लेने के लिए आवश्यक हैं। –एपीजे अब्दुल कलाम

संपादकीय

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर उलझन में एचपीयू

देवभूमि हिमाचल के कॉलेजों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 लागू करवाना आसान नहीं है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू) आजकल इसी उलझन में उलझा है कि आखिर वह इस शिक्षा नीति को चुनाव आचार संहिता के बीच लागू करवाए तो कैसे? यूनिवर्सिटी के पास समय बहुत कम बचा है और नया शैक्षणिक सत्र बैठने ही वाला है। यूनिवर्सिटी सुक्खू सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरूप इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जी–जान से जुटी है। सरकार ने यूनिवर्सिटी को 30 अप्रैल तक का समय दिया है, ऐसे में सवाल उठता है कि इतने कम वक्त में यूनिसर्सिटी क्या सारी औपचारिकताएं पूरी कर लेगी या इसमें कोई संशय है? इस नीति को कॉलेजों में लागू करवाने के लिए यूनिवर्सिटी को सबसे पहले सिलेबस तैयार करना होगा और उसके लिए ऑर्डिनेंस और क्रेडिट सिस्टम भी बनाना होगा। जून के पहले हफ्ते में कॉलेजों में ग्रेजुएशन फर्स्ट ईयर की एडमिशन शुरू हो जाती है। इसके लिए बकायदा कमेटी भी बनी है।

यूनिवर्सिटी को चाहिए कि वह सरकार की सहमति से राज्य चुनाव आयोग से अनुमति ले और जल्द से जल्द काम पर जुट जाए। हिमाचल प्रदेश कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन सरकार के इस काम से नाखुश है। उसने सरकार को चेताया है कि बिना तैयारी के नई शिक्षा नीति लागू करवाना छात्र हित में नहीं है। सरकार ने नई शिक्षा नीति को लेकर न तो शिक्षण संस्थानों के मूलभूत ढांचे में परिवर्तन किया और न ही कॉलेजों के शिक्षकों को विश्वास में लिया। ऐसे में लेक्चरर्स के लिए जरूरी प्रशिक्षण, सिलेबस, पाठ्य पुस्तकें और मूलभूत ढांचे के बिना नई शिक्षा नीति को लागू करने का नतीजा ठीक उसी तरह का होगा, जैसे पूर्व में लागू की गई रूसा नीति का हुआ था। जब प्रदेश में रूसा नीति लागू हुई थी, तब भी काफी बवाल हुआ था और अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने को लेकर भी कुछ ऐसा ही माहौल बन रहा है। भारत सरकार की इस नीति के अंतर्गत सरकार ने शिक्षा नीति में बहुत सारे बदलाव किए हैं। इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। नीति को एक समावेशी, भागीदारी और समग्र दृष्टिकोण को अपनाते हुए परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से तैयार किया गया है, जिसमें विशेषज्ञों की राय लेकर क्षेत्र के अनुभव, जन अनुसंधान, हितधारक प्रतिक्रिया आदि का ध्यान रखा गया है। निश्चित रूप से इससे नई शिक्षा नीति की गुणवत्ता में सुधार आएगा और छात्र अच्छी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे।

छात्रों की क्षमता की पहचान कर उनमें क्षमता का विकास किया जाएगा। नई शिक्षा नीति का मकसद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विकसित करना है, साथ ही शिक्षा नीति को पारदर्शी भी बनाना है। तकनीक का भरपूर उपयोग कर मूल्यांकन पर जोर दिया जाएगा। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास अनिवार्य कर दिया गया है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्व दिया जाएगा। कॉलेजों में आजकल परीक्षाएं चल रही हैं। यूनिवर्सिटी को दिक्कत इसलिए पेश आ रही है कि उसे परीक्षाओं के छह मई तक समाप्त होने से पहले कॉलेजों में पढ़ाए जाने वाले कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने को लेकर संबंद्ध कॉलेजों को इसकी सूचना देनी होगी। अब सवाल यह है कि यूनिवर्सिटी अगर सारी औपचारिकताएं पूरी कर लेगी, तभी तो वह कॉलेजों में कोर्सों के संदर्भ में सूचना दे पाएगी। ऐसा करने पर ही नई शिक्षा नीति और उसके अनुसार बने सिलेबस के आधार पर नए सत्र में एडमिशन के दौरान आवश्यक बदलाव को प्रोस्पेक्ट्स में शामिल कर पाएंगे। यूनिवर्सिटी को चाहिए कि वह शीघ्र इस काम को अमलीजाम पहनाए, क्योंकि मामला छात्रों के भविष्य के साथ जुड़ा है। अगर यूनिवर्सिटी थोड़ी से भी चूक करती है, तो छात्रों को मजबूरन पुराना सिलेबस ही पढ़ना पड़ेगा और ऐसा होने पर वह समय के साथ शिक्षा पद्धिति के नए ट्रेंडों को अपनाने से वंचित हो जाएंगे। यूनिवर्सिटी को इसके लिए शीघ्र ही राज्य चुनाव आयोग की शरण में जाकर काम को तेजी प्रदान करनी होगी।

भारतीय संस्कृति में विक्रमी सम्वत् का बहुत महत्व

भारतीय नववर्ष के साथ अनेक त्योहार आते हैं। इनमें चैत्र शुक्लादि, नवरेह, गुड़ी पड़वा, उगादि, साजिबु नोंगमा पांबा अथवा साजिबु चेराओबा एवं चेटीचंड आदि सम्मिलित हैं। चैत्र शुक्लादि विक्रमी सम्वत् के नववर्ष के प्रारंभ का प्रतीक है। इसे वैदिक अथवा हिंदू कैलेंडर के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन से नवरात्र का प्रारंभ होता है। भारतीय नववर्ष के साथ वसंत ऋतु का भी आगमन होता है, इसलिए ये सब त्योहार वसंत के उत्सव हैं।

जम्मू–कश्मीर में नवरेह का त्योहार हर्ष एवं उल्लास से मनाया जाता है। नव चंद्रवर्ष के रूप में मनाया जाने वाला यह त्योहार उत्साह एवं रंगों का उत्सव है। यह कश्मीरी पंडितों का विशेष त्योहार माना जाता है। त्योहार से एक दिन पूर्व वे पवित्र विचर नाग के झरने की यात्रा करते हैं। इसके पश्चात वे पवित्र जल में स्नान करके अपनी समस्त मलिनताओं का त्याग करते हैं। इसके पश्चात वे पूजा–अर्चना करके प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह प्रसाद चावल एवं विभिन्न प्रकार की जड़ी–बूटियों से बनाया जाता है। नवरेह के प्रात:काल में वे लोग सर्वप्रथम चावल से भरे पात्र को देखते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से घर में समृद्धि आती है, क्योंकि चावल धन–धान्य एवं समृद्धि का प्रतीक है।

महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है। गुड़ी का अर्थ है विजय पताका तथा पड़वा का अर्थ है चंद्रमा का प्रथम दिवस। इस दिन लोग बांस के ऊपर चांदी, तांबे अथवा पीतल के कलश को उलटा रखते हैं। कलश पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाया जाता है। बांस पर केसरिया रंग का पताका लगाया जाता है। तदुपरांत इसे नीम एवं आम की पत्तियां और पुष्पों से सुसज्जित किया जाता है। इसे घर के सबसे उच्च स्थान पर लगाया जाता है। गृह द्वारों पर आम के पत्तों का तोरण लगाया जाता है। मान्यता है कि आम के पत्ते पवित्र होते हैं। इसके लगाने से नकारात्मक शक्तियां घर में प्रवेश नहीं कर पाती हैं तथा घर इनसे सुरक्षित रहता है।

लेखक : डॉ. सौरभ मालवीय
स्वतंत्र टिप्पणीकार

इस दिन भोजन में गुड़ एवं नीम परोसा जाता है। गुड़ की मिठास सुख एवं नीम की कड़वाहट दुख का प्रतीक है अर्थात जीवन के सुख–दुख को समान भाव से अपनाना चाहिए, क्योंकि मानव की परीक्षा दुख में ही होती है। देश के विभिन्न भागों में इसे भिन्न–भिन्न नामों से जाना जाता है। गुड़ी पड़वा गोवा में संवत्सर पड़वा के रूप में मनाया जाता है। केरल में इसे संवत्सर पड़वो के रूप में मनाया जाता है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक एवं तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के कई क्षेत्रों में इसे उगादी के रूप में मनाया जाता है। राजस्थान में इसे थापना एवं मणिपुर में साजिबु चेराओबा अथवा साजिबु नोंगमा पांबा के रूप में मनाया जाता है। सिंधी समुदाय के लोग चेटीचंड का त्योहार हर्षोल्लास से मनाते हैं। यह त्योहार भगवान झूलेलाल के जन्म दिवस के रूप में जाना जाता है। उनका जन्म पाकिस्तान के सिंध प्रांत के ग्राम नसरपुर में हुआ था। उनका वास्तविक नाम उदय चंद था। वे वरुण देव के अवतार माने जाते हैं। वह सद्भावना के प्रतीक माने जाते हैं। 9 अप्रैल से विक्रम सम्वत 2081 का प्रारंभ होगा। विक्रम संवत को नव संवत्सर भी कहा जाता है। संवत्सर पांच प्रकार के होते हैं, जिनमें सौर, चंद्र, नक्षत्र, सावन और अधिमास सम्मिलित हैं। मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ एवं मीन नामक बारह राशियां सूर्य वर्ष के महीने हैं। सूर्य का वर्ष 365 दिन का होता है। इसका प्रारंभ सूर्य के मेष राशि में प्रवेश करने से होता है। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अग्रहायण, पौष, माघ और फाल्गुन चंद्र वर्ष के महीने हैं।

चंद्र वर्ष 355 दिन का होता है। इस प्रकार इन दोनों वर्षों में दस दिन का अंतर हो जाता है। चंद्र माह के बढ़े हुए दिनों को ही अधिमास या मलमास कहा जाता है। नक्षत्र माह 27 दिन का होता है, जिन्हें अश्विन नक्षत्र, भरणी नक्षत्र, कृत्तिका नक्षत्र, रोहिणी नक्षत्र, मृगशिरा नक्षत्र, आर्द्रा नक्षत्र, पुनर्वसु नक्षत्र, पुष्य नक्षत्र, आश्लेषा नक्षत्र, मघा नक्षत्र, पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, हस्त नक्षत्र, चित्रा नक्षत्र, स्वाति नक्षत्र, विशाखा नक्षत्र, अनुराधा नक्षत्र, ज्येष्ठा नक्षत्र, मूल नक्षत्र, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र, श्रवण नक्षत्र, घनिष्ठा नक्षत्र, शतभिषा नक्षत्र, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र, उत्तराभाद्रपद नक्षत्र, रेवती नक्षत्र कहा जाता है। सावन वर्ष में 360 दिन होते हैं। इसका एक महीना 30 दिन का होता है। भारतीय संस्कृति में विक्रम सम्वत का बहुत महत्व है। चैत्र का महीना भारतीय कैलेंडर के हिसाब से वर्ष का प्रथम महीना है। नवीन संवत्सर के संबंध में अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं। वैदिक पुराण एवं शास्त्रों के अनुसार चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि को आदिशक्ति प्रकट हुई थीं। आदिशक्ति के आदेश पर ब्रह्मा ने सृष्टि प्रारंभ की थी, इसीलिए इस दिन को अनादिकाल से नववर्ष के रूप में जाना जाता है।

मान्यता यह भी है कि इसी दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था। इसी दिन सतयुग का प्रारंभ हुआ था। मान्यता है कि इसी दिन सम्राट विक्रमादित्य ने अपना राज्य स्थापित किया था। श्रीराम का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी इसी दिन हुआ था। नवरात्र भी इसी दिन से प्रारंभ होते हैं। इसी तिथि को राजा विक्रमादित्य ने शकों पर विजय प्राप्त की थी। विजय को चिर स्थायी बनाने के लिए उन्होंने विक्रम सम्वत् का शुभारंभ किया था, तभी से विक्रम सम्वत् चली आ रही है। सृष्टि की सर्वाधिक उत्कृष्ट काल गणना का श्रीगणेश भारतीय ऋषियों ने अति प्राचीन काल से ही कर दिया था। तदनुसार हमारे सौरमंडल की आयु लगभग चार अरब 32 करोड़ वर्ष हैं। आधुनिक विज्ञान भी कार्बन डेटिंग और हॉफ लाइफ पीरियड की सहायता से इसे लगभग चार अरब वर्ष पुराना मान रहा है। इतना ही नहीं, श्रीमद् भागवद पुराण, श्री मार्कंडेय पुराण और ब्रह्म पुराण के अनुसार अभिशेत् बाराह कल्प चल रहा है और एक कल्प में एक हजार चतुरयुग होते हैं। जिस दिन सृष्टि का प्रारंभ हुआ, वह आज ही का पवित्र दिन था। भारतीय महीनों का नामकरण भी बड़ा रोचक है अर्थात जिस महीने की पूर्णिमा जिस नक्षत्र में पड़ती है, उसी के नाम पर उस महीने का नामकरण किया गया है, उदाहरण के लिए इस महीने की पूर्णिमा चित्रा नक्षत्र में हैं, इसलिए इसे चैत्र महीने का नाम दिया गया।

भारतीय काल गणना इतनी वैज्ञानिक व्यवस्था है कि शताब्दियों तक एक क्षण का भी अंतर नहीं पड़ता, जबकि पश्चिमी काल गणना में वर्ष के 365.2422 दिन को 30 और 31 के हिसाब से 12 महीनों में विभक्त करते हैं। इस प्रकार प्रत्येक चार वर्ष में फरवरी महीने को लीप ईयर घोषित कर देते हैं। तब भी नौ मिनट 11 सेकंड का समय बच जाता है, तो प्रत्येक चार सौ वर्षों में भी एक दिन बढ़ाना पड़ता है, तब भी पूर्णांकन नहीं हो पाता। भारतीय नववर्ष वसंत का उल्लास साथ लाता है। जब भारतीय नववर्ष का प्रारंभ होता है तो प्रकृति चहक उठती है। हमारे तीज–त्योहार, व्रत, उपवास, रामनवमी, जन्माष्टमी, गृह प्रवेश, विवाह तथा अन्य शुभ कार्यों के शुभ मुहूर्त आदि सभी आयोजन भारतीय कैलेंडर अर्थात हिंदू पंचांग के अनुसार ही देखे जाते हैं। इसलिए हमारे जीवन में इसका अत्यंत महत्व है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नजरिया

कर्नाटक में भाजपा या कांग्रेस, जनता में असमंजस

कर्नाटक की जनता कई ज्वलंत समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन कोई भी चुनाव लड़ने वाली पार्टी या उनके प्रतिनिधि इस चिंताजनक स्थिति से चिंतित दिखाई नहीं दे रहे हैं। फिलहाल की सरकार यही बताने का प्रयास करने में जुटी दिखाई देती है कि सब कुछ ठीक है। हालांकि, जमीनी स्तर पर स्थिति काफी विरोधाभासी और चिंताजनक है। इससे अधिक स्थिति क्या खराब होगी कि भारत में नहीं दुनिया में आईटी हब हौर सिलिकॉन वैली कहलाने वाला बेंगलुरु इस वक्त बूंद–बूंद पानी के लिए तरस रहा है। सबसे अधिक राजस्व कहीं से सरकार को प्राप्त होता है, तो वह महानगर भी यही बेंगलुरु है, लेकिन राज्य में कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार अपने को जनता के लिए यहां पीने का पानी मुहैया करा देने में भी कमजोर साबित हो रही है। यह जल संकट राज्य में समय के साथ कितना गहरा होता जा रहा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि किसानों का विरोध प्रदर्शन होना शुरू हो गया है। मई 2023 के विधानसभा चुनावों की पूर्व संध्या पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी) द्वारा पांच गारंटियों की घोषणा और उसके बाद के कार्यान्वयन ने सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर इस पर चर्चा को जन्म दिया है।

लेखक : मनोहर यडवट्टि
हिंदुस्थान समाचार

दिलचस्प बात यह है कि अब यही पांच गारंटी मौजूदा संसदीय चुनाव में मतदान के अहम फैसले में जनता के बीच सबसे अधिक चर्चा में हैं। गृह ज्योति जैसी लोकलुभावन कल्याणकारी योजनाएं, हर घर में 200 यूनिट मुफ्त बिजली, गृह लक्ष्मी द्वारा बीपीएल परिवार की महिला मुखिया को 2,000 रुपए देना, अन्न भाग्य द्वारा बीपीएल के प्रत्येक व्यक्ति को 10 किलोग्राम मुफ्त चावल वितरित करना। परिवार, युवा निधि बेरोजगार स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को क्रमश: 3,000 रुपए और 1,500 रुपए मासिक की पेशकश कर रहा है। नारी शक्ति राज्य की सभी महिलाओं को राज्य सरकार के स्वामित्व वाली सार्वजनिक क्षेत्र की बसों में मुफ्त यात्रा करने का अधिकार देती है, किंतु इसके बाद भी जैसी अव्यवस्था पूरे कर्नाटक में दिखाई देती है, उसे देखते हुए वे पिछली सत्ताधारी पार्टी भाजपा के खिलाफ अपना गुस्सा दर्ज कराने की जल्दबाजी में कांग्रेस को चुनने के लिए खुद को कोस रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

करिये सुथरे काम

शिव सन्याल
जवाली (कांगड़ा)

दुखी न होना चाहिए, भले संकट हजार।
धैर्य धरो मन मीत रे, यह सुख का आधार।।
दुखी न होना चाहिए, नहीं होना उदास।
यत्न करो जी जान से, मंजिल आती पास।।
दुखी न होना चाहिए, कर कोशिश हर बार।
उसकी होती जीत है, माने कभी न हार।।
हिम्मत अरु जज्बा रहे, रहे सदा गंभीर।
लेता बाजी मार है, कहलाता है वीर।।
दुख सहता है जो सदा, सुख आता है पास।
सम रहता हर भाव में, कर दुख का अहसास।।
दुखियों का संसार है, सुन ले मेरे मीत।
जो दुख चिंतन छोड़ दे, गाता मीठे गीत।।
अपने अपने कर्म के, अपने अपने भाव।
फिर पछतावा क्यों करें, रखिए प्रेम लगाव।।
जो होना सो हो रहा, जपिए हरि का नाम।
कर्म सुधारो आप ही, करिए सुधरे काम।।

अनुच्छेद 370 के बहाने जम्मू-कश्मीर को विवादों में रखना चाहती है कांग्रेस

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जम्मू–कश्मीर से जुड़े अनुच्छेद 370 पर की गई टिप्पणी के बाद लगता है कि कांग्रेस इस विषय को लेकर सदैव विवाद की स्थिति बनाए रखना चाहती है। जब सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से जम्मू–कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाना वैध माना है, तब बार–बार इसे लेकर कांग्रेस क्यों बचकाने बयान दे रही है, जो विवाद का कारण बन रहे हैं।

लेखक : डॉ. मयंक चतुर्वेदी
हिंदुस्थान समाचार

देखा जाए तो यह भारत के आम नागरिकों के बीच विभेद पैदा करने वाला अनुच्छेद था, जिसे समाप्त किए जाने की मांग इसके लागू हुए समय से लगातार की जा रही थी। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी से लेकर अनेक देशभक्तों ने इसकी समाप्ति के लिए अपना बलिदान किया है। यह बहुत ही दुखद है कि कांग्रेस किसी न किसी बहाने से तुष्टिकरण की राजनीति में लगी रहना चाहती है। कांग्रेस के कई नेताओं को लगता है कि भारत का मुसलमान 370 के पक्ष में है, ऐसे में यदि कांग्रेस भी यहां आर्टिकल 370 के बने रहने का समर्थन करती है, तो उसे मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत फायदा पहुंचेगा। जब 370 कश्मीर से हटाया गया था, तब घाटी में फारुख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और कई हुर्रियत नेताओं ने इसका विरोध किया था, लेकिन अब जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस विषय को फिर से उठाया है, तब इससे साफ जाहिर है कि वह इस मुद्दे के बहाने मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। आज कश्मीर का अलग झंडा नहीं रहा, यहां तिरंगा शान से लहराता है। जम्मू–कश्मीर का अलग संविधान भी इतिहास बन गया है। जम्मू–कश्मीर में स्थानीय लोगों की दोहरी नागरिकता समाप्त हो गई है। आर्टिकल 370 की समाप्ति से सबसे बड़ी राहत महिलाओं पर पर्सनल कानून तभी बेअसर हो सका, जब यह अनुच्छेद समाप्त हुआ। जम्मू–कश्मीर की लड़कियों को अब दूसरे राज्य के लोगों से भी शादी करने की स्वतंत्रता है। बहुतायत में जम्मू–कश्मीर एवं लद्दाख के लोग भी शिक्षा के अधिकार, सूचना के अधिकार जैसे भारत के हर कानून का लाभ उठा रहे हैं।

कहना होगा कि केंद्र की मोदी सरकार के हाथों में जम्मू–कश्मीर राज्य की व्यवस्था आने के बाद से बहुत बड़े स्तर पर हर क्षेत्र में आज सुधार दिखाई देने लगा है और सुधार का यह क्रम निरंतर जारी है। इसलिए कांग्रेस भी समझे कि जम्मू–कश्मीर का विकास सिर्फ इस राज्य तक सीमित नहीं है, वह संपूर्ण देश के लिए विकास लेकर आता है। कांग्रेस भी उसे सकारात्मक संदर्भों में ही स्वीकार्य करे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का संसदीय अनुभव बहुत लंबा है और वहे पुराने राजनीतिज्ञ हैं, ऐसे में वास्तव में उनसे यह जरा भी उम्मीद नहीं की जा सकती है कि वह इस तरह की छोटी बात भी करेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

निजी स्कूलों की मनमानी, सरकारी स्कूलों से बेहतर भविष्य

वर्तमान समय में अधिकांश क्षेत्रों में लोगों का अपने बच्चों को शिक्षा प्रदान करने को लेकर निजी स्कूलों की ओर ज्यादा झुकाव देखने को मिलता है। इसमें हर क्षेत्र के लोगों के अलग–अलग मत और विचार देखने व सुनने को मिलते हैं, तो वहीं क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में शिक्षक पर्याप्त नहीं होते हैं, तो कहीं जगह शिक्षा का वातावरण अनुकूल नहीं मिल पाता है। इन कारणों की वजह से आज के परिप्रेक्ष्य में गांव से मीलों दूर शहरों में निजी स्कूलों को अभिभावक अपने बच्चों को मजबूरी में भेज रहे हैं, परंतु वर्तमान में अनेक निजी स्कूलों की मनमानियों और हर वर्ष फीस बढ़ोतरी इत्यादि अनेक फैसले आम आदमी और गरीब व्यक्ति के लिए एक बड़ी समस्या आज उत्पन्न हो रही है।

आज हर अभिभावक चाहता है कि मैं अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलवा सकूं, जिसके लिए बेशक उनको अनेक प्रकार का संघर्ष क्यों न करना पड़े। इसी परिप्रेक्ष्य में निजी स्कूलों में दाखिला भी करवाते हैं परंतु निजी स्कूलों के अजीबो–गरीब फरमानों से मानों गरीब व्यक्ति को अमल कर पाना मुश्किल होता जा रहा है और भविष्य में यह एक गंभीर समस्या व चुनौती भी बनती जाएगी। वहीं, अनेक निजी स्कूलों ने अब मानों जैसे शिक्षा का व्यापारीकरण कर दिया हो। निजी स्कूल इस बात को लेकर आशान्वित हैं कि सरकारी स्कूलों या फिर शुरुआती दौर में ही बड़े स्तर पर उन तमाम स्कूलों के निजी स्कूलों में आने को मानों जेसे होड़ सी लग गई हो, तो वहीं निजी स्कूलों ने भी बिना किसी डर और सरकार के कोई खास मापदंडों को पूरा न करके शिक्षा के नाम पर अनेक प्रकार के फैसले उन तमाम अभिभावकों पर थौप दिए हैं, जिनको आम आदमी और गरीब व्यक्ति न चाह कर भी मजबूरी में इस समस्या से आए दिन दो–चार होने को मजबूर हैं। इसमें जैसे हर वर्ष बच्चों की फीस में मनमानी तरीके से बढ़ोतरी कर रहे हैं, तो वहीं हर वर्ष स्कूल ड्रेस को बदल रहे हैं, जो किसी भी तर्क से उचित नहीं है, तो वहीं हर वर्ष हरेक बच्चों से एडमिशन फीस लेकर मोटी फीस वसूल करना, तो वहीं किताबों और ड्रेस को भी स्कूल से ही मुहैया करवाना जो कि अन्य दुकानों से अधिक महंगी प्राप्त होती हैं।

लेखक : हेमराज राणा
स्वतंत्र लेखक, सिरमौर

इन समस्याओं से हिमाचल भी अछूता नहीं है। प्रदेश के विभिन्न निजी स्कूलों की आए दिन इस प्रकार की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, परंतु फिर भी इसका असर इन स्कूलों के प्रबंधकों में नहीं पड़ता है, जो कि गंभीर विषय है। समाज को भी इस गंभीर विषय पर जागृत होने की परम आवश्यकता है और इन स्कूलों के मनमाने फैसलों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को भी कुछ न कुछ कठोर नियम लागू करने चाहिएं, ताकि निजी स्कूल भविष्य में इस प्रकार की लूट–खसोट न कर सकें और आम जनता और गरीबों को भविष्य में आर्थिक रूप से इन सभी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े।

सरकारी स्कूलों में अगर सरकार बेहतर संसाधन, पर्याप्त शिक्षक, वातानुकूलित शिक्षा का माहौल, आधुनिक यंत्रों से सुसज्जित सुविधाएं अगर उपलब्ध हो जाती हैं तो वह दिन दूर नहीं, जब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से हर क्षेत्र में आगे रहेंगे और हर अभिभावक अपने बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए सरकारी स्कूलों की ओर रुख अख्तियार भी करेंगे, बस अगर कोई जरूरत है तो वह है समय–समय पर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार स्कूलों की दिशा व दशा को बदलने के लिए बेहतर प्रयास करती रहे, क्योंकि सरकारी स्कूलों में बच्चों को हर सुविधा के साथ–साथ अभिभावकों पर आर्थिक बोझ भी नहीं पड़ता है बल्कि होनहार छात्रों और पिछड़ा वर्ग और गरीब बच्चों को हर वर्ष सरकार की ओर से छात्रवृत्ति इत्यादि अनेक योजनाएं समय–समय पर चली आ रही हैं। इस बात को भी हमें समझना पड़ेगा। सरकारी स्कूलों से हमेशा अच्छे परिणाम आते रहे हैं, तो वहीं अगर भविष्य में रोजगार और अपने पांव पर खड़े होकर आत्मनिर्भरता की बात करें तो भी सबसे आगे सरकारी स्कूलों के छात्र ही हमेशा रहे हैं। इस बात को इतिहास और पुख्ता करता है। सरकारी स्कूलों में पढ़े अनेक होनहार छात्रों ने प्रदेश व देश का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित भी करवाया है, जिससे सिद्ध हो जाता है कि समय के साथ–साथ आज निजी स्कूलों में मात्र दिखावा ज्यादा और हकीकत कुछ और है, अर्थात सरकारी स्कूलों में अगर शिक्षक पर्याप्त हैं तो आज भी सरकारी स्कूलों के मुकाबले कोई और हो ही नहीं सकता।

आखिर अधिकांश क्षेत्रों में गांव से लेकर शहरों तक के बच्चे निजी स्कूलों में दाखिला ले रहे हैं, जबकि सरकारी स्कूलों में हरेक शिक्षक प्रशिक्षत और निपुण होता है, जो उच्च शिक्षा के साथ–साथ हर प्रतियोगी परीक्षाओं और कमीशन पास करके अपनी काबिलियत का लोहा मनवाता आ रहा है, जबकि निजी स्कूलों में इतने बहुप्रतिभा के धनी शिक्षक नहीं मिल पाते और वहां स्कूलों में कम शिक्षा और ट्यूशन पढ़ाने के लिए ज्यादा प्रेरित करते हैं। यह भी एक बड़ी विडंबना समय–समय पर देखने को मिलती हैं, इसलिए आज हम सभी को कहीं न कहीं अपनी मानसिकता को बदलने की परम आवश्यकता है। हमें निजी स्कूलों के चकाचौंध भरी दुनिया से बाहर निकलने की आवश्यकता है, तो वहीं आर्थिक रूप से कमजोर होता आम आदमी और गरीब व्यक्ति की पीड़ा वही समझ सकता है, जो इसका निर्वहन कर रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

देश की समृद्धि और प्रगति का सूचक है नवसम्वत्

भारतीय नववर्ष की शुरुआत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होती है। चैत्रे मासि जगद् ब्रह्मा ससर्ज प्रथमे अहनि, शुक्ल पक्षे समग्रेतु तु सदा सूर्योदये सति। ब्रह्म पुराण में वर्णित इस श्लोक के अनुसार चैत्र मास के प्रथम सूर्योदय पर ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की थी। इस तिथि को रेवती नक्षत्र में विष्कुंभ योग में दिन के समय भगवान के आदि अवतार मत्स्यरूप का प्रादुर्भाव भी माना जाता है। इसलिए यही वह दिन है, जब से भारत वर्ष की कालगणना की जाती है। हेमाद्रि के ब्रह्म पुराण के अनुसार, ब्रह्मा जी ने पृथ्वी की रचना चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा के दिन की थी।

प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (पड़वा) को मनाया जाना वाला नव संवत्सर पर्व यूं तो हिंदू कैलेंडर के मुताबिक नववर्ष कहलाता है, लेकिन यह दिवस विशेष भारतीय संस्कृति का परिचायक भी है। यही वजह है कि यह दिवस महज एक नया साल का प्रारंभिक दिवस नहीं, बल्कि भारतवर्ष की सदियों और युगों की कई ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक घटनाओं का साक्षी भी है। वसंत ऋतु का आरंभ वर्ष प्रतिपदा से ही होता है जो उल्लास, उमंग, खुशी तथा चारों ओर पुष्पों की सुगंध से भरी होती है। फसल पकने का प्रारंभ यानी किसान की मेहनत का फल मिलने का समय भी यही होता है। नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं। यानी किसी भी कार्य प्रारंभ करने के लिए शुभ मुहूर्त होता है। युगों में प्रथम सत्य युग का प्रारंभ भी इस तिथि को हुआ था।

लेखक : डॉ. आशीष वशिष्ठ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

कहा जाता है कि नवसंवत्सर कई मायनों में विशेष है, क्योंकि इससे कई ऐतिहासिक संदर्भ जुड़े हुए हैं। जैसे कि भगवान राम का राज्याभिषेक दिवस, शक्ति की आराधना वाले नवरात्र का आरंभ, शौर्य पर्व वाले विक्रम संवत का प्रारंभ तथा द्वापर युग में प्रारंभ हुए युधिष्ठर संवत् का समापन, सतयुग में इसी दिन किया गया था, ब्रह्माजी द्वारा सृष्टि की रचना का प्रारंभ, आर्य समाज की स्थापना का दिवस सहित भगवान झूलेलाल तथा महर्षि गौतम जी का जन्म भी इस विशेष नववर्ष के दिन ही हुआ है। वहीं, गुरु अमरदास को भी गुरु गद्दी इसी दिन प्राप्त हुई तो स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना भी इसी दिन की थी।

संघ संस्थापक डॉ. केश्वराव बलिराम हेडगेवार का जन्म विक्रमी संवत पर हुआ था। यही वजह है कि इस दिवस का जनमानस में विशेष महत्व है, क्योंकि यह त्योहार किसी एक वर्ग, संप्रदाय या धर्म का नहीं, बल्कि हर भारतीय का है। विक्रमी संवत का संबंध सारे विश्व की प्रकृति, खगोल सिद्धांत और ब्रह्मांड के ग्रहों एवं नक्षत्रों से है। इसलिए भारतीय काल गणना पंथ निरपेक्ष होने के साथ सृष्टि की रचना को दर्शाती है। ब्रह्मांड के सबसे पुरातन ग्रंथ वेदों में भी इसका वर्णन है। सौर मंडल के ग्रहों एवं नक्षत्रों के चाल, उनकी निरंतर बदलती स्थिति पर भी हमारे दिन, महीने, साल और उनके सूक्ष्मतम भाग आधारित होते हैं।

इस समय शीतकाल की शीतलता एवं ग्रीष्म काल की आतपता का मध्यबिंदु होता है। वसंत के आगमन के साथ ही पतझड़ की कटु स्मृति को भुलाकर नूतन किसलय एवं पुष्पों से युक्त पादप वृंद इस समय प्रकृति का अद्भुत शृंगार करते हुए दिखलाई देते हैं। पशु–पक्षी, कीट–पतंग, स्थावर–जंगम सभी प्राणी नई आशा के साथ उत्साहपूर्वक अपने–अपने कार्यों में लगे दिखाई देते हैं, ऐसे उत्साहयुक्त समय में वार्षिक काल गणना का श्रीगणेश करते हुए नूतनवर्ष का स्वागत सहज ही प्रतीत होता है। भारतीय हिंदू नववर्ष के दिन हम शुभकामनाएं देने से हिचकिचाते हैं, शायद इसलिए की कहीं हम पर रूढ़ीवादी का टैग न लग जाए, जबकि अपनी संस्कृति संस्कारों का अनुसरण करना रूढ़िवादिता नहीं। यह तो वह बहुमूल्य धरोहर है जिससे एक तरफ पूरा विश्व सीख रहा है, तो दूसरी ओर हम इस धरोहर को खोते जा रहे हैं।

दुनिया को राह दिखाने वाली संस्कृति आज खुद राह से भटकने को मजबूर है। भले ही आज सोशल मीडिया पर हिंदू नववर्ष को मनाने के लिए हम सब संदेशों को प्रचारित प्रसारित कर रहे हों, लेकिन हकीकत में उस दिन को भूल जाते हैं। नवसंवत हमारी संस्कृति से जुड़ा है। हम कितनी भी बुलंदियां छू लें, लेकिन अपनी संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। हर्षोल्लास के साथ हिंदू नववर्ष मनाया जाना चाहिए। अपनी संस्कृति से जुड़कर ही हम देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख, कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री इस ई–मेल पर भेजें।
editoranantgyaan@gmail.com

अपनी बात

आजकल बड़े ही नहीं बल्कि बच्चे भी स्मार्टफोन के आदी हो चुके हैं। सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का एक एक्टिव हिस्सा बन गया है जिसे अब चाहते हुए भी हम इग्नोर नहीं कर सकते हैं। सोशल मीडिया की मदद से आप घर बैठे दुनियाभर के लोगों से कनेक्ट कर सकते हैं। बच्चे अपने दूर के रिश्तेदारों और दूर हो चुके दोस्तों से भी कनेक्ट कर सकते हैं। सोशल मीडिया की मदद से कई मुद्दों पर बच्चों की बेहतर विचारधारा विकसित होती है। नेटवर्किंग स्किल्स बढ़ाने के लिए बच्चे नई चीजें सीखते हैं और एक–दूसरे के आइडिया जानते हैं। बच्चे जो सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, उनके कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छे होते हैं और इससे बच्चों को मोटिवेट होने में मदद मिलती है। बच्चों का मन बहुत नाजुक और चंचल होता है और सोशल मीडिया आसानी से उनकी सोच और व्यवहार को बदल सकता है। छोटी उम्र में बच्चे अच्छे और बुरे में फर्क नहीं कर पाते हैं। सोशल मीडिया से बच्चा कहां, कब और कैसे क्या जानकारी ले, आप उसे कंट्रोल ही नहीं कर सकते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को अश्लील, हानिकारक या ग्राफिक वेबसाइटों तक पहुंचा सकती हैं, जो उनकी सोचने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। –कुनाल (धलूं)

अनंत ज्ञान
प्रकाशक एवं मुद्रक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक समरजीत, समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी
आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN01099
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

चंबा रियासत के राजा प्रताप सिंह ने बनवाया था भलेई माता मंदिर

नवरात्र विशेष

एमएम डैनियल, चंबा

नवरात्र को लेकर जिले के मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जा रहा है। प्रसिद्ध भलेई माता मंदिर की सजावट को लेकर भी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। नवरात्र के दौरान इस मंदिर में भी श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ रहती है।

ऐसे में मंदिर प्रबंधन मंदिर को फूल मालाओं के साथ रंग-बिरंगी लाइटों के साथ सजाने की तैयारी कर रहा है। इसी तरह शहर के साथ लगते शीतला माता मंदिर, शिव मंदिर सपड़ी, चंद्रशेखर मंदिर साहो, भरमौर चौरासी मंदिर और लक्ष्मी नारायण मंदिर में नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी।

पौराणिक कथाओं के अनुसार भद्र काली मूर्ति का मंदिर राजा प्रताप सिंह ने अपने शासनकाल के दौरान पाया था। देवी ने राजा प्रताप सिंह को सपने में दर्शन दिए और उन्हें बताया कि वह मंदिर के वर्तमान स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर भ्रांण नामक स्थान पर छिपी हुई है। देवता ने राजा से उसे वहां से लाने और उसके लिए एक उपयुक्त मंदिर बनाने के लिए कहा। राजा और उनकी टीम बहुत खुश थी कि उन्होंने पहले ही चंबा शहर में देवता के लिए एक मंदिर बनाने का फैसला कर लिया था।

उन्होंने वापस अपनी यात्रा शुरू की, वापस जाते समय वे भलेई में आराम करने के लिए रुके और जब उन्होंने अपनी यात्रा फिर से शुरू की, तो देवता की पालकी को उठाने में असमर्थ थे, जिसमें उन्हें चंबा ले जाया जा रहा था। इस अनोखी घटना की व्याख्या के लिए किलोड गांव के एक ब्राह्मण को आमंत्रित किया गया। ब्राह्मण ने व्याख्या की कि देवता चंबा नहीं जाना चाहते थे, बल्कि वह चाहते थे कि उनका मंदिर उस स्थान पर बनाया जाए, जिसके बाद मंदिर का निर्माण किया गया। (अनंत ज्ञान)

मां करती है अपने भक्तों की मुरादों को पूरा : कमल

भलेई माता मंदिर कमेटी के प्रधान कमल ठाकुर ने बताया कि भलेई माता मंदिर में स्थापित मां भद्रकाली बहुत दयालु है। जो अपने भक्तों की मुरादों को वर्षों से पूर्ण कर रही है। जब से माता भलेई में स्थापित हुई है तब से कई चमत्कार देखें गए है। उन्होंने नवरात्र के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूरे इंतजाम किए जा रहे हैं। मंदिर परिसर में रंग बिरंगी लाइटों के साथ सीसीटीवी कैमरे भी लगाए है। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के पुख्ता-इंतजाम किए गए है।

चोर चुरा नहीं पाए मंदिर की मूर्तियां

भद्रकाली की मूर्ति दुर्भाग्य से वर्ष 1973 में प्राचीन चोरों द्वारा चुरा ली गई थी, जिसमें एक चमत्कार हुआ। चोर माता की मूर्ति को चुराकर आगे बढ़ रहे थे तो उनकी आंखों की रोशनी गायब हो गई। मगर जैसे ही भलेई माता मंदिर की ओर पीछे मुड़ कर देखते तो सब कुछ नजर आता। चोरों ने माता की मूर्ति को वहीं छोड़ दिया। उस घटना के बाद से देवता की छवि पसीना बहाती हुई प्रतीत होती है।

न्यूज ब्रीफ

सनोथा में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

चुवाड़ी । मतदान केंद्र सनोथा-83 के मतदाताओं, गांववासियों, विद्यालयों के अध्यापकों, स्टाफ नव पंजीकृत मतदाताओं के लिए मतदान जागरूकता, हस्ताक्षर अभियान व मतदाता शपथ का आयोजन किया गया। स्वीप के नोडल अधिकारी प्रोफेसर अविनाश ने बताया कि जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। स्वीप टीम के सदस्य गुलशन पाल व डॉ. राजेश सहगल ने लोगों को निष्पक्ष एवं निर्भय मतदान करने की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर स्वीप नोडल अधिकारी, चंबा विधानसभा क्षेत्र प्रोफेसर अविनाश, टीम सदस्यों में गुलशन पाल, डॉ. राजेश सहगल, शेखर कुमार, बूथ लेवल अधिकारी महिन्द्र कुमार, उपप्रधान बड़ोथा अमरो, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निमो देवी, वार्ड सदस्य सनौथा मरिया उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बताया मतदान का महत्व

किलाड़ । एसडीएम पांगी रमन घरसंगी की अध्यक्षता में राजकीय महाविद्यालय किलाड़ (पांगी) में आज सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता अभियान (स्वीप) के तहत विद्यार्थियों को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए मतदान की महत्वता के बारे में बताया गयाारमन घरसंगी ने सभी फर्स्ट टाइम वोटर्स को वोट की महत्वता बताई। इस अवसर पर नोडल अधिकारी भाग सिंह, प्रधानाचार्य जीएसएसएस सेचु, डॉ. प्रोमिला ठाकुर प्रधानाचार्य राजकीय महाविद्यालय पांगी व सुरंद्र कुमार उपमंडलीय निर्वाचन कार्यालय पांगी उपस्थित रहे।

लोगों को तीन दिन से नसीब नहीं हुआ पानी

सड़क निर्माण के चलते जेसीबी से उखाड़ी पाइप लाइन

अनंत ज्ञान, भरमौर

जल शक्ति उपमंडल धरवाला के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कूंर के आधा दर्जन गांवों में पिछले तीन दिनों से पीने का पानी नहीं मिल रहा है। पीने का पानी न मिलने के कारण इन गांवों में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जानकारी अनुसार यह समस्या लोग निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण के दौरान लगाई गई जेसीबी से पाइप उखाड़ने के बाद आई है। हालांकि विभाग द्वारा शाम तक उक्त गांवों को पेयजल पूर्ति बहाल करने की बात कही गई है।

स्थानीय निवासी एवं पूर्व उपप्रधान एंव बीडीसी सदस्य करतार ठाकुर ने कहा है कि पिछले दो दिनों से यहां पर सड़क निर्माण के दौरान जेसीबी से गांव के लिए बिछाई गई पाइपों को उखाड़ दिया गया है। जिस कारण कूंर पंचायत के गांव गलू, बेही, गोठनू, जैतरा, भटोगड़ी नाल-1 नाल-सेकेंड में पिछले तीन दिनों से पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद हो गई है।

विभाग से पानी बहाल करने की उठाई मांग

पानी की सप्लाई बंद होने के कारण लोगों को पीने के पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व पंचायत समिति सदस्य कतारचंद ठाकुर ने कहा है कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा अवैज्ञानिक तरीके से सड़क निर्माण के दौरान समस्या आई है। उन्होंने इस पर जल्द से जल्द विभाग को जल्द से जल्द पानी बहाल करने की मांग की है।

पाइप टूटने से आई है समस्या : मनोज

सहायक अभियंता उपमंडल धरवाला जल शक्ति विभाग मनोज कुमार ने कहा कि मामला उनके ध्यान में आया है और उन्होंने सुबह ही वहां पर कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी है। उम्मीद करते हैं कि जल्द ही पानी की सप्लाई पूरी तरह से बहाल हो जाएगी। उन्होंने कहा है कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा सड़क निर्माण के दौरान लगाई गई मशीन से 15-20 पाइप टूटी है। जिसके कारण यह समस्या आई थी।

मिलेनियम कॉलेज में प्रशिक्षुओं को दी खेलकूद संबंधी जानकारी

(ऊपर व नीचे) विद्यार्थियों को सम्मानित करते गणमान्य।

अनंत ज्ञान, चंबा

चंबा मिलेनियम बीएड कॉलेज में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता करवाई गई। खेलकूद प्रतियोगिता बीएड के प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष और आईटीआई के प्रशिक्षुकों के बीच करवाई गई। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और चेयर अप सोंग से हुआ।

कॉलेज के प्रधानाचार्य कुलवंत द्वारा तिरंगा झंडा लहरा कर इस खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें वॉलीबाल, कबड्डी, खो-खो, टेबल टेनिस, टग औफ वार, सूट पुट, लॉन्ग जंप, चैस, कैरम बोर्ड इत्यादि खेलों का आयोजन किया गया।

द्वितीय दिन इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कॉलेज के अध्यक्ष आकाश महाजन ने इस खेलकूद प्रतियोगिता में जीते हुए प्रतिभागियों को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षुकों को खेलकूद के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में बीएड तथा आईटीआई का पूरा स्टाफ मौजूद रहा। इस प्रकार दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफलता पूर्वक समापन हुआ।

भूस्खलन की समस्या पर प्रशासनिक आदेश जारी

आरके रांगड़ा, चंबा

चंबा के पक्का टाला मोहल्ला में भूस्खलन की समस्या को लेकर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य जय सिंह पिछले कई दिनों से संघर्षरत थे। वह इस मुद्दे को लेकर कई बार जिला प्रशासन के अधिकारियों से मिले और उनके द्वारा भूख हड़ताल भी की गई। जिसका परिणाम यह हुआ कि आज अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी द्वारा लोक निर्माण विभाग को लिखित में आदेश जारी किए गए हैं।

जिस पर उनके द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द कार्रवाई के आदेश किए गए हैं। आदेश जारी होने पर आज अधिवक्ता और भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य जय सिंह अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी चंबा राहुल चौहान से मिले।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य जय सिंह

इस दौरान उन्होंने अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अगर जल्दी समस्या का हल होगा तो सभी को लाभ मिलेगा।

सुभाष ढटवालिया ने बागी विधायक लखनपाल के खिलाफ खोला मोर्चा

बिझड़ी । प्रदेश सरकार को गिराने में बागी विधायकों ने जो असफल प्रयास किया था, जिसमें बड़सर के विधायक लखनपाल भी शामिल थे। ढटवालिया ने लखनपाल को कोसते हुए कहा कि उन्होंने जिस थाली में खाया उसी में छेद किया है। अगर किसी बात को लेकर उनके मुख्यमंत्री से कोई मतभेद थे तो हमसे शेयर करते और मुख्यमंत्री के पास उनका पक्ष भी रखते।

पार्टी विचारधारा से हटकर उन्होंने राज्यसभा में हर्ष महाजन के पक्ष में वोटिंग करना निंदनीय है, प्रदेश की राजनीति को भी उन्होंने शर्मसार किया है। उन्होंने कहा कि एक जून को होने वाले उपचुनाव में बड़सर की जनता कांग्रेस के पक्ष में वोट डालकर एक ऐतिहासिक फैसला करेगी।

मतदाताओं को चुनाव के लिए दिए निमंत्रण पत्र

अनंत ज्ञान, चुवाड़ी

स्वीप टीम भट्टियात ने मिशन 414 के तहत आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक अभिनव पहल की है। स्वीप टीम भट्टियात के नोडल अधिकारी आकाशदीप शर्मा की अगुआई में स्वीप टीम ने चुवाड़ी के निजी विद्यालय राइजिंग स्टार पब्लिक स्कूल चुवाड़ी के युवा छात्रों के साथ इनविटेशन कार्ड बनाने की गतिविधि की।

इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं को आगामी लोकसभा चुनावों के प्रति जागरूक करना व अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करना है। स्वीप टीम भट्टियात के नोडल अधिकारी आकाशदीप ने सर्वप्रथम छात्रों को स्वीप कार्यक्रम व उत्सव कार्यक्रम की जानकारी दी तथा उसके बाद छात्रों को आज की गतिविधि को किस प्रकार करना है तथा उनके द्वारा तैयार किए गए निमंत्रण पत्रों के महत्व को बताया।

राइजिंग स्टार पब्लिक स्कूल का स्टाफ व बच्चे।

एसडीएम ने घर-घर जाकर दिए निमंत्रण पत्र

नोडल अधिकारी ने जानकारी दी कि इस प्रकार बच्चों द्वारा तैयार किये गए निमंत्रण पत्रों को भट्टियात के वरिष्ठ मतदाताओं को दिया जाएगा तथा उन्हें एक जून 2024 को होने वाले चुनाव पर्व पर आमंत्रित किया जाएगा।

चुवाड़ी क्षेत्र के वरिष्ठ मतदाताओं में केवल कृष्ण बहल, उत्तम चंद कौशल, कमलेश खत्री व आलम चंद को एसडीएम भट्टियात व स्वीप टीम ने घर जाकर शॉल टोपी पहना कर सम्मानित किया व छात्रों द्वारा तैयार निमंत्रण पत्र भेंट किए। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान में जुड़ने का आग्रह किया।

जीएनएम स्कूल की छात्राओं की करवाई भाषण प्रतियोगिता

अनंत ज्ञान, चंबा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला चंबा द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा के सभागार में विश्व स्वास्थ्य दिवस का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पूरी की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें मेडिकल कॉलेज चम्बा के जीएनएम ट्रेनिंग स्कूल की छात्राओं और स्वास्थ्य खंड पुखरी और चूड़ी की आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर छात्राओं द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी करवाया गया, जिसमें भाग लेने वाली प्रतिभागियों मनीषा, दीपिका पूजा मीना पल्लवी खुशबू, विशाली, जया, रितिका व गरिमा को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हरित पूरी ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी।

महिला को सम्मानित करते हुए डॉ. हरित पूरी व अन्य।

आदर्श नगर रेजिडेंस के अध्यक्ष बने हेमनंद

अनंत ज्ञान, चंबा

आदर्श नगर रेजिडेंस वेलफेयर सोसायटी चंबा का गठन किया गया, जिसकी अध्यक्षता आर्दश नगर रेजिडेंस वेलफेयर सोसायटी चंबा वरिष्ठ सदस्य हेमानंद शर्मा ने की, जिसमें सोसायटी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से आर्दश नगर रेजिडेंस वेलफेयर सोसायटी चंबा का अध्यक्ष हेमानंद शर्मा, उपाध्यक्ष शशिपाल, महासचिव मयंक सिंह चौहान, सहसचिव गोवर्धन अहुजा, कोषाध्यक्ष यशपाल अरोड़ा, प्रेस सचिव विनय शर्मा को चुना गया। जबकि सोसायटी सक्रिय सदस्यों में राकेश वर्मा, एसके कोल, शिव दयाल व पवन शर्मा को मनोनित किया गया।

आदर्श नगर रेजिडेंस वेलफेयर सोसायटी चंबा के सदस्य।

इस अवसर पर नवनियुक्त आदर्श नगर रेजिडेंस वेलफेयर सोसायटी चंबा अध्यक्ष हेमानंद शर्मा ने कहा कि आदर्श नगर रेजिडेंस वेलफेयर सोसायटी चंबा का गठन वार्ड वासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

उन्होंने कहा कि हरदासपुरा वार्ड में स्थित आदर्श नगर मोहल्ला में वैसे तो कई तरह के अभाव विद्यमान है, जिसमें पार्किंग समस्या सबसे जटिल समस्या बनती जा रही है। इसके अतिरिक्त ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या भी मोहल्ला वासी परेशान रहते हैं।

उन्होंने कहा कि वार्ड की तमाम समस्याओं पर सोसायटी द्वारा आंकलन कर संबंधित विभागों समक्ष उठाया जाएगा और उनका समाधान करवाया जाएगा।

इस मौके पर आदर्श नगर मोहल्ला के स्थानीय लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

सूडोकु 0027 (मध्यम)

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 गुणा 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनवृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 0026 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

मरम्मत के कारण कल बिजली रहेगी बंद

चंबा । विद्युत उपमंडल चंबा दो के अंतर्गत आने वाले विद्युत केंद्र 33 केवी चनेड़ की आवश्यक मरम्मत एवं रख-रखाव हेतु निम्न स्थानों की विद्युत आपूर्ति 10 अप्रैल 2024 को सुबह 9.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक बंद रहेगी।

इस संदर्भ में सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल चंबा ई. अजय कुमार ने बताया कि विद्युत केंद्र 33 केवी चनेड़ के रिपेयर कार्य के तहत उदयपुर फीडर के तहत सरू, चीहमा, घनेई, उदयपुर, रिंडा व परिहार फीडर के तहत चेहली, सिंगी, पंजोह, चीलबंग, बनोटू कोहलड़ी, काकेला, करोट, चाहला, द्रडा, परिहार, भलोली ब भनौता लोकल फीडर के तहत भनौता चनेड़, दरोगा में बिजली की सप्लाई बंद रहेगी। इस दौरान विभाग द्वारा लोगों से अपील की गई है। विद्युत आपूर्ति मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा।

हिमाचल पेंशनर्स संघ चंबा ने की बैठक

अनंत ज्ञान, चंबा

हिमाचल पेंशनर्स संघ चंबा की बैठक लक्ष्मण क्लब चंबा में संघ के प्रधान प्रेम सिंह बेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

हिमाचल पेंशनर्स संघ चंबा के पदाधिकारी व सदस्य बैठक करते हुए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघ प्रधान प्रेम सिंह बेदी ने सभी सदस्यों के सुझाव पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा संशोधित पेंशनर्स की दूसरी किस्त देने के लिए प्रदेश सरकार का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि संशोधित पेंशनर्स का बकाया भी सामान्य किस्तों में सिर्फ भुगतान किया जाए, सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के चिकित्सा पत्र काफी समय से विभागों में लंबित पड़े थे, जिनका भुगतान नहीं हो रहा था। बैठक संघ महासचिव शिवचरण चंद्रा, पवन बेदी, देवेंद्र भारद्वाज बलीराम, इत्यादि मौजूद रहे।

अनंत ज्ञान

आज का राशिफल

बॉबी गोस्वामी, पुजारी, श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम

आज का पंचांग

9 अप्रैल, 2024, मंगलवार

विक्रमी संवत : 2080, **शक संवत :** 1945 (शोभकृत), **मास :** चैत्र, **तिथि** प्रतिपदाः (8:33) : **नक्षत्र :** रेवती (7:32), **पक्ष :** शुक्ल, **योगः** वैधृत (2:17) **शुभ मुहूर्त :** अभीजित (11:57-12:48), राहुकाल (3:33 -5:08)।

विशेष दिन

- 9 अप्रैल 2024 : चैत्र नवरात्र आज से शुरू।
- 9 अप्रैल 2024 : गुड़ी पड़वा आज।

मेष : सम्मानित किए जाने की संभावना रहेगी। कर्ज लेना चाहें तो कदापि न लें। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा एवं अच्छे मित्र भी बढ़ेंगे।

वृषभः आज व्यस्त रहेंगे। निर्णय लेने की क्षमताओं से लाभ मिल सकता है। रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी। किसी काम में विनिमय करना पड़े तो दिल खोलकर करें।

मिथुनः फिजूल के खर्चे से बचें। सामाजिक क्रियाकलापों में व्यवधान उपस्थित हो सकता है। अकस्मात लाभ से आपकी धर्म, आध्यात्म के प्रति रुचि सुदृढ़ होगी।

कर्क : भाग्य की दृष्टि से आज का दिन उत्तम रहेगा। परिश्रम का फल अच्छा मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा।

सिंह : उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिलेंगे, मधुरवाणी का प्रयोग करें अन्यथा संबंधों में कटुता आएगी।

कन्या : निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक कठिन कार्यों को संपन्न करने में सक्षम रहेंगे। माता-पिता का सुख सहयोग यथेष्ठ रूप से प्राप्त होगा।

तुला : आज का दिन शुभकारक है। अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे।

वृश्चिकः मन अशांत एवं परेशान रहेगा। व्यापार वृद्धि में किए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सायंकाल तक धैर्य व प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

धनु : विद्या, ज्ञान की वृद्धि होगी।दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकरः ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा। व्यवसाय में मन लगेगा व रुके कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नए कार्य में इनवेस्ट करना पड़े तो अवश्य करें, भविष्य में लाभ होगा।

कुंभ : आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। परिजनों से विश्वासघात मिलने की आशंका। सांसारिक सुख मिलेगा।

मीनः पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज होने के कारण अन्य व्यक्ति संबंध बनाने की चेष्टा करेंगे।

असुविधा — विशेष बैठक कर बनाई जाएगी कमेटी, सौंपे जाएंगे वोटर आईडी व आधार कार्ड

पुल व सड़क निर्माण न होने पर होगा चुनावों का बहिष्कार

ओपी शर्मा, भरमौर

ग्राम पंचायत बड़ग्राम में पलानी पुल व सड़क निर्माण न होने को लेकर ग्रामीणों ने रविवार को एक विशेष बैठक का आयोजन करने का ऐलान किया है। समस्त पंचायत समस्त युवक मंडल, महिला मंडल ने प्रशासन व नेताओं से गुहार लगाई है कि अगर उन्हें वोट चाहिए होंगे तो वह रविवार को होने वाली विशेष बैठक में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाए।

यहां की महिला मंडल कुठार का कहना है कि रविवार को होने वाली विशेष ग्राम सभा में समस्त वोटर अपने वोटर आईडी कार्ड वह आधार कार्ड एक कमेटी को सौंप देंगे। इसके बाद कोई भी पंचायतवासी लोकसभा चुनाव में वोट देने नहीं जाएगा।

पुल व सड़क सुविधा न होने से मरीज व स्कूली बच्चे होते हैं परेशान

यहां के ग्रामीणों ने पिछले 20 वर्ष से पलानी नाले पर बनने वाले पुल का निर्माण न होने को लेकर इस बार होने वाले लोकसभा चुनाव के बहिष्कार करने का ऐलान कर दिया है। यहां के ग्रामीणों ने कहा कि आज जहां पर महीने व 15 दिन में पुल का निर्माण हो रहा है तो वहीं पर 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी इस गांव को जोड़ने वाले पुल व सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है।

लोगों का कहना है कि यहां पर फुलवा सड़क के अभाव होने के चलते अब तक 50 से अधिक लोग दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं। पुल व सड़क सुविधा न होने के कारण यहां पर मरीजों व स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। (अनंत ज्ञान)

विशेष कमेटी का होगा गठन

समस्त ग्रामीणों का कहना है कि वह हर हाल में इस बार लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे। इसके लिए बकायदा रविवार को विशेष बैठक का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा और समस्त ग्रामीण अपने वोटर आईडी कार्ड और आधार कार्ड उस कमेटी को सौंप देंगे। इसके बाद कोई भी लोकसभा चुनाव में मतदान करने नहीं जाएगा, इसकी जिम्मेदार खुद सरकार होगी।

अधिकारी व नेता करें बात : शुभा देवी

प्रधान ग्राम पंचायत बडग्रां शुभा देवी ने कहा कि अगर जिस भी अधिकारी व नेता को आपत्ति होगी तो वह रविवार को विशेष बैठक में आकर अपनी बातचीत रख सकते हैं और हमारी बातचीत का समाधान कर हमें इस निर्णय को बदलने पर मजबूर कर सकते हैं।

क्या कहते हैं अधिशाषी अभियंता मीत शर्मा

समस्या को सुलझाने के लिए अधिशाषी अभियंता मीत शर्मा ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने समस्त युवक मंडल व पंचायत वासियों को अस्वस्त किया कि वह सरकारी कामकाज के चलते भरमौर से बाहर है। जैसे ही भरमौर पहुंचेंगे आम लोगों से मिलकर इस सड़क निर्माण व पुल निर्माण को किए गए प्रयास को लेकर सबके सामने चर्चा की जाएगी। इस काम के लिए कहां पर रुकावट आ रही है और उनकी ज्वाइनिंग के बाद किस तेजी से काम हुआ है सबके सामने बात रखी जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया है कि सबके साथ बातचीत करने के बाद हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

भक्तों के दुख व तकलीफें हरती माता हिडिंबा

मनाली आने वाले हर श्रद्धालु लेता है आशीर्वाद, राजा बहादुर सिंह ने 1553 ई. में करवाया था मंदिर का निर्माण

कमलेश वर्मा, मनाली

देव भूमि हिमाचल की पर्यटन नगरी मनाली में माता हिडिंबा का प्राचीन मंदिर है। यह प्राचीन गुफा-मंदिर है, जो हिडिंबी देवी को समर्पित है, जिसका वर्णन महाभारत में भीम की पत्नी के रूप में मिलता है।

हिडिंबा माता मंदिर पर्यटन नगरी मनाली में है। मंदिर में उकीर्ण एक अभिलेख के अनुसार मंदिर का निर्माण राजा बहादुर सिंह ने 1553 ई. में करवाया था। पैगोडा की शैली में निर्मित यह मंदिर अत्यंत सुंदर है व मनाली शहर के पास पहाड़ी पर स्थित है। मनाली आने वाले सैलानी माता हिडिंबा और उनके पुत्र घटोत्कच का आशीर्वाद जरूर लेते हैं। माता हिडिंबा भक्तों के दुख व तकलीफ हरतीं हैं। देवदार के पेड़ों से घिरे इस मंदिर की खूबसूरती हिमपात के बाद देखते ही बनती है। (अनंत ज्ञान)

नवरात्र विशेष

जन्म से राक्षसी थीं तपस्या और पतिव्रता धर्म से बनी देवी

हिडिंबा माता जन्म से राक्षसी थीं, लेकिन तपस्या और पतिव्रता धर्म से देवी मानी गई। इन्हें कुल्लू के राज घराने की दादी भी कहा जाता है। वह हर साल देव महाकुंभ अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव में भाग लेती हैं। एक दिन पहले अपने मंदिर से लाव लश्कर के साथ कुल्लू के लिए रवाना हो जाती हैं। सात दिन तक ढालपुर स्थित अपने देव स्थल पर रहती हैं।

देवी के चरणों की होती है पूजा

इस मंदिर में देवी की कोई मूर्ति स्थापित नहीं है, बल्कि हिडिंबा देवी के पदचिह्नों की पूजा की जाती है। पैगोड़ा वास्तुकला मंदिर की खासियत है। लकड़ी से निर्मित इस मंदिर की चार छतें हैं। नीचे की तीन छतों का निर्माण देवदार की लकड़ी के तख्तों से हुआ है, जबकि ऊपरी चौथी छत तांबे एवं पीतल से बनी है। नीचे की छत सबसे बड़ी, दूसरी उससे छोटी, तीसरी उससे भी छोटी और चौथी सबसे छोटी है। इसकी सबसे छोटी छत एक कलश जैसी नजर आती है। करीब 40 मीटर ऊंचे शंकु के आकार में बने इस मंदिर की दीवारें पत्थर की हैं। प्रवेश द्वार और दीवार पर सुंदर नक्काशी की गई है। अंदर एक शिला को देवी का विग्रह रूप मानकर भी पूजा जाता है। हर साल जेष्ठ माह में यहां मेला लगता है। निकट ही भीम के पुत्र घटोत्कच का भी मंदिर है।

भीम से की थी शादी, घटोत्कच था बेटा

कहा जाता है कि प्राचीन समय में माता हिडिंबा अपने भाई हिडिंब के साथ यहां रहती थीं, जो राक्षस थे। हिडिंब बहुत बलवान था और उसकी बहन हिडिंबा ने प्रण लिया था कि जो उनके भाई को पराजित करेगा, वह उससे शादी करेंगी। पांडव अपने अज्ञातवास के दौरान मनाली में आए थे तब भीम और हिडिंब में युद्ध हुआ था और इस युद्ध में हिडिंब मारा गया। इसके बाद हिडिंबा ने भीम से शादी की और उनका एक बेटा भी हुआ जो घटोत्कच कहलाया।

पर्यटन नगरी मनाली की आराध्य देवी

माता हिडिंबा के पुजारी रमन शर्मा ने बताया मनु की नगरी मनाली में अनेक देव स्थान हैं, लेकिन इन्हीं में से एक माता हिडिंबा का मंदिर विशेष स्थान रखता है। माता हिडिंबा को पर्यटन नगरी मनाली की आराध्य देवी भी कहा जाता है। घाटी के लोगों की माता हिडिंबा के प्रति गहरी आस्था है।

देवता बालक महेश्वर ने हजारों श्रद्धालुओं संग लगाई डुबकी

देवता बालक महेश्वर सैकड़ों श्रद्धालुओं संग शाही स्नान की डुबकी लगाते हुए।

अनंत ज्ञान ब्यूरो, भुंतर

बजौरा के आराध्य देवता बालक महेश्वर सोमवार को नवरात्र को लेकर लाव-लश्कर के साथ ऐतिहासिक संगम स्थल जिया पहुंचे। जहां देवता संग सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शाही स्नान किया।

पूजा-पाठ के उपरांत श्रद्धालुओं में हलवा व चने का प्रसाद बांटा गया। इस धार्मिक आयोजन में देवता के जयकारों से जिया संगम गूंज उठा। संगम में सभी देव कार्ज निभाने के उपरांत देवता नवनिर्मित मंदिर मंदिर भिंडी बाईं (छोटी कंडी) को निकले, जहां देवता के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा है। प्राण प्रतिष्ठा में भोलेनाथ व माता सोलह सुरगानी की मूर्ति स्थापित की जाएगी। इन नई मूर्तियों को भी जिया संगम में स्नान के लिए लाया गया था। देव बालक माहेश्वर के आदेश से 8 से 12 अप्रैल तक मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होनी निश्चित हुई है। इसी के चलते देवता हरियानो व देवलुओं के साथ जिया संगम में शाही स्नान करने पहुंचे थे। 12 अप्रैल को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। देवता बालक महेश्वर के कारदार हेत राम, देवता कमेटी के अध्यक्ष रमेश कुमार व देवता के विशेष कार करिंदे झावे राम पहलवान व सदस्यों ने सभी भक्तजनों को भंडारे के लिए सादर आमंत्रित किया है।

न्यूज ब्रीफ

वित्तपोषित परियोजना की हुई क्लोजर मीटिंग

पतलीकूहल। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय स्टेशन कटराईं में टाटा स्टील की ओर से वित्तपोषित परियोजना की क्लोजर मीटिंग का आयोजन किया गया। टाटा स्टील लिमिटेड की ओर से कृषि के क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ते हुए स्टील निर्माण के दौरान प्राप्त होने वाले लावा 'येलो जिप्सम' को खेतों में उर्वरक के रूप में प्रयोग करने में विशेष उपलब्धि हासिल की है। इस मीटिंग में 15 वैज्ञानिकों और 20 किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर सुब्रत बैरल ने जानकारी देते हुए बताया कि स्टील उत्पादन के दौरान 'येलो जिप्सम' जैसे व्यर्थ पदार्थ प्राप्त होते हैं और इनका निष्पादन करना भी बहुत मुश्किल होता है, इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए टाटा स्टील लिमिटेड ने अनेक अनुसंधानों के बाद येलो जिप्सम से कृषि क्षेत्र में इस्तेमाल के लिए बहुत शक्तिशाली उर्वरक तैयार किया है, जो कि सूक्ष्म पोषक तत्वों का समृद्ध स्रोत है। इसका परीक्षण भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली और इसके सात क्षेत्रीय स्टेशनों ने वर्ष 2019-2023 तक 25 कृषि फसलों में किया है।

डीसी से अनियमितताओं को लेकर की शिकायत

कुल्लू। पार्वती वैली एडवेंचर टूर ऑपरेटर यूनियन के पदाधिकारी व सदस्य घाटी की समस्याओं को लेकर डीसी कुल्लू से मिले। उन्होंने एडवेंचर, ट्रेकिंग तथा संबद्ध गतिविधियों को लेकर हो रही अनियमितताओं को लेकर जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा। पार्वती वैली एडवेंचर टूर ऑपरेटर यूनियन के अध्यक्ष डीआर सुमन ने बताया कि उन्होंने पार्वती घाटी में ट्रैकिंग-गाइड को आवश्यक करना, सूचना केंद्र व चैक पोस्ट की स्थापना व बाहरी राज्यों से संबद्ध कंपनियों की जांच करवाने बारे डीसी से मांग की। डीआर ने बताया कि कुल्लू जिले की प्रसिद्ध एवं चर्चित मनोरम पार्वती घाटी जहां पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है, इसके विपरीत यह घाटी कई अनहोनी घटनाओं की भी गवाह बनी है। विशेषकर ट्रैकिंग-एक्सपडिशन व पर्वतारोहण आदि गतिविधियों की बात करें, तो प्रत्येक वर्ष दर्जनों पर्यटकों, ट्रैकरों एवं पर्वतारोहियों के साथ दुर्घटनाओं की पेश आती हैं।

छात्रों ने जानी बिजली प्रणाली की बारीकियां

पीएम श्री उत्कृष्ट विद्यालय आनी के विद्यार्थी बिजली प्रणाली की जानकारी लेते हुए।

आनी। पीएम श्री उत्कृष्ट आदर्श विद्यालय आनी के कक्षा छह से आठ तक के स्टूडेंट्स ने प्री वोकेशनल कोर्स के अंतर्गत ब्रह्मा आईटीआई आनी का पाठशाला के शिक्षक सतीश कुमार तथा पंकज ठाकुर के नेतृत्व में शैक्षिक भ्रमण किया। पाठशाला के व्यवसायिक कोर्स समन्वयक प्रवक्ता कुंदन शर्मा ने जानकारी दी कि स्टूडेंट्स ने बिजली पथ टर्बनेटर, बिजली उपकरणों के प्रयोग आदि के संबध में व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य अमर चंद चौहान ने ब्रह्मा आईटीआई आनी के प्रबंध निदेशक चंद्रकेश शर्मा का विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों से सीखी गई बातों को अमल में लाने की अपील की।

शिंकुला दर्रा हल्के वाहनों के लिए आधिकारिक तौर पर खुला

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

कल से फोर बाई फोर हल्के वाहनों की शुरू होगी आवाजाही

डीसी एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लाहौल-स्पीति राहुल ने आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 34 के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश दिए हैं कि दारचा-शिंकुला सड़क मार्ग आधिकारिक तौर पर 10 अप्रैल से फोर बाई फोर हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा।

डीसी ने कहा कि वैकल्पिक दिनों में वाहनों की आवाजाही होगी। लाहुल के दारचा पुलिस चेक पोस्ट से सुबह सात से 11 बजे तक वाहन रवाना होंगे। उन्होंने सभी हितधारकों और आम जनता को डीडीएमए लाहौल-स्पीति द्वारा मौजूदा सड़क और मौसम की स्थिति और शिंकुला दर्रे पर हिमस्खलन, ब्लैक आइसिंग की घटना, फिसलन भरी सड़क की स्थिति की संभावना को ध्यान में रखते हुए दैनिक एडवाइजरी का पालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी है।

डीसी ने पुलिस अधीक्षक लाहौल-स्पीति को भी ट्रैफिक संचालन के समुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी निर्देशित किया है। सीमा सड़क संगठन 126 आरसीसी ने छह अप्रैल को भारी हिमपात के उपरांत इस शिंकुला दर्रा मार्ग से बर्फ हटाने का कार्य पूर्ण कर लिया था।

पेखड़ी में मतदाताओं को किया जागरूक

बंजार। स्वीप टीम 24-बंजार के द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए पेखड़ी पंचायत का दौरा किया। स्वीप टीम एसडीएम पंकज शर्मा के निर्देशानुसार पेखडी पंचायत के दूरस्थ पोलिंग बूथ शलिंगा पहुंची। स्वीप टीम ने खतरनाक रास्तों की परवाह न करते हुए लगभग डेढ़ घंटे बाद गुशेनी से अपने गंतव्य पर पहुंचे। वहां पर लगभग 30-35 महिलाओं, बजुर्गों और युवाओं से आने वाले चुनाव के बारे में उन्हें अपने मत का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया। बस अवसर पर बीएलओ शारदा देवी भी टीम के साथ मौजूद रहीं। एसडीएम पंकज ने बताया कि इस बूथ को मॉडल बूथ बनाया जाएगा, ताकि यहां के सारे बुजुर्ग युवा महिलाएं सभी बढ़-चढ़कर आने वाले लोकसभा चुनाव में एक उत्सव की तरह आनंद और खुशी के साथ मतदान कर सके।

दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 285

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग

केलांग मुख्यालय में डाक मतपत्र से जुड़े नोडल अधिकारियों को जानकारी देते डीसी।

लोकसभा व विधानसभा उपचुनाव लाहौल-स्पीति एसटी निर्वाचन-21 की निर्वाचन प्रक्रिया को सफल रूप से आयोजित करने को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी राहुल कुमार ने बताया कि आवश्यक सेवाओं में कार्यरत मतदाता अपना वोट डालने के लिए डाक मतपत्र का उपयोग कर सकते हैं।

यह जानकारी केलांग मुख्यालय में डाक मतपत्र से जुड़े नोडल अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए बोल रहे थे। राहुल ने कहा कि 85 वर्ष से ऊपर के मतदाताओं व दिव्यांग मतदाताओं के लिए फॉर्म 12डी, निर्वाचन कार्मिकों के लिए फार्म 12 ए तथा सेना सेवा के कार्मिकों के लिए ईटीपीबीएस के माध्यम से मतदान करने की व्यवस्था की गई है। जिले में दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 285 है तथा 85 वर्ष से ऊपर की आयु के मतदाताओं की संख्या 339 के करीब है। इन मतदाताओं को डाक मत पत्र से मतदान की तैयारी के लिए आवश्यक प्रबंध कर लिए गए हैं। जिले में सर्विस वोटरों की संख्या 693 है व आवश्यक सेवा में अधिकारियों व कर्मियों की इस श्रेणी में स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर, पैरा-मेडिकल स्टाफ, एंबुलेंस सेवा कर्मी, एचआरटीसी के ड्राइवर और कंडक्टर स्थानीय रूट बस सेवाओं को छोड़कर, अग्निशमन सेवाएं, एचपी राज्य दुग्ध संघ और दुग्ध सहकारी सोसायटी की दूध आपूर्ति सेवा के कर्मचारी शामिल हैं।

कंगना के कार्यक्रमों को लेकर की चर्चा

12 को कुल्लू आएंगी कंगना, अटल सदन में होगा कार्यकर्ता मिलन समारोह

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू

कुल्लू के मुख्यालय ढालपुर के अटल सदन में 12 को जहां बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक का आयोजन किया जाएगा। वहीं बैठक में मंडी संसदीय क्षेत्र भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत विशेष रूप से शामिल होंगी। कुल्लू के मुख्यालय ढालपुर में कुल्लू भाजपा मंडल की एक विशेष बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष ठाकर चंद के द्वारा की गई। तो वहीं उम्मीदवार कंगना रनौत के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी इसमें विशेष रूप से चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष ठाकर चंद ने बताया कि अटल सदन में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की बैठक भी रखी गई है और आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी इस इसमें विशेष रूप से रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर विशेष रूप से शामिल होंगे और मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद उम्मीदवार कंगना रनौत इसमें अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगी। वहीं शुक्रवार को ढालपुर के अटल सदन में कार्यकर्ता मिलन समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। बैठक में लोकसभा कैंडिडेट प्रभारी अखिलेश कपूर, जिला भाजपा अध्यक्ष अरविंद चंदेल, भाजपा नेता नरोत्तम ठाकुर, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित सूद विशेष रूप से उपस्थित रहे। लोकसभा कैंडिडेट प्रभारी अखिलेश कपूर ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मंडी संसदीय क्षेत्र में लगातार भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की जा रही है।

बैठक की अध्यक्षता करते मंडल के अध्यक्ष ठाकर चंद।

आज नग्गर व कटराईं में बिजली रहेगी बंद

कुल्लू। बिजली 33/11 केवी सब स्टेशन नग्गर में हो रहे आवश्यक मरम्मत और रख रखाव कार्य करने के लिए सब स्टेशन के अंतर्गत आने वाले 11 केवी हलाण फीडर, 11 केवी सरसई फीडर, 11 केवी नग्गर फीडर, 11 केवी रायसन फीडर व 11 केवी बड़ाग्रां फीडर के अंतर्गत छाकी, सरसई, खखनाल, हरिपुर से गोजरा और नग्गर, घुड़दौड़, लारांकेलो, हिरनी, जाणा, ब्रनोंट एवं अरछंडी व दाएं तट में रायसन, डोभी, कटराईं, पतलीकूहल, 15 मील, 17 मिल, बडाग्रा, ब्रान व साथ लगते क्षेत्रों में आज सुबह 10 से सायं पांच बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। ई.सुनील दत्त शर्मा सहायक अधिशाषी अभियंता बिजली उपमंडल, नग्गर ने सभी उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

स्पीति घाटी के 4 खिलाड़ियों का आइस हॉकी टीम के लिए चयन

सुरेंद्र तिबोगपा, कुल्लू

शीत मरुस्थल ओर मिनी तिब्बत के नाम से विख्यात स्पीति घाटी के होनहार खिलाड़ी अब विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे।

इंडियन अंडर-18 आइस हॉकी टीम में भाग लेने के लिए गुड़गांव के अम्बियंस मॉल में सभी खिलाड़ियों का ट्रायल लिया गया था, जहां पर बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर स्पीति की चार होनहार खिलाड़ियों ने टीम इंडिया में अपनी जगह बना कर पूरे गांव, जिला और प्रदेश का नाम रोशन किया है। एशियन ओशिनिया चैंपियनशिप में भाग लेने को स्पीति के ये खिलाड़ी ताशकंद उज्बेकिस्तान जाएंगे। जहां पर आइस हॉकी चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भाग लेंगे। चैंपियनशिप के लिए जा रही टीम इंडिया के लिए 31 खिलाड़ियों का चयन किया गया था, जिसमें से ट्रायल के बाद अब फाइनल 20 खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया है। 20 खिलाड़ियों से सुसज्जित इस इंडियन अंडर-18 आइस हॉकी टीम में स्पीति घाटी की चार होनहार खिलाड़ियों का चयन किया गया है। ये पहला ऐसा मौका है, जहां पर स्पीति घाटी से एक साथ चार खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय टीम के लिए हुआ है। (अनंत ज्ञान)

ये खिलाड़ी चयनित

एशियन ओशिनिया चैंपियनशिप में स्पीति के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें तेंजिन टशी, निवासी वीपीओ लोसर, कुंगा वांगपो, निवासी वीपीओ काजा, तेंजिन जांगपो, निवासी वीपीओ काजा, तेंजिन यिशे, निवासी क्युलिंग वीपीओ काजा।

एनएचपीसी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने सैंज घाटी का किया दौरा

पावर स्टेशन का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान, सैंज

ऊर्जा सेक्टर में अपना नाम कमा चुकी एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद गोयल ने सोमवार को सैंज घाटी का दौरा किया। इस महत्वपूर्ण दौरे में उनके साथ एनएचपीसी के निदेशक (तकनीकी एवं परियोजनाएं) राजकुमार चौधरी तथा पार्वती परियोजना के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे।

पार्बती पावर स्टेशन के शिवांगी प्रेक्षागृह में आयोजित स्वागत समारोह में पार्बती तीन के परियोजना प्रमुख प्रकाश चंद ने फरीदाबाद से पधारी एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस दौरान निगम मुख्यालय से कार्यपालक निदेशक दीपक सहगल, क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ से कार्यपालक निदेशक निर्मल सिंह, पावर स्टेशन बिहाली की ओर से कबिराज नायक उपस्थित रहे। इस दौरान बिहाली में पौधरोपण किया और पावर स्टेशन का राजभाषा निरीक्षण भी किया।

एनएचपीसी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोयल सैंज दौरे के दौरान अधिकारियों के साथ।

17 से रायसन में नेत्र जांच शिविर

पतलीकूहल। 17 से 21 अप्रैल तक रायसन में स्थित आंखों के अस्पताल में नेत्र रोग संबंधी जांच एवं उपचार के लिए शिविर का आयोजन होने जा रहा है। अस्पताल के प्रभारी डॉ. डेनिस ने शिविर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 17 से 19 अप्रैल तक शिविर में आने वाले मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी। साथ ही मरीजों की भर्ती भी की जाएगी। इसके बाद 20 से 21 तक शिविर में मरीजों की आंखों का इलाज किया जाएगा। राष्ट्रीय दृष्टिविहीन निवारण समिति भारत के डॉ. राजेंद्र नेत्र विज्ञान केंद्र नई दिल्ली के चिकित्सक मरीजों की जांच व इलाज करेंगे।

बैठक मेले में चुनाव आचार संहिता का रखें विशेष ध्यान, तैयारियों के लिए कमेटी गठन के निर्देश

आनी मेला बेहतर तालमेल से करवाएं संपन्न

जितेंद्र गुप्ता, आनी

एसडीएम आनी नरेश वर्मा ने स्थानीय पंचायतों, स्थानीय कारोबारियों और मेला कमेटी से अपील करते हुए कहा कि जिला स्तरीय आनी मेला बेहतर तालमेल के साथ संपन्न करवाएं।

आनी के पंचायत समिति हॉल में मेले की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में उन्होंने बैठक में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को उचित दिशा-निर्देश देते हुए मेले से संबंधित कमेटियों के तुरंत गठन के निर्देश दिए। आनी मेले से उपमंडल के लोगों के साथ लगते दूसरे जिले के लोगों का जुड़ाव रहा है। यह मेला आस्था का केंद्र भी है। इसके चलते इस मेले को संपन्न करवाने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों और पंचायतों के प्रतिनिधियों का आपसी समन्वय जरूरी है क्योंकि यह मेला स्थानीय संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है। मेले के दौरान चुनाव आचार संहिता का पालन करने की भी अपील की। उन्होंने मेले के दौरान कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था के तहत अतिरिक्त बसे चलाने, शौचालयों की उचित व्यवस्था करवाने के दिशा-निर्देश भी जारी किए। उन्होंने धनराशि एकत्रित करने के लिए कमेटी गठन करने और मेला मैदान में प्लॉट आवंटन के लिए भी उचित कार्रवाई करने को कहा। मेला आयोजन को लेकर विभिन्न सांस्कृतिक दलों के आमंत्रण, कलाकारों के चयन आदि को लेकर समबद्ध तरीके से कार्रवाई करने को कहा। देवताओं को निमंत्रण देने पर भी मंथन किया गया। नजराना राशि को लेकर भी देवी-देवताओं के कारदारों के साथ उचित समन्वय स्थापित करने पर भी उन्होंने बल दिया।

मुख्यातिथि सहित अन्य अतिथियों को बुलाने, विभिन्न विभागों की ओर से विभिन्न शिविर स्थापित करने को लेकर भी उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। (अनंत ज्ञान)

मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान चर्चा करते एसडीएम।

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मण।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मण।।

भावार्थ : तू शास्त्रों में बताए गए अपने धर्म के अनुसार कर्म कर, क्योंकि कर्म न करने की अपेक्षा कर्म करना श्रेष्ठ है तथा कर्म न करने से तेरा शरीर निर्वाह भी नहीं सिद्ध होगा।

अनंत ज्ञान
www.anantgyaan.in
कांगड़ा | मंगलवार, 9 अप्रैल 2024

ब्रह्माजी ने चैत्र शुक्ल पक्ष में की थी 'सृष्टि की रचना'

9 अप्रैल से शुरू हो रहा कालयुक्त संवत्सर

सनातन धर्म में संवत्सर का उच्चारण किए बिना कोई धार्मिक कृत्य संपन्न नहीं होता है। संकल्प आदि के आरंभ में देश, काल आदि का वर्णन पुण्य संचय और कामनापूर्ति का आधार है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नव संवत्सर का आरंभ हो रहा है। सत्युग का आरंभ भी इसी दिन हुआ था और ब्रह्माजी ने सृष्टि का आरंभ भी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही किया था। ब्रह्मपुराण में कहा है कि चैत्रे मासि जगद् ब्रह्मर संसर्ज प्रथमेअहनि।

इसी कारण इसे स्वयं सिद्ध मुहूर्त भी कहा गया है। नव संवत के नौ दिनों में नीम में सेंधा नमक, काली मिर्च, हींग, ईमली, अजवाइन, जीरा आदि मिलाकर गोलियों का भगवान को भोग लगाकर ग्रहण करने से वर्ष भर आरोग्यता बनी रहती है।

इस वर्ष कालयुक्त नामक संवत्सर का आरंभ 9 अप्रैल 2024 को मंगलवार के दिन चैत्र प्रतिपदा को हो रहा है। इस वर्ष का राजा मंगल और मंत्री शनि होगा। आदि शक्ति की आराधना करने वाले वर्ष भर सुखी रहते हैं और इन पर ग्रहों का आधा प्रभाव कम हो जाता है। दोनों ग्रहों का योग वर्ष भर भूकंप के झटकों से डराता रहेगा। विश्व भर में पृथ्वी हिलती रहेगी। नौ दिनों तक विधि विधान से व्रत उपवास करने और संयमपूर्वक रहने, व्यसनों से दूर रहने तथा शरीर का शोषण कर पांच विकारों की गति को शिथिल करना भक्ति मार्ग को प्रशस्त करता है। प्रकृति के प्रति समस्त अपराधों को रोकना, भगवत और भागवत अपराधों से बचना ही व्रत उपवास के सफल होने के मूलाधार हैं। हरि, गुरु, संत, गो व ब्रह्मण की सेवा करना पुण्य फल में वृद्धि करते हैं।

घट स्थापना मुहूर्त

चैत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को ब्रह्म मुहूर्त में स्नानादि से निवृत्त होकर घट स्थापना 6 बजकर 23 मिनट से लेकर 7 बजकर 32 मिनट तक करें। तत्पश्चात दुर्गा सप्तशती का पाठ आरंभ करें। अखंड ज्योति को बुझने न दें और प्रतिदिन विधि विधान से पूजा अर्चना और आरती कर भोग लगाएं और प्रसाद वितरित करें।

कौन सा नवरात्र कब

पहला नवरात्र 9 अप्रैल (मंगलवार)
दूसरा नवरात्र 10 अप्रैल (बुधवार)
तीसरा नवरात्र 11 अप्रैल (गुरुवार)
चौथा नवरात्र 12 अप्रैल (शुक्रवार)
पांचवां नवरात्र 13 अप्रैल (शनिवार)
छठा नवरात्र 14 अप्रैल (रविवार)
सातवां नवरात्र 15 अप्रैल (सोमवार)
आठवां नवरात्र 16 अप्रैल (मंगलवार)
नौवां नवरात्र 17 अप्रैल (बुधवार)

कलश स्थापना निश्चित मुहूर्त में ही करें

नवरात्र में आदिशक्ति के नौ रूपों शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री की उपासना की जाती है। नवरात्र में एक ही घर में देवी की तीन प्रतिमाएं स्थापित नहीं करनी चाहिए। देवी का कनेर आदि सुगंधित फूलों से पूजन करना चाहिए। कलश स्थापना निश्चित मुहूर्त में ही करें। उपवासक को एक बार ही सात्विक भोजन करना चाहिए। इस दौरान बाल, नाखून आदि काटना निषिद्ध है। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। अष्टमी को नौ कन्याओं और एक लड़के को भोजन करा कर यथाशक्ति दक्षिणा देनी चाहिए।

-अनिल शर्मा, नौबाही मंडी।

गणगौर तृतीया उत्सव से मिलता है अखंड सौभाग्य

गणगौर तृतीया व्रत चैत्र शुक्ल तृतीया को किया जाता है। गणगौर तृतीया व्रत करने के लिए प्रात:काल सूर्योदय से पूर्व प्रतिदिन की नित्य क्रियाओं से निवृत्त होने के बाद पूजा स्थल में गंगाजल छिड़क कर शुद्ध करना चाहिए। घर के एक एकांत स्थान में पवित्र मिट्टी से चौकोर वेदी पर देवी तथा शिव मूर्ति की स्थापना करके उसका फूलों से, फलों से, दूब से और रोली आदि से पूजन किया जाता है।

गणगौर तृतीया उत्सव 11 अप्रैल

पूजन में मां गौरी के दस रूपों की पूजा की जाती है। मां गौरी के दस रूपों में गौरी, उमा, लतिका, सुभागा, भगमालिनी, मनोकामना, भवानी, कामदा, भोग वर्दिवनी और अंबिका हैं। शक्ति के सभी रूपों की पूर्ण श्रद्धा और विश्वास से पूजा करनी चाहिए। इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को दिन में केवल एक बार ही दूध पीकर इस व्रत को करना चाहिए। इस व्रत को करने से उपवासक के घर में संतान, सुख और समृद्धि की वृद्धि होती है।

गणगौर तृतीया व्रत की कथा

एक बार महादेव और पार्वती वन में गए, चलते-चलते गहरे वन में पहुंच गए तो पार्वती ने कहा, भगवान मुझे प्यास लगी है। महादेव और पार्वती एक नदी के पास पहुंच गए। पार्वती ने पानी की अंजली भरी तो दूब का गुच्छा आया और दूसरी बार अंजली भरी तो टेसू के फूल, तीसरी बार अंजली भरने पर ढेकला नामक फल आया। इस बात से पार्वती के मन में कई तरह के विचार उठे। महादेव ने बताया कि आज चैत्र माह की तीज है। सारी महिलाएं, अपने सुहाग के लिए गौरी उत्सव करती हैं। गौरी जी को चढ़ाए हुए दूब, फूल और अन्य सामग्री नदी में बहकर आ रहे हैं। पार्वती ने महादेव से विनती की कि हे स्वामी, दो दिन के लिए आप मेरे माता-पिता का नगर बनवा दें, जिससे सारी स्त्रियां यहीं आकर गणगौरी के व्रत उत्सव को करें और मैं खुद ही उनको सुहाग बढ़ाने वाला आशीर्वाद दूं। महादेव ने अपनी शक्ति से ऐसा ही किया। थोड़ी देर में स्त्रियों का झुंड आया तो पार्वती ने महादेव से कहा कि प्रभु मैं तो पहले ही वरदान दे चुकी हूं। अब आप दया करके इन स्त्रियों को अपनी तरफ से सौभाग्य का वरदान दें, पार्वती के कहने से महादेव ने उन्हें सौभाग्य का वरदान दिया।

वैशाख संक्रांति पर दान करने से मिलता है सहस्त्रों यज्ञों के समान फल

वैशाख संक्रांति को दान पुण्य का बहुत महत्व है। इस दिन लोग जल से भरा घड़ा, पंखा और सत्तू दान करते हैं। वैशाख माह में प्रतिदिन सूर्योदय से पूर्व शुद्ध जल में स्नान करने, यथाशक्ति दान करने का विधान है। इसका पालन करने वाले व्यक्ति के जीवन से दुर्भाग्य दूर होता है। संक्रांति को व्रत उपवास करना चाहिए। संक्रांति समय स्नानादि से निवृत्त होकर भगवान की मूर्ति स्थापित करके गणेश एवं अन्य देवताओं का पूजन करके सूर्य नारायण भगवान का पूजन करना चाहिए। वैशाख संक्रांति के दिन तिलों से युक्त जल से व्रती स्नान करते हैं। अग्नि में तिलों की आहुति देते हैं, मधु तथा तिलों से भरा हुआ पात्र दान में भी दिया जाता है। वैशाख संक्रांति पूरे माह सूर्योदय के पूर्व उठ कर ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना चाहिए। पुराणों में संक्रांति के दिन किए गया दान सहस्त्रों यज्ञों के करने के समान फल प्राप्त होता है।

राजनीति में चतुर चालाक शत्रुहंता होते हैं

आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे जातक

आर्द्रा नक्षत्र में जन्मे जातक चतुर चालाक और शत्रुहंता होते हैं। यह राहू का नक्षत्र है व मिथुन राशि में आता है। राहू की दशा 18 वर्ष की होती हैं, लेकिन मिथनु राशि पर 5 माह 12 दिन से 18 वर्ष तक चंद्र की स्थितिनुसार दशा जन्म के समय भोगना पड़ती है। इसके बाद ही ज्ञान के कारक गुरु की दशा लगती है, जो पूरे 16 वर्ष भोगना पड़ती है। किसी भी जातक का जन्म जिस नक्षत्र में होता है, उस नक्षत्र के स्वामी का प्रभाव उसके जीवन पर अवश्य देखा जाता है। आर्द्रा नक्षत्र व मिथुन राशि पर जन्में जातक को राहू व बुध का जीवन भर प्रभाव रहेगा। वहीं गुरु का भी महत्व उसके जीवन में देखने को मिलेगा।

इस नक्षत्र में जन्में जातक चंचल स्वभाव के हंसमुख, अभिमानी, दुख पाने वाले, बुरे विचारों वाले व्यसनी भी होते हैं। राहू की स्थितिनुसार फल भी मिलता है। मेष लग्न हो राहू लग्न में आर्द्रा नक्षत्र का हो तो ऐसा जातक राजनीति में पराक्रमी, चतुर चालक अपने विरोधियों को परास्त करने वाला, शत्रुहंता होता है।

वृषभ तथा मिथुन का राहू इस लग्न में वाणी से चतुर बनाएगा, शत्रुहंता भी होगा। आकाशमंडल में आर्द्रा नक्षत्र छटा है। यह राहू का नक्षत्र है व मिथुन राशि में आता है। आर्द्रा नक्षत्र का स्वामी राहू है व इसकी दशा 18 वर्ष की होती हैं, लेकिन मिथनु राशि पर 5 माह 12 दिन से 18 वर्ष तक चंद्र की स्थितिनुसार दशा जन्म के समय भोगना पड़ती है। नवम् भाव में हो तो नीच का होने से भाग्य में बाधा आती है। राहू मेष लग्न में सिंह, कन्या, कुंभ का भी ठीक फलदाई रहेगा। बुध स्वराशि का हो तो यह सिंह का हो दशम में मकर का हो तो ऐसे जातक शुभ फल पाने वाले होंगे। वृषभ लग्न में राहू लग्न में हो तो ऐसा जातक व्यसनी होकर बुरे कार्य करने वाला भी हो सकता है। राहू की स्थिति इस लग्न में चतुर्थ, पंचम, दशम भाव में ठीक रहेगी। मिथुन लग्न में राहू उच्च का होगा। ऐसे जातक राजनीति में चतुर चालाक शत्रुहंता होते हैं।

भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लेकर की पृथ्वी की रक्षा

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मत्स्य जयंती मनाई जाती है। मत्स्य अवतार भगवान विष्णु का पहला अवतार है। इस अवतार में भगवान विष्णु ने मछली का रूप धारण किया और संसार को विनाश से बचाया। भगवान के इस अवतार से जुड़ी कई कहानियां प्रचलित हैं।

ये कहानियां प्रकृति में सृजन और संतुलन पर केंद्रित हैं। मत्स्य जयंती के दिन पवित्र नदियों में स्नान करना चाहिए। यदि पवित्र नदियों का दर्शन संभव न हो तो घर में ही शुद्ध जल का प्रयोग करना चाहिए। सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। भगवान विष्णु की पूजा और आरती के पश्चात श्री विष्णु को भोग लगाना चाहिए।

सत्यव्रत मनु भगवान विष्णु के परम भक्त थे। एक दिन सत्यव्रत मनु पूजा करने के लिए नदी पर जाते हैं और भगवान का तर्पण करते हैं, वहां उनके कमंडल में एक छोटी सी मछली गिर जाती है और आश्रय मांगती है। सत्यव्रत उसे क्षुद्र जीव कहते हुए आश्रय देते हैं। सत्यव्रत मनु एक धर्मात्मा, दयालु और परोपकारी राजा होने के नाते मछली को अपने घर ले जाते हैं, लेकिन मछली बहुत बड़ी हो जाती है।

उसे घर में रखना मुश्किल हो जाता है, इसलिए सत्यव्रत उसे एक तालाब में स्थानांतरित कर देते हैं। जैसे ही मछली को तालाब में डाला जाता है, तो वह इतनी बड़ी हो जाती है कि उस तालाब में नहीं समाती। तब राजा मनु मछली को तालाब से

मत्स्य जयंती कथा

निकालते हैं और नदी में डाल देते हैं, लेकिन मछली फिर से बड़ी हो जाती है और नदी से भी बड़ी हो जाती है। अंत में, मनु उस मछली को समुद्र में स्थानांतरित कर देता है, फिर भी मछली समुद्र से बड़ी हो जाती है। मनु मछली का यह रूप देखकर आश्चर्यचकित रह जाते हैं। भगवान विष्णु मछली से प्रकट होते हैं और उन्हें बताते हैं कि सात दिनों के बाद पृथ्वी पर प्रलय होगा।

परिणामस्वरूप पृथ्वी जल में डूब जाएगी, इसलिए उन्होंने मछली का अवतार लिया है। फिर वह दुनिया को बचाने के लिए अपने निर्देशों का पालन करने के लिए राजा मनु को नियुक्त करते हैं। मनु सभी आवश्यक सामान इकट्ठा कर नाव में रखते हैं और सप्तऋषि और अन्य सभी जीवित प्राणी नाव पर सवार होते हैं। ठीक सात दिन बाद प्रलय होता है। भगवान विष्णु एक बार फिर मछली के अवतार में आते हैं और सत्यव्रत से नाव को मछली से बांधने के लिए कहते हैं।

मत्स्य अवतार में भगवान विष्णु प्रलय समाप्त होने तक जल में ही रहते हैं। चूंकि नाव मछली से जुड़ी हुई है इसलिए सभी लोग बच गए। भगवान विष्णु चारों वेदों को अपने पास रखते हैं और संसार के पुनर्निर्माण के लिए उन्हें भगवान ब्रह्मा को दे देते हैं। इस प्रकार भगवान मत्स्य अवतार लेते हैं और पृथ्वी को बचाते हैं और सभी जीवित प्राणियों का कल्याण सुनिश्चित करते हैं।

स्कंद भगवान को कार्तिकेय, मुरुगन व सुब्रमण्यम इत्यादि नामों से पुकारा जाता है

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को स्कंद षष्ठी मनाई जाती है। स्कंद भगवान को कार्तिकेय, मुरुगन व सुब्रमण्यम इत्यादि नामों से भी पुकारा जाता है। दक्षिण भारत में इस पर्व को विशेष रूप से मनाने की परंपरा रही है।

स्कंद देव भगवान शिव और देवी पार्वती के पुत्र हैं। भगवान स्कंद को देवताओं का सेनापति कहा गया है। षष्ठी तिथि का पंचमी तिथि के साथ मिल जाना स्कंद षष्ठी व्रत के लिए बहुत ही शुभ माना गया है।

स्कंद षष्ठी कथा

तारकासुर नामक राक्षस को वरदान प्राप्त था कि उसे कोई मार नहीं सकता है, केवल शिव पुत्र ही उसका संहार कर सकता है। इस वरदान का लाभ उठाते हुए वह हर ओर से निर्भय होकर लोगों पर अत्याचार शुरू कर देता है। तारकासुर का प्रकोप जब चारों ओर बढ़ने लगा। जब वह देवताओं पर अधिकार करने और इंद्र का स्थान पाने के लिए उत्तेजित होता है, तब उस समय इंद्र समेत सभी देवता त्रिदेवों से रक्षा की गुहार लगाते हैं।

भगवान शिव का विवाह माता पार्वती से संपन्न होता है। भगवान शिव और माता पार्वती अपनी शक्ति द्वारा एक दिव्य पुंज का निर्माण करते हैं, जिसे अग्नि देव अपने साथ ले जाते हैं। ऐसे में उस पुंज का ताप अग्नि सहन न कर पाने के कारण गंगा में फेंक देते हैं। गंगा भी इस तेज को सहन करने में अक्षम होती है।

गंगा उस पुंज को शरवण वन में लाकर स्थापित कर देती हैं जिसके कारण उस दिव्य पुंज से सुंदर बालक का जन्म होता है। उस वन में छह कृतिकाओं की दृष्टि जब शिशु पर पड़ती है तब वह उन्हें अपना लेती हैं और उनका पालन करने लगती हैं। कृतिकाओं द्वारा पालन होने पर ये कार्तिकेय कहलाए। कार्तिकेय को देवताओं का सेनापति बनाया जाता है। उसके पश्चात वह तारकासुर पर हमला बोलते हैं और उसे परास्त करते हैं। तारकासुर के वध के पश्चात सभी उपद्रव शांत होते हैं और देवता पुनः शांति से अपना कार्य आरंभ करते हैं।

मेष, वृश्चिक राशि के लिए अच्छा रहेगा यह साल

ज्योतिषाचार्य विभा शर्मा से
विशेष बातचीत

जोगिंद्रनगर, अभिषेक शर्मा

खास बातचीत के दौरान शारदा ज्योतिष निकेतन की ज्योतिषाचार्य विभा शर्मा और रीत वशिष्ट।

शारदा ज्योतिष निकेतन ज्योतिषाचार्य विभा शर्मा ने 'अनंत ज्ञान' से खास बातचीत के दौरान बताया कि उनके पिता जी पंडित लेखराज शर्मा ज्योतिष आचार्य हैं। उनको देखकर मुझे भी ज्योतिष सीखने की रुचि हुई। पिता जी से सीख कर उन्होंने आज यह मुकाम हासिल किया है।

पिता आर्मी में थे इसलिए पढ़ाई अलग-अलग जगहों से हुई है। वह ज्योतिष आचार्या में पीएचडी करने वाली हैं। जब पिता जी के पास समय न हो तो वह वैदिक ज्योतिष, फलित ज्योतिष देख लेती हैं, लेकिन अभी उन्हें इसकी इजाजत नहीं है। उनकी पंचांगुली साधना पूरी नहीं हुई है, उसके बाद वह हस्त में आएंगी। उन्होंने बताया कि फलित, वैदिक और रत्न विज्ञान में उनकी रुचि ज्यादा है। कौन सी राशि में कौन सा रत्न काम करता है, फलित और वैदिक को वह देख लेती हैं। चैत्र नवरात्र के साथ हिंदू नववर्ष शुरू हो रहा है। इसका जो राजा है वह मंगल है और जो मंत्री है वह शनि है। मेष राशि और वृश्चिक राशि के लिए यह साल अच्छा रहेगा। इस साल पानी की कमी होगी और गर्मी बहुत ज्यादा होगी, क्योंकि मंगल और शनि दोनों अग्नि प्रधान हैं। मेष, मकर, वृश्चिक राशि वाले लोगों को पित के रोग, गर्मी के रोग होंगे और पाचन-क्रिया थोड़ा सा प्रभावित रहेगी व त्वचा विकार की समस्या भी रहेगी। (अनंत ज्ञान)

प्रकृति व अटूट आस्था का संगम जवाली का 'बाथू की लड़ी' मंदिर

ठाकुर दीक्षित धलारिया
संधोल, मंडी (हिमाचल प्रदेश)

हिमाचल प्रदेश देवभूमि के नाम से यूं ही विश्वविख्यात नहीं है। यह पावन भूमि अनेकों ऋषि-मुयिों, ज्ञान-प्रतापियों का आशीर्वाद रूपी पवित्रता का अमृत आशीर्वाद प्राप्त देवस्थली प्राचीन समय से ही रही है, जिसने अपने आंचल में अनेको रोचक रहस्य, अटूट आस्था, अलौकिक सौंदर्य व दैवीय शक्ति समाए हुए है।

प्राकृतिक सौंदर्य व शांतिमय ठंडकपूर्ण पावन भूमि हिमाचल प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों व संतों की तपस्या व साधना के लिए पहली पसंद रही है। विभिन्न कालखंडों में हिमाचल के भिन्न-भिन्न स्थलों पर देवताओं के आशीर्वाद व ऋषियों की तप-साधना से कई स्थान विशेष बन गए है, जिनका कई अर्थों में सार्थकता व महत्व है, जिन्हें आज भी जाना व माना जाता है। प्रदेश का ऐसा कोई भाग नहीं है जहां ऐसा कोई स्थान न हो जिसकी ऐतिहासिक व प्राचीन काल की या देवताओं से संबंधित कोई गाथा प्रचलित न हो। हिमाचल में ऐसे स्थलों की सूची बहुत लंबी है। प्रत्येक क्षेत्र में ऐसे धरोहर व आकर्षण के कई केंद्र है जो हिमाचल प्रदेश को सही मायनों में शेष देश व विश्व से अलग विशेष ख्याति प्रदान करते है, जिसके परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश विश्व मानचित्र पर मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य,शांतिमय स्थलों व देवपरंपरा तथा देवभूमि के नाम से अपनी पहचान कायम किए हुए है।

ऐसा ही एक आकर्षक,धार्मिक अटूट आस्था व प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण केंद्र है जिला कांगड़ा के जवाली उपमंडल में स्थित 'बाथू की लड़ी' का मंदिर। इसकी सबसे महत्वपूर्ण खासियत यह है कि यह मंदिर 8 माह पानी में डूबा रहता है और मार्च से जुलाई तक 4-5 माह ही भक्तों को दर्शन देता है। बाथू मंदिर बाथू नामक शक्तिशाली पत्थर से बना है तथा मंदिर परिसर में मुख्य मंदिर के अलावा अन्य आठ छोटे मंदिर भी हैं, जिन्हें दूर से देखने पर एक माला में पिरोया हुआ-सा प्रतीत होता है, इसीलिए इस मंदिर को बाथू की लड़ी (माला) कहा जाता है। इन प्राचीन मंदिरों के समूह के निर्माण के बारे में द्वंदात्मक किंवदंती प्रचलित है कुछेक के अनुसार इसका निर्माण स्थानीय राजा द्वारा किया गया था, तो ऐसी मान्यताएं भी प्रचलित है कि इनका निर्माण पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान किया था।

स्वर्ग से कम नहीं यह जगह

प्रकृति के करीब रहने वाले लोगों के लिए यह जगह किसी स्वर्ग से कम नहीं है। पौंग बांध प्रवासी पक्षियों का घर होने के कारण यह जगह काफी प्रसिद्ध है। यहां पर 200 से अधिक पक्षियों की प्रजातियां देखने को मिलती है। भारत सरकार ने इसके आसपास के इलाकों को पक्षियों के आश्रय के लिए आद्रभूमि के रूप में संरक्षित किया हुआ है जहां कई बार प्रवासी पक्षियों के सुंदर विहंगम दृश्य आंखों को बंद होने से रोक देते है।

पांडवों ने रखी थी निर्माण की आधारशिला

पांडवों ने इसके निर्माण की आधार शिला रखी थी। इस मंदिर से पांडवों ने स्वर्ग तक पहुंचने के लिए सीढ़ी बनाने का प्रयास किया था, लेकिन समय कम होने पर पांडवों ने श्रीकृष्ण से सहायता मांगी थी क्योंकि इसका निर्माण एक रात में ही करना था इसीलिए श्रीकृष्ण ने 6 महीनों की एक रात कर दी थी।

छह महीने तक सुबह नहीं हुई थी लेकिन इस समय में भी पांडव स्वर्ग तक सीढ़ी बनाने में कामयाब नहीं हुए और अढ़ाई सीढ़ियां बनाना शेष रह गई थीं। इस मंदिर में 40 से 45 सीढ़ियां अभी भी मौजूद हैं जो इस मान्यता की पुष्टि करती है। मुख्य मंदिर भगवान शिव और पार्वती माता को समर्पित है, जबकि अन्य में शोषनाग, गणेश व विष्णु भगवान की मूर्ति भी स्थापित की गई है।

टोटके

- रात्रि में चावल, दही और सत्तू का सेवन करने से लक्ष्मी का निरादर होता है। अत: समृद्धि चाहने वालों को तथा जिन व्यक्तियों को आर्थिक कष्ट रहते हों, उन्हें इनका सेवन रात्रि भोज में नहीं करना चाहिए।
- भोजन सदैव पूर्व या उत्तर की ओर मुख कर के करना चाहिए। संभव हो तो रसोईघर में ही बैठकर भोजन करें इससे राहु शांत होता है।
- सफेद धागे में स्वयं सिद्ध मुहूर्त में पूजन के पश्चात तांबे का सिक्का गले में पहनें। उस दिन रसोई घर में बैठकर भोजन करें। लाभ स्वयं दिखने लगेगा।

कर्णफूल का शकुन

कर्णफूल भी शुभ शकुन का प्रतीक माना जाता है। यूरोप के ग्रामीण क्षेत्रों में कर्णफूल प्रेम का संकेत होता है। एक धारणा के अनुसार यदि कोई कुंवारी युवती इसके एक फूल को उठाकर अपनी फूंक से इसकी पत्तियों को उड़ाती है तो जितनी बार उसकी सारी पंखुड़ियों को उड़ाने में फूंक मारनी पड़ती है तो उतने ही वर्ष उसका वर ढूंढने में लगेंगे।

नवरात्र पर दुल्हन की तरह सजा शूलिनी मंदिर

हिंदू नववर्ष और नवरात्र पर दरबार में उमड़ेंगे हजारों श्रद्धालु, सुरक्षा में तैनात रहेंगे होमगार्ड के जवान

अनंत ज्ञान ब्यूरो, सोलन

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा यानी हिंदू नववर्ष और नवरात्र पर्व को लेकर सोलन की

अधिष्ठात्री देवी माता शूलिनी के मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया है। इस बार हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के देवी दर्शन के लिए पहुंचने की संभावना है। नववर्ष को लेकर शूलिनी मंदिर दुल्हन की तरह सजाया गया है। श्रद्धालुओं को माता के दर्शन करने में आसानी हो इसके लिए मंदिर के द्वार पर होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे। इस बार मंदिर में माता को मंदिर में बने नए गर्भगृह में विराजमान किया गया है। माता के गर्भगृह में सुशोभित होने से श्रद्धालुओं

नवरात्र विशेष

नए गर्भगृह में विराजमान माता शूलिनी।

में खुशी का माहौल है। यही कारण है कि मंदिर में नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ने वाली है। नए साल के पहले दिन स्थानीय सहित बाहरी राज्यों के सैकड़ों लोगों मां के दर्शन को पहुंचेंगे।

मां के मंदिर में चढ़ती है पहली फसल

मान्यता अनुसार मां के मंदिर में स्थानीय लोगों सहित किसानों की ओर से उगाई गई फसल के तैयार होने के बाद यहां पर सबसे पहले फसल को चढ़ाया जाता है, जिसके बाद लोग स्वयं अपनी फसलों का सेवन करते हैं। इसी तरह गाय के दूध, घी को भी पहले मां शूलिनी को चढ़ाया जाता है। माता के कल्याणे नए वर्ष पर अपनी फसलों, स्वास्थ्य सहित सुख-शांति की कामना के लिए मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

मां शूलिनी बघाट रियासत की कुलदेवी

मां शूलिनी बघाट रियासत के शासकों की कुल श्रेष्ठा देवी मानी जाती हैं। मंदिर में माता शूलिनी के अतिरिक्त शिरगुल देवता, माली देवता आदि की प्रतिमाएं मौजूद हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार माता शूलिनी सात बहनों में से एक हैं। अन्य बहनें हिंगलाज देवी, जेठी ज्वाला जी, लुगासना देवी, नयना देवी और तारा देवी के नाम से विख्यात हैं। माता शूलिनी देवी के नाम से सोलन शहर का नामकरण हुआ था। मां शूलिनी की अपार कृपा से दिन-प्रतिदिन समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है।

इस दौरान लोग नए वर्ष की शुभकामनाओं के लिए मां से आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं। बता दें कि शूलिनी देवी सोलन सहित आसपास के क्षेत्र की कुलदेवी हैं। मंदिर के पुजारी का कहना है कि इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन को पहुंच सकते हैं।

राजबन मंदिर का दशकों पुराना इतिहास

प्रीति चौहान, पांवटा साहिब

हिंदू का नववर्ष शुरू होने वाला है। सिरमौर पांवटा साहिब के राजबन मंदिर में नवरात्र की तैयारी शुरू हो गई हैं।

इस मंदिर की काफी मान्यता है और इसका दशकों पुराना इतिहास है। यह पड़ोसी राज्य के लोगों के लिए दुर्गा पूजा और वर्ष के अन्य त्योहार मनाने के लिए एक लोकप्रिय स्थान माना जाता है। देवी मंदिर अपने आसपास के कारण साल भर बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। शहर के पास रक्षा

अनुसंधान और विकास संगठन परियोजना भी है। मंदिर के पुजारी ने कहा कि नवरात्र के दिनों में काफी संख्या में श्रद्धालु मंदिर आते हैं। यह मंदिर एनएच 707 राजबन में स्थित है। भारत में इन नौ दिनों की बड़ी अहमियत होती है। लाखों करोड़ हिंदू और सनातनी नवरात्र में उपवास रखते हैं। भजन-कीर्तन करते हैं, मंदिर जाते हैं और कन्या पूजन के साथ नवरात्र का समापन होता है। वहीं, बताया जाता है कि नवरात्र का महत्व भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी है। इस उत्सव के दौरान, लोग सुबह-सुबह उठकर स्नान करते हैं और माता दुर्गा की पूजा करते हैं। इसके अलावा, ध्यान, जाप, और धार्मिक अध्ययन का भी विशेष महत्व होता है। (अनंत ज्ञान)

नवरात्र के लिए दुकानों में खरीददारी करते लोग।

नालागढ़ अस्पताल में एमओ करेंगे अल्ट्रासाउंड, नहीं झेलनी होगी परेशानी

अनंत ज्ञान बीबीएन

- दो साल से रेडियोलॉजिस्ट न होने से नहीं हो रहे थे अल्ट्रासाउंड टेस्ट

नालागढ़ अस्पताल में लंबे समय के बाद अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू हुई है। अब अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर रेडियोलॉजिस्ट की कमी को दूर करेंगे, जो कि छह माह की ट्रेनिंग करके लौट चुके हैं और अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधाएं दे रहे हैं।

अब अल्ट्रासाउंड शुरू होने से नालागढ़ क्षेत्र वासियों को खासी राहत मिली है, जबकि पहले निजी अस्पतालों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन अब सरकारी अस्पताल में ही सुविधा मिलेगी। सीएचसी नालागढ़ में पिछले दो सालों से अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं मिल पा रही थी, जबकि कुछ माह पहले विभाग ने एक रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती भी की थी, लेकिन कार्यभार नहीं संभाला था। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने कमी को देखते हुए अस्पताल के मेडिकल अफसरों को छह माह की ट्रेनिंग दी और उन्हें अल्ट्रासाउंड के लिए तैयार किया, जिसके बाद अब एमओ फील्ड पर तैनात हो गए हैं। सीएमओ सोलन डॉ. राजन उप्पल ने बताया कि एमओ ने अल्ट्रासाउंड शुरू कर दिए हैं अब मरीजों व गर्भवती महिलाओं को दिक्कत नहीं झेलनी पड़ेगी।

शहर में 30 फीसदी पानी हो रहा बर्बाद

लीकेज की समस्या का समाधान नहीं, मांग के अनुसार पानी नहीं मिलने से लोग हो रहे परेशान

आर मोहन चौहान, सोलन

जलशक्ति विभाग से सोलन शहर को मिल रहे करीब 80 लाख लीटर का 30 फीसदी पानी लीकेज के कारण व्यर्थ बह रहा है।

इससे उपभोक्ताओं को 24 घंटे पानी की आपूर्ति सुविधा तो दूर दो से तीन दिन छोड़कर भी मांगानुसार पानी नहीं मिलता। वहीं, गर्मियों के मौसम में पानी की फिजूलखर्ची रोकने के लिए नगर निगम ने टंकियों के ओवर फ्लो पर चालान काटने का प्रावधान किया है। साथ ही वार्डो में लीकेज प्वाइंट्स की सूचना निगम को देने की अपील की है। शहर में पेयजल की बर्बादी को रोकने के लिए शहर में पुरानी हो चुकी पाइप लाइनों को बदला जाना है। इसके लिए नगर परिषद ने 25 करोड़ का एस्टीमेट तैयार किया है, लेकिन सरकार की तरफ इसके लिए आज तक धनराशि उपलब्ध नहीं हुई। इससे समस्या हल होने के बजाए बढ़ती जा रही है। (अनंत ज्ञान)

सोलन के देऊघाट में मुख्य पेयजल पाइप लाइन से व्यर्थ बहता पानी।

दूरवर्ती क्षेत्रों में तीन दिन बाद हो रही सप्लाई

लीकेज की समस्या से जहां शहर के दूरवर्ती वार्ड क्षेत्रों में पानी का प्रेशर नहीं पहुंच पा रहा है, वहीं दो दिन बाद हो रही सप्लाई के बावजूद लोगों की मांग अनुसार पानी नहीं मिल रहा है। शहर के साथ लगते देंऊघाट, पावर हाउस रोड, खौन, हाऊसिंग कॉलोनी, खुंडी धार में तो लोगों को अभी भी दो से तीन दिन बाद पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। शहर में बरसात के दौरान देंऊघाट, पावर हाउस रोड, विकास मोहल्ला, क्लीन, सेर क्लीन और हाउसिंग कालोनी और कमल ऑचर्ड कालोनी सबसे अधिक प्रभावित रही।

सरकारी दर से महंगा बिल

जलशक्ति विभाग के आंकड़ों के मुताबिक गिरि व अश्वनी पेयजल योजना से सोलन शहर की करीब 70 हजार आबादी की मांग पूरी करने के लिए रोज 70 से 80 लाख लीटर पानी की सप्लाई होती है। इतनी मात्रा में पानी की उपलब्धता से शहर की आबादी को रोज पानी की आपूर्ति संभव है, लेकिन पिछले एक दशक से उपभोक्ताओं को राशनिंग प्रणाली से दो से तीन दिन बाद पानी मिल रहा है। नगर निगम अपने उपभोक्ताओं से 16.50 रुपए प्रति लीटर की दर से पानी के बिल वसूल करती है, जबकि सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए प्रति एक हजार लीटर पेयजल की दर 12.50 रुपए तय की है। पेयजल योजना में तकनीकी खामियां आने की स्थिति में लोगों को चार से पांच दिन तक पानी का इंतजार करना पड़ता है। आईपीएच के सर्वे के मुताबिक शहर की आपूर्ति लाइनों में 25 से 30 फीसदी लीकेज पाई गई है, जिससे रोकने के लिए आज तक कारगर कदम नहीं उठाए गए।

शहर में पेयजल पाइप लाइनों से हो रही लीकेज की समस्या के हल के लिए पुरानी पाइपों की जगह नई पाइप लाइनें बिछाने की योजना है। लीकेज प्वाइंट को लगातार ठीक किया जा रहा है। इसमें 25 से 30 करोड़ रुपए की लागत आएगी। उपभोक्ताओं की मांगानुसार पानी देने के लिए वार्ड क्षेत्रों में वाटर स्टोरेज टैंक बनाए जाने हैं। टंकियों के ओवर फ्लो पर भी चालान काटने का प्रावधान है।

उषा शर्मा, मेयर, नगर निगम, सोलन।

गर्मियों में बढ़ जाती है मांग

गर्मियों का मौसम आते ही शहर में पेयजल की मांग बढ़ जाती है। शहर में पुरानी हो चुकी मुख्य लाइनों में लीकेज होने से रोज हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। शहर में माल रोड, राजगढ़ रोड सहित वार्ड क्षेत्रों में मुख्य पेयजल पाइप लाइनों में लीकेज पाई गई है।

8500 रुपए के काटे चालान

पांवटा साहिब। एसडीएम कफोटा राजेश वर्मा की अध्यक्षता में संयुक्त टीम ने कफोटा बाजार का औचक निरीक्षण किया और जिन दुकानदारों की ओर से प्लास्टिक की थैली का उपयोग सामान बेचने के लिए किया जाता है, उनके चालान किए गए और सभी दुकानों को टीम द्वारा चेक किया गया और ऐसी वस्तुएं जो पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं उन्हें सीज कर लिया गया है।

इस दौरान लगभग 8500 रुपए के चालान किए गए और कुछ दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए हैं। दुकानदारों को अपनी-अपनी दुकानों पर रेट लिस्ट लगाने तथा खाने-पीने की दुकानों जैसे ढाबे, बेकरी आदि में साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान फूड इंस्पेक्टर पांवटा साहिब, अधीक्षक वर्ग दो दीपक कुमार व मुख्य आरक्षी सुमेर शर्मा तथा अन्य कर्मचारी उपस्थिति रहे।

न्यूज ब्रीफ

खेत से अफीम के 186 पौधे बरामद, मामला दर्ज

पांवटा साहिब। पुलिस थाना माजरा ने गांव व डाकघर सैनवाला, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर के घर के निकट खेत से 186 अफीम के पौधे बरामद किए।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। इस संबंधी एसडीपीओ पांवटा साहिब आईपीएस अदिति सिंह ने बताया कि पुलिस प्रतिदिन नशा माफियां को पकड़ रही है। नशे का जाल इतना बिछ चुका है कि पुलिस के साथ साथ अब आम लोगों को भी आगे आना चाहिए।

सिरमौर कल्याण मंच जोड़ेगा नए सदस्य

सोलन। सिरमौर कल्याण मंच सोलन की बैठक मंच के अध्यक्ष प्रदीप ममगाई की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नए सदस्यों को जोड़ने और जनसेवा के कार्यों को विस्तार एवं गति देने पर विशेष चर्चा हुई। बैठक में निर्माणाधीन भवन की प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही मंच के सभी सदस्यों ने महिला सदस्यों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। मंच की ओर से आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन महासचिव यशपाल कपूर ने किया। मंच के वरिष्ठ सदस्य नारायण सिंह चौहान, जोगिंद्र सिंह चौहान, डॉ. रामगोपाल शर्मा, डॉ. जगदेव शर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ. एसएस परमार, डॉ. एसएल वर्मा, डॉ.लोकेश ममगाई, अरुण भारद्वाज, बृजमोहन चौहान, हरिंद्र ठाकुर, मनोज पुंडीर, महेंद्र गौतम, एसपी शर्मा, एलआर दहिया, दर्शन सिंह पुंडीर, उमेश कमल, कविराज, संजीव अवस्थी, अनुप शर्मा, कमल सिंह कमल, सुभाष अत्री, अशोक टंडन, कमल शर्मा, कमल राज चौहान सहित अन्य मौजूद रहे।

जीनत खान ने की जरूरतमंद लोगों की मदद

नाहन। समाज सेविका जीनत खान ने ईद उल फितर त्योहार पर जरूरतमंद को ईद का सामान, कपड़े, धनराशि, सेवइयां और बहुत सारे गिफ्ट वितरित किए, ताकि जरूरतमंद लोग ईद की खुशियां मना सके। देश में कोई भी त्योहार हो ईद, होली, दिवाली, क्रिसमस, लोहड़ी सभी त्योहार पर जरूरतमंद की मदद करती हैं, ताकि वह भी अपना त्योहार धूमधाम से मना सकें जीनत बिना भेदभाव के ही लोगों की मदद करती है। वह 17 18 सालों से अपने पैसों से ही समाज सेवा का काम करती आ रही हैं वह किसी भी संगठन, पार्टी, संस्था से कोई भी मदद नहीं लेती हैं। सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों को रजाइयां और गर्म कपड़े भी वितरित करती हैं, इस समाज सेवा से जरूरतमंद लोग बहुत खुश होते हैं और बहुत दुआएं देते हैं।

सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मांगे सुझाव

पांवटा साहिब। पांवटा साहिब के सूरजपुर स्थित मैनकाइंड ग्रुप द्वारा संचालित जगदीश चंद्र जुनेजा चैरिटेबल अस्पताल में सोमवार को आरसी जुनेजा अध्यक्ष मैनकाइंड ग्रुप ने जगदीश चंद्र जुनेजा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अस्पताल का जायजा लिया। अस्पताल पहुंचकर सर्वप्रथम अस्पताल परिसर में जेसी जुनेजा की प्रतिमा पर फूल माला अर्पित की और उसके पश्चात अस्पताल के सभी विभागों का जायजा लिया। विभागाध्यक्षों एवं वर्कर्स की बैठक में उन्होंने अस्पताल में सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे तथा अस्पताल द्वारा दी जा रही सेवाओं के लिए अस्पताल प्रबंधन एवं सभी स्टाफ को बधाई दी।

121 लोगों ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, बीबीएन

क्योरटेक ग्रुप के संस्थापक स्व. अमित सिंगला की याद में उनके जन्मदिन पर क्योरटेक प्रांगण में एक रक्तदान शिविर अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित किया गया।

इस अवसर पर 121 रक्तदानियों ने अपना रक्त दिया। शिविर का शुभारंभ सीपीएस राम कुमार चौधरी व हिमाचल के प्रसिद्ध नाटी किंग कुलदीप शर्मा ने किया। उन्होंने स्व. अमित सिंगला को श्रद्धांजलि भेंट करते हुए कहा कि सोसायटी द्वारा समाज सेवा में किए जा रहे कार्यों की प्रशंषा की और कहा कि भविष्य में भी वह सोसायटी के साथ प्रत्येक कार्यों में खड़े हैं। भविष्य में उनका पूरा सहयोग सोसायटी को मिलता रहेगा। नाटी किंग ने कहा कि समाज सेवा में कर रहे हैं वह प्रभु के आशीर्वाद से ही संभव है, जो कि प्रत्येक व्यक्ति को यह अवसर नहीं मिल पाता। सोसायटी के साथ हर समय कंधे से कंधा मिलकर कार्य करेंगे। अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन सुमित सिंगला ने अपने स्व. भाई के नाम पर अमित सिंगला सोशल वेलफेयर सोसायटी का गठन किया और हर समाज सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में काम करना शुरू किया। हर साल सुमित सिंगला अपने भाई के जन्मदिन पर भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन करते हैं। उन्होंने बीबीएन के औद्योगिक घरानो को अपील की कि वह अपने प्रियजनों जिनको वो खो चुके हैं उनका याद करते हुए मानवता और पर्यावरण के संरक्षण के लिए काम करते हुए एक सच्ची श्रद्धांजलि प्रदान करें।

क्योरटेक ग्रुप में रक्तदान शिविर में रक्तदातओं के साथ नाटी किंग व अन्य।

कलाकारों के ऑडिशन 12 को

सोलन। जिला सोलन के धर्मपुर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय माता मनसा देवी मेला 15 से 17 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी एसडीएम (ना.) कसौली नारायण सिंह चौहान ने दी। उन्होंने बताया कि 15 से 17 तक आयोजित होने वाले इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति के लिए कलाकारों का चयन ऑडिशन के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए वे एसडीएम (ना.) के कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक कलाकार 12 को प्रात: 10 बजे धर्मपुर स्कूल में ऑडिशन दे सकते हैं।

मानव कल्याण समिति अर्की के चुनाव 21 अप्रैल को : मनोहर

अनंत ज्ञान, अर्की

मानव कल्याण समिति अर्की की मासिक बैठक प्रधान मनोहर लाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के गत चौदह वर्षों की यात्रा पर संतोष प्रकट किया गया।

समिति के संस्थापक डॉ. संत लाल शर्मा ने कहा कि विगत वर्षों में समिति अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रही है तथा आगामी वर्षों में समिति के कार्यकलापों का दायरा और भी बढ़ाया जाएगा। यह समिति अप्रैल 2010 में अस्तित्व में आई थी। समिति के सचिव राजेश कपाटिया ने बताया कि समिति की नई

कार्यकारिणी के गठन के लिए आम सभा की बैठक 21 अप्रैल को अर्की में होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि नियत तिथि को अवश्य उपस्थित रहें। प्रस्ताव पारित कर सरकार से अनुरोध किया कि अर्की पशु अस्पताल से पहले मांझू सड़क की मरम्मत के कार्य को गति प्रदान की जाए और मलबे के डंपिंग की उचित व्यवस्था की जाए।

नाहन में बार-बार बिजली गुल, गर्मी से लोग परेशान

अनंत ज्ञान, नाहन

सिरमौर के जिला मुख्यालय नाहन में बिजली के अघोषित कट लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। सुबह, दोपहर बाद और शाम बिजली कट कभी भी लग जाते हैं। इससे लोगों को घरेलू कामकाज निपटाने के साथ-साथ व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी दिक्कतें झेलनी पड़ी। सुबह करीब 11 बजे के आसपास आधे घंटे से ज्यादा वक्त का कट लगा।

इसके बाद पौने तीन बजे से 3:20 बजे तक भी कट लगा। लिहाजा, लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी, बता दें कि अब पारा भी चढ़ने लगा है। घरों में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग पंखों का इस्तेमाल करने लगे हैं। स्थानीय वासी पंकज ठाकुर, दिनेश शर्मा, राजीव सिंह आदि ने बताया कि दिल्ली गेट, नया बाजार, गोविंदगढ़ मोहल्ला, शिमला रोड आदि कई हिस्सों में बार-बार बिजली गुल होती रही। इससे लोग परेशान रहे। बिजली बोर्ड लोगों को ऐसे अघोषित कटों से राहत दें, ताकि घरों का कामकाज प्रभावित न हो। साथ ही अन्य कामकाज भी लोग आसानी से निपटा सकें।

अब नहीं होगी दिक्कत

उधर, बिजली बोर्ड के नाहन उपमंडल-एक के सहायक अभियंता महेश चौधरी ने बताया कि गोविंदगढ़ मोहल्ला में जंफर बदलने के कार्य के चलते सुबह व दोपहर बाद कुछ समय के लिए बिजली बंद रखी गई। यह कार्य पूरा कर लिया गया है। अब ऐसी दिक्कत नहीं आएगी।

सप्ताह में भारी मात्रा में पकड़ी अवैध शराब

नाहन। सिरमौर के एसपी रमन कुमार मीणा ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए जिला पुलिस पूरी तरह से सतर्क है। जिले के इंटर स्टेट नाका पर पुलिस का कड़ा पहरा है यहां से आने व जाने वाले प्रत्येक वाहन की जांच की जा रही है। खासकर नशा तस्करों पर नजर बनाए रखने के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है।

मीडिया से रू-ब-रू हुए जिले के एसपी मीणा ने बताया कि बीते एक सप्ताह की अगर बात करें, तो सैकड़ों की संख्या में अवैध शराब की पेटियां बरामद की गई हैं। जिले के अलग-अलग क्षेत्र में जहां अवैध शराब माफिया पर शिकंजा कसा गया है। वहीं, एनडीपीएस एक्ट में भी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को दबोचा गया है। चुनाव के मद्देनजर लोगों को सुरक्षा मुहैया करवाना पुलिस की जिम्मेदारी है।

बद्दी का लेमन ट्री होटल आइकॉनिक डेस्टिनेशन अवार्ड से सम्मानित

नालागढ़ के लोगों ने होटल संचालन में दिया काफी सहयोग

अनंत ज्ञान, बीबीएन

औद्योगिक शहर बद्दी-नालागढ़ में अब उद्योगों के बाद होटल व्यवसाय भी देशभर में बद्दी का नाम रोशन करने में आगे आ रहे हैं।

बद्दी के निकट फोरलेन पर स्थापित लेमन ट्री होटल को चंडीगढ़ में एक राष्ट्रीय संस्था की ओर से नार्थ जोन में आइकॉनिक डेस्टिनेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। होटल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के आधार पर कई महीनों तक होटल की व्यवस्थाओं, होटल कर्मियों के व्यवहार और हर तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का सर्वेक्षण करने के बाद इस होटल को अवार्ड से सम्मानित किया गया है। सोमवार को होटल के जनरल मैनेजर अमित राय मेहरा ने बताया कि बद्दी व नालागढ़ के लोगों ने इस होटल को बढ़ने में काफी सहयोग दिया है और अब होटल प्रदेश ही नहीं, बल्कि आस-पास के राज्यों में भी क्षेत्र का नाम रोशन कर रहा है। चंडीगढ़ में हालही में एक संस्थान द्वारा होटल इस अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

होटल लेमन ट्री को मिला आइकॉनिक डेस्टिनेशन अवार्ड।

इंतजार एचपी-12 की क्यू सीरीज पूरी, अब आर सीरीज के खुलने का इंतजार, सिर्फ वीआईपी नंबर ही बचे, लोग परेशान

आरएलए नालागढ़ में नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन रुकी, नंबर नहीं

अनंत ज्ञान, बीबीएन

औद्योगिक क्षेत्र बीबीएन में इन दिनों नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रही है। सैकड़ों की संख्या में लोग नए वाहनों पर नंबर लगने का इंतजार कर रहे हैं, जिस कारण अपने वाहनों को सड़क पर नहीं चला पा रहे हैं। प्रशासन के पास सिलेक्टिड वीआईपी नंबर मात्र 200 के करीब पुरानी (क्यू) सीरीज के नंबर बचे हैं, जिन्हें आम आदमी अपने वाहनों पर नहीं लगा पा रहा हैं।

आरएलए में नई सीरीज न खुल पाने से नए वाहनों की रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रही है। वहीं प्रदेश सरकार को भी राजस्व के रूप में नुकसान हो रहा है। इसी संबंध में सोमवार को नए वाहन संचालक नई सीरीज खोलने की मांग को लेकर एसडीएम नालागढ़ से मिले। नालागढ़ में दो दर्जन ट्रक संचालकों ने नए ट्रक खरीदे हैं, लेकिन सीरिज समाप्त होने के चलते वाहनों को रजिस्टर्ड नहीं करवा पा रहे है और प्रशासन से नई सीरीज खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

एसडीएम कार्यालय नालागढ़ के बाहर लोग रोष प्रकट करते हुए।

नालागढ़ एसडीएम ने 25 दिन पहले नई नंबरों की नई सीरीज शुरू करने की स्वीकृति के लिए उच्च अधिकारियों को लिखित में भेजा था, लेकिन उच्च अधिकारियों से अभी तक उसका कोई जवाब नहीं आया है, जिससे लोगों में भारी रोष पनप रहा है। एसडीएम नालागढ़ दिव्यांशु सिंगल का कहना है कि नई सीरिज खोलने के लिए उच्च अधिकारियों को भेजा है, जैसे ही स्वीकृति मिलेगी आगामी प्रक्रिया अमल में लाई जाएगी।

रोजाना 30 से 40 वाहन होते हैं पंजीकृत

वर्तमान में नालागढ़ आरएलए में क्यू सीरीज चल रही है। यहां पर प्रतिदिन 30 से 40 नए वाहन पंजीकृत होते हैं, लेकिन अब सीरिज पूरी होने के चलते अधिकतर वाहन पंजीकृत नहीं हो पा रहे हैं। नई सीरीज न खुल पाने से लोगों को भारी समस्या झेलनी पड़ रही है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार को भी राजस्व का नुकसान उठना पड़ रहा है।

नहीं चला पा रहे गाड़ियां

वाहन चालक बबलू, ऋषथ, नारायण, सरविंद्र सिंह, बालकृष्ण शर्मा व सोमनाथ ने बताया कि उन्हें च्वाइस का नंबर लेना था, लेकिन पिछले कई दिनों से वह चक्कर काट रहे हैं और नई सीरीज शुरू न होने उनके ट्रक बिना काम से खड़े हैं। सरकार की इस लेट लतीफी के चलते उल्टा सरकार को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

मामला संज्ञान में : नेगी

परिवहन विभाग के निदेशक डीसी नेगी का कहना है कि मामला संज्ञान में है। आचार संहिता के चलते नई सीरीज को नहीं खोला गया है। इसके लिए चुनाव आयोग को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा और स्वीकृति मिलने के बाद ही नई सीरीज को खोला जाएगा।

मंडी से विक्रमादित्य से चुनाव लड़ाने का विचार: प्रतिभा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

मंडी संसदीय सीट से किसे पार्टी प्रत्याशी बनाया जाएगा, यह अभी फाइनल नहीं हुआ है। कंगना से मुकाबले के लिए युवा मंत्री विक्रमादित्य सिंह को पार्टी उम्मीदवार बनाने को लेकर विचार है।

दिल्ली से लौट कर आईं प्रदेश कांग्रेस प्रतिभा सिंह ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा की प्रत्याशी कंगना युवा है। उनकी उम्र शायद 36-37 साल है, विक्रमादित्य 34 साल के हैं। आयु का फैक्टर महत्वपूर्ण है। एक उम्र के प्रत्याशियों में मुकाबला करने के लिए विक्रमादित्य सिंह को लेकर चर्चा हुई है। विक्रमादित्य सिंह के साथ युवा जुड़े हुए हैं, अपनी बातों को बेहतर तरीके से वो रखते हैं। मंडी महत्वपूर्ण सीट हैं। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भाजपा प्रत्याशी पर आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि मैं मंडी से वर्तमान में सांसद हूं, मेरा टिकट काटना भी आसान नहीं है। इन सभी बातों को लेकर चर्चा जारी है। लंबे अरसे तक मंडी से हमारा परिवार चुनाव लड़ता रहा है। हमारे परिवार से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। जैसा हाईकमान ठीक समझेगा फैसला होगा।

देवी श्यामला को समर्पित है शिमला का मशहूर कालीबाड़ी मंदिर

सुबह-शाम निरंतर किए जाते हैं माता के मंत्रोच्चारण, देश-विदेश के पर्यटक लेते हैं माता का आशीर्वाद

आशिमा वैरागी, शिमला

शिमला शहर में मां कालीबाड़ी मंदिर को नवरात्र के दौरान सजाया गया है। शिमला में इस मंदिर की बहुत मान्यता है। सभी श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचते है।

शिमला में यह सबसे मशहूर मंदिर है। पहाड़ों की रानी शिमला में स्थित कालीबाड़ी मंदिर लाखों भक्तों की आस्था का केंद्र हैं। ये मंदिर मां देवी श्यामला को समर्पित है। श्यामला देवी को देवी काली का ही अवतार माना जाता है। कहा जाता हैं शिमला का नाम पहले श्यामला ही था जो मां श्यामला के नाम से ही व्युत्पन्न है,पर धीरे-धीरे बोल चाल की भाषा में श्यामला का नाम शिमला हो गया। शिमला के मॉल रोड से कुछ ही दूरी पर स्थित कालीबाड़ी मंदिर का निर्माण सन् 1823 में हुआ था। मंदिर में देवी की लकड़ी की एक मूर्ति प्रतिस्थापित है। मां की मूर्ति के ऊपर चांदी का छतर व समीप ही फन फैलाए नाग देवता की कलात्मक मूर्ति देखकर भक्तजन आत्म विभोर हो जाते हैं। मंदिर के आसपास बैठे पंडित निरंतर माता का मंत्र उच्चारण करते रहते हैं। कालीबाड़ी मंदिर माल रोड से कुछ ही दूरी पर स्थित हैं।

1823 में हुआ था मंदिर का निर्माण

मंदिर परिसर में भक्तों की सुविधा के लिए कैंटीन व आवास गृह उपलब्ध हैं। मंदिर में भगवान शिव का मंदिर भी स्थित हैं, जहां शिवरात्रि के दौरान बहुत भीड़ होती हैं। (अनंत ज्ञान)

नवरात्र विशेष

शिमला में स्थित कालीबाड़ी मंदिर (दाएं) मां आशीर्वाद लेते भक्तजन।

सुबह जल्द खुलेंगे माता के कपाट

पहले नवरात्र से मंदिर के कपाट सुबह जल्दी ही खोल दिए जाएंगे ताकि भक्त माता के दर्शन कर सकें। इसके साथ ही भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो इसका भी ख्याल रखा जाएगा। नौ दिनों तक मंदिर में माता के नौ स्वरूपों की पूजा की जाएगी। इस साल चैत्र नवरात्र नौ अप्रैल से शुरू होने जा रहे हैं जो कि 17 अप्रैल तक चलेंगे।

आज होगी मां शैलपुत्री की पूजा

नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। माता पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं और मां के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा देवी के मंडपो में पहले नवरात्र के दिन होती है। मां शैल का अर्थ है हिमालय और पर्वतराज हिमालय के यहां जन्म लेने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। पार्वती के रूप में इनको भगवान शिव के पत्नी के रूप में भी जाना जाता है। भक्तों की सभी मनोकामना पूरी करते है मां शैलपुत्री।

न्यूज ब्रीफ

अजीत वर्मा सिंगापुर में सीख रहे हैं शिक्षा की बारीकियां

रोहडू। भारत सरकार के एक भारत श्रेष्ठ भारत एवं स्टार प्रोजेक्ट अभियान के अंतर्गत पीएम श्री आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रोहडू (छात्र) के प्रधानाचार्य अजीत वर्मा सिंगापुर में आजकल वहां की शिक्षा पद्धति की बारीकियां सीख रहे हैं। जहां सिंगापुर में शिक्षा जगत के विशेषज्ञ इन अध्यापकों को प्रशिक्षित कर रहे हैं। वहीं यह सभी शिक्षाविद वहां से प्रशिक्षित होकर अपने-अपने जिलों एवं विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता का प्रसार व प्रचार करेंगे। शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए हिमाचल सरकार की यह अनूठी पहल है। ये अध्यापक एक सप्ताह तक सिंगापुर में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और तत्पश्चात अपने-अपने विद्यालय के सभी अध्यापकों को गुणात्मक शिक्षा के बारे में जागरूक करेंगे।

कोटखाई में जागरण 11 और भंडारा 12 को

कोटखाई। कोटखाई व्यापार मंडल द्वारा एक प्रेस वार्ता के द्वारा जानकारी साझा की गई कि नवरात्र के उपलक्ष में व्यापार मंडल कोटखाई के द्वारा कोटखाई बाजार के कांप्लेक्स में भंडारे व जागरण का आयोजन किया जाएगा। व्यापार मंडल कोटखाई के प्रधान मदन गांगटा ने बताया की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नवरात्र के उपलक्ष में जागरण व भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया की 11 तारीक को जागरण तथा 12 को बाजार में भंडारे का आयोजन होगा।

चुनावों में बढ़ेगा मतदान प्रतिशत

शिमला। हिमाचल में लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव में वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए इलेक्शन डिपार्मेंट ने नई पहल की है। चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के वोट रिजेक्ट न हो इसके लिए पहली बार वोट फैसिलिटेशन सेंटर खोलने का निर्णय लिया गया है। ऐसे में कर्मचारी आराम से बैलेट पेपर पर अपना वोट डाल सकेंगे। इससे वोट रिजेक्ट होने की आशंका कम होगी और मतदान प्रतिशत में वृद्धि होगी। इलेक्शन डिपार्टमेंट एक-एक वोट के महत्व को समझता है, तभी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रदेश भर में कई जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके चुनाव दर चुनाव सार्थक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। इलेक्शन कमीशन के आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं। हिमाचल एक साक्षर राज्य हैं, लेकिन इसके बाद भी चुनाव में हर साल बैलेट पेपर से वोटिंग करते वक्त अक्सर जल्दबाजी में गलती हो जाती हैं। इससे बहुमूल्य वोट रिजेक्ट हो जाता है। जिसका सीधा असर मतदान प्रतिशत पर पड़ता है।

छात्रों को नशे से दूर रहने के दिए निर्देश

शिमला। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला शिमला की ओर से विश्व स्वास्थ्य दिवस गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल संजौली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला शिमला डॉक्टर राकेश प्रताप के दिशा-निर्देश अनुसार मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला शिमला डॉ. राकेश प्रताप ने जानकारी देते हुए कहा कि छात्र मादक पदार्थों जैसे शराब धूम्रपान आदि जैसे नशे से दूरी बनाए रखें तथा समय-समय पर स्वास्थ्य की नियमित जांच व परीक्षण करते रहें।

छात्रों व लोगों को बताया मतदान का महत्व

शिमला। सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं जागरूकता अभियान के अंतर्गत लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। जागरूकता अभियान के अंतर्गत कसुम्पटी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत मांजू डाबरी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुग्गा एवं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मशोबरा के छात्रों एवं आमजन को मत के महत्व से अवगत करवाया गया। इसके साथ-साथ शिमला शहरी विधानसभा क्षेत्र के टूटीकंडी स्कूल एवं ठियोग विधानसभा क्षेत्र के राजकीय महाविद्यालय ठियोग में भी छात्रों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। बता दें कि जिला शिमला में प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत स्वीप गतिविधियों से संबंधित एक समिति का गठन किया गया है, जिसमें प्रत्येक टीम में एक नोडल अधिकारी, मास्टर ट्रेनर एवं अन्य सदस्यों को शामिल किया गया है।

चेतन बरागटा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

कोटखाई। प्रदेश प्रवक्ता चेतन बरागटा ने कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र को झूठ का पुलिंदा करार दिया है। उन्होंने कहा कि इसे सिर्फ और सिर्फ मतदाताओं में भ्रम पैदा करने के लिए तैयार किया गया है। बरागटा ने कहा कि दशकों तक देश में शासन करने वाली कांग्रेस आज न्याय की बात कर रही है। लेकिन उसकी सरकारों ने सत्ता में रहते हुए न्याय नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र पर चुटकी लेते हुए बरागटा ने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र का नाम रखा है न्याय पत्र,इसका मतलब है। उन्होंने मान लिया है कि 55 साल इन्होंने देश की जनता के साथ अन्याय किया है। बरागटा ने कहा कि कांग्रेस के द्वारा जारी घोषणापत्र के बिन्दुओं को देखकर स्पष्ट हो जाता है कि अब कांग्रेस की सोचने की क्षमता पूर्णत क्षीण हो गई है।

शस्त्र जमा करवाने की तिथि 12 अप्रैल निर्धारित

रिकांगपिओ। जिला दंडाधिकारी एवं उपायुक्त किन्नौर डॉ. अमित कुमार शर्मा ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिला में शस्त्र समीप के पुलिस थाने में जमा करवाने की तिथि जो पहले दो अप्रैल 2024 तक निर्धारित की गई थी। अब 12 अप्रैल 2024 निर्धारित की गई है। उन्होंने इन आदेशों की अनुपालना के लिए सभी शस्त्र धारकों से सहयोग की अपील की है।

चुनावी बेला में प्रदेश के अस्पतालों में आयुष्मान सहित हिमकेयर योजना पूरी तरह से ठप

सरकार लोकसभा के चुनाव में मस्त, मरीज अस्पतालों में त्रस्त

रविंद्र जस्टा, शिमला

लोकसभा चुनावी बेला में प्रदेश के अस्पतालों में हिमकेयर व आयुष्मान योजना पूरी तरह से ठप हो गई है। ऐसे में प्रदेश के मरीजों को यह बहुत बड़ा झटका लगा है। इन दिनों गरीब मरीज अस्पतालों में बिना पैसों के अपने ऑपरेशन तक नहीं करवा पा रहे हैं।

वहीं दवाइयां भी निशुल्क नहीं मिल पा रही है। कारण यह है कि अभी तक सरकार ने लगभग 60 करोड़ से अधिक की पेमेंट आयुष्मान व हिमकेयर की देनी है। पेमेंट न होने से अब होल सेल डिस्ट्रीब्यूटर को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। होल सेल डिस्ट्रीब्यूटर ने भी अब सप्लाई बंद कर दी है। वहीं अब अस्पतालों में हिमकेयर व आयुष्मान कार्ड पर किसी भी मरीजों को फायदा नहीं हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि एक तरफ सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ावा देने की बात करती है दूसरी ओर अब जो मरीजों का योजनाओं के तहत निशुल्क उपचार होता है वह भी नहीं हो पा रहा है।

अस्पतालों में मरीज दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर है। हिमकेयर व आयुष्मान कार्ड पर मरीजों का पांच लाख रुपए तक का इलाज निशुल्क होता है। ऐसे में गरीब मरीजों को अब इलाज करवाना मुश्किल हो गया है। लोगों का मानना है कि कांग्रेस सरकार के इस कार्यकाल में मरीजों के साथ खिलवाड़ करना सही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य क्षेत्र तो सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए थी। सरकार ने इस क्षेत्र की ओर कोई ध्यान नहीं दिया है। जिसका खामियाजा आ जनता को भूगतना पड़ रहा है। (अनंत ज्ञान)

जनता चुनाव में देगी इसका जवाब

शिमला के सुरेश, ज्ञान, रण सिंह, गुमाना, चतर सिंह आदि का कहना है कि अगर हिमकेयर व आयुष्मान के तहत मरीजों को दवाइयां न मिलने का खामियाजा लोकसभा चुनाव में सरकार को भुगतने को मिलेगा। मरीजों को निशुल्क दवाइयों से काफी राहत मिलती है। वहीं, गरीब मरीज के पास लाखों रुपए इलाज करवाने के लिए पैसे नहीं होते है।

चुनावी मुद्दा

कंपनी से दवाइयां मंगवाना मुश्किल हो गई है। पहले यह पेमेंट 45 से 60 दिन के अंदर आ जाती थी, लेकिन अब करोड़ों की पेमेंट पेंडिंग है। मरीजों को दवाइयां न मिलने से काफी दिक्कतें हो रही होगी। शिमला के दवाई के होल सेल डिस्ट्रीब्यूटर को जन औषधी आईजीएमसी शिमला द्वारा लगभग एक वर्ष से पेमेंट नहीं की जा रही है।

-संजीव पंडित
होल सेल डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन, शिमला

लोग हो रहे तंग

स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल बार-बार यह कह रहे है कि शीघ्र ही हिमकेयर और आयुष्मान की लंबित पेमेंट जारी होगी। हालांकि विधानसभा सत्र के दौरान भी इस मुद्दे पर विपक्ष ने यह मामला उठाया था उस दौरान भी स्वास्थ्य मंत्री ने यह जवाब दिया था कि यह पेमेंट जल्द से जल्द जारी होगी, लेकिन अभी तक पेमेंट नहीं हुई है। अब होल सेल डिस्ट्रीब्यूटर तो सड़क पर उतर ही रहे है। लोग हो रहे तंग।

शिमला। आईजीएमसी में गुरमीत द्वारा नोफल एक उम्मीद संस्था चलाई जा रही है। गरीबों और मरीजों की सेवा करने के लिए यह आगे खड़े रहते हैं। हिमाचल ही नहीं बल्कि विभिन्न जगह यह सेवाएं दी जा रही हैं। वहीं, कार सेवा दल कुल्लू द्वारा डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने गुरमीत को कार्य के लिए सम्मानित किया। नोफल संस्था कार सेवा दल ने कुल्लू के सभी सदस्य का आभार प्रकट किया ।

आबकारी विभाग ने 52440 लीटर अवैध लाहन की बरामद

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

राज्य कर एवं आबकारी विभाग ने जिला बिलासपुर, नूरपुर, कांगड़ा, सिरमौर, मंडी, ऊना, चंबा और कुल्लू में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 52440 लीटर लाहन बरामद की है। राज्य कर एवं आबकारी आयुक्त यूनुस ने कहा कि विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में टास्क फोर्स टीमों और उड़न दस्तों का गठन किया है।

राज्य भर में विभाग की 59 टीमें काम कर रही हैं। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद से टास्क फोर्स ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में अभी तक कुल 240438 लीटर शराब जब्त की है। विभाग की टास्क फोर्स विभिन्न सूत्रों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर सीमावर्ती इलाकों व अवैध शराब के भंडारण में संलिप्त लोगों की निगरानी कर कारवाई कर रही है। विभाग ने हाल ही में इन्हीं सूचनाओं के आधार पर चंबा जिला में अवैध रूप से भंडारण की गई देशी शराब की 100 पेटियां बरामद करके आबकारी अधिनियम, 2011 के तहत कार्रवाई की है। विभाग की दक्षिण क्षेत्र उड़न दस्ते की टीम ने जिला सिरमौर में 1724 लीटर शराब जब्त की है। इससे पहले मध्य क्षेत्र फ्लाइंग स्क्वाड की टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए पंजाब राज्य की सीमा के साथ लगते बिलासपुर जिला के धलेटी गांव के साथ तरसूह इलाके में तलाशी के दौरान अवैध शराब निकालने के लिए दो भठियां लगाई गई थीं। संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 1200 लीटर लाहन नष्ट की गई। विभाग की नूरपुर टीम ने भी पंजाब आबकारी टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए इंदौरा क्षेत्र के डाहकुलारा गांव में लगभग 2000 लीटर लाहन बरामद करके नष्ट की गई। जिला कांगड़ा की आबकारी टीम ने पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में एक घर से अवैध रूप से रखी गई देशी शराब की पेटियां बरामद की हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि अवैध शराब तथा उपहार (फ्रीबिज) के मामले संज्ञान में आते ही तुरंत टॉल फ्री नंबर 18001808062 दूरभाष नंबर 0177-2620426 तथा व्हाट्सऐप नंबर 94183-31426 पर जानकारी साझा करे।

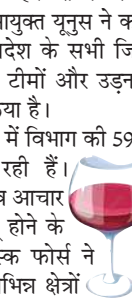

किन्नौरी टोपी पहनाने पर प्रत्याशी के खर्च में जुड़ेंगे 700 रुपए

अरविंद शर्मा, शिमला

लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी प्रचार के दौरान अगर किसी एक नेता को किन्नौरी टोपी पहनाता है तो उसके खर्च में 700 रुपए जुड़ेंगे। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव को देखते हुए यह निर्णय लिया है। चुनाव आयोग ने कुल्लवी टोपी के रेट 350 से 400 रुपए निर्धारित हैं।

मफलर 200 रुपए, रामपुर लोस क्षेत्र में शॉल 1,600 रुपए। जबकि शिमला जिले के अन्य क्षेत्रों में एक हजार रुपए खाते में जुड़ेंगे। वहीं, कार्यकर्ताओं को दिए जाने वाले चाय-समोसे पर 15-15, मटन-चिकन पर 255 रुपए और मिठाई पर 500 रुपए तक खर्च कर सकेंगे।

निर्वाचन समितियों ने चुनाव खर्च पर निगरानी की प्रक्रिया के तहत प्रत्याशियों के लिए दरें तय कर दी हैं। हर चीज का हिसाब चुनाव आयोग को देना होगा। जिला शिमला में शिमला और मंडी दो संसदीय क्षेत्र आते हैं। दोनों के प्रत्याशियों के लिए अलग-अलग दाम हैं। जुब्बल-कोटखाई विस क्षेत्र में प्रत्याशी लोगों को मांसाहारी भोजन कराने के लिए 120 रुपए प्रति थाली खर्च कर सकते हैं। हालांकि, मंडी संसदीय सीट के रामपुर विस क्षेत्र में प्रत्याशी इस पर 255 रुपए खर्च कर सकेंगे। चौपाल में 240, कसुम्पटी, शिमला ग्रामीण और रोहडू में 200, शिमला शहरी तथा ठियोग में 250 रुपए मटन और चिकन पर खर्च कर सकेंगे। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान प्राकृतिक फूलों की माला की कीमत 40 से 80 रुपए (प्रति यूनिट) है। (अनंत ज्ञान)

खर्चे पर बारीकी से रखी जाएगी नजर

एक प्रत्याशी की प्रचार संबंधी खर्च सीमा 95 लाख तय गई है। जिला निर्वाचन समितियों की ओर से प्रचार अभियान शुरू होने के बाद खर्चे पर बारीकी से नजर रखी जा

शिमला में बर्फी की दरें सबसे ज्यादा

एडीएम (प्रोटेकॉल) शिमला एवं नोडल अधिकारी (ईईएम) ज्योति राणा ने बताया कि प्रत्याशियों के चुनावी खर्चे के लिए रेट निर्धारित किए गए हैं। लड्डू 240 से 280 रुपए किलो, बर्फी पिस्ता 450 से 500 रुपए और रसगुल्ले के दाम 260 से लेकर 360 रुपए निर्धारित हैं। लड्डू और रसगुल्ले के दाम सबसे कम ठियोग विस क्षेत्र में है। बर्फी के दाम सबसे कम रामपुर, सबसे ज्यादा शिमला शहरी में है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में छाई छात्रा कशिश

दशमी रावत, रोहडू

राजकीय फार्मेसी कॉलेज रोहडू की चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कशिश ने अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन ड्रग डिस्कवरी डेवलपमेंट व लीड ऑप्टिमाइजेशन के पोस्टर प्रस्तुतिकरण में तीसरा स्थान हासिल किया है।

यह कार्यक्रम पांच व छह अप्रैल को हिमाचल प्रदेश के बद्दी विश्वविद्यालय में, हिम साइंस कांग्रेस एसोसिएशन, इनोवेशन एंड नॉलेज क्लस्टर चंडीगढ़ क्षेत्र, केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, और आरएम केमिकल्स के सहयोग से आयोजित हुआ है। कार्यक्रम में डॉ.

मोंटू पटेल, (प्रेसिडेंट फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया) मुख्यातिथि रहे और 20 से अधिक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं ने दवा खोज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर जानकारी दी है। कशिश के पोस्टर, जो दवा विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका पर केंद्रित था, ने महत्वपूर्ण ध्यान और प्रशंसा प्राप्त की है। वहीं, कशिश की अद्वितीय सफलता उनके साथियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती है।

100 से अधिक छात्रों ने लिया भाग

इस उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुती का निर्माण और प्रस्तुति कॉलेज की सहायक प्रोफेसर चेतना झगटा व शिवानी के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न संस्थानों के 100 से अधिक छात्रों ने पोस्टर व मौखिक प्रस्तुतियों में भाग लिया । कॉलेज के निदेशक व प्राचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने कशिश को व फैकल्टी सदस्यों को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई दी है ।

रिकांगपिओ। लोकसभा चुनाव को लेकर किन्नौर भाजपा ने सोमवार को रिकांगपिओ में चुनाव कार्यालय खोला। इसका उद्घाटन पूर्व उपाध्यक्ष प्रदेश वन निगम सुरत नेगी ने किया। इस से पहले जिला व मंडल स्तर कर चुनावी प्रबंधन समिति का भी गठन किया गया है। सुरत नेगी ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनावी कार्यालय खोला गया है इसी संदर्भ में किन्नौर विधानसभा के रिकांगपिओ में चुनावी कार्यालय खोला गया।

दिव्यांगजन अपने घर से पोस्टल बैलेट से कर सकते हैं मतदान: डॉक्टर शशांक

अनंत ज्ञान, रिकांगपिओ

सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम कल्पा डॉ. मेजर शशांक गुप्ता ने आगामी 18वीं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर 02 मंडी संसदीय क्षेत्र की 68 किन्नौर अनुसूचित जनजाति आरक्षित विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक ली।

उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से सीधा संवाद स्थापित किया तथा उन्हें अवगत करवाया कि मतदाता सूचियां में फार्म-6 भरकर चार मई तक पंजीकरण करवाया जा सकता है और जिला में दिव्यांगजन जिनकी विकलांगता 40 प्रतिशत से अधिक है फार्म-12 भरकर के अपने घर से पोस्टल बैलट से मतदान कर सकते हैं और 85 वर्ष की आयु से अधिक मतदाता भी फॉर्म-12 भरकर घर से मतदान कर सकते हैं। डॉ. शशांक गुप्ता ने बताया कि जिला निर्वाचन विभाग के बूथ लेवल अधिकारी इस दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। बैठक में तहसीलदार निर्वाचन जीएस राणा, तहसीलदार कल्पा कंचन ठाकुर, अधीक्षक निर्वाचन जी आर सक्सेना, निर्वाचन कानूनगो ताराचंद नेगी विभिन्न विभागों के अधिकारी गण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसडीएम कल्पा डॉ. मेजर शशांक गुप्ता अधिकारियों से बातचीत करते हुए।

छात्रों को किया मतदान को लेकर प्रेरित

रिकांगपिओ। जिला किन्नौर में पूह खंड में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रारंग में स्वीप गतिविधियों के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं को मतदान के महत्व पर जानकारी प्रदान की गई तथा स्वस्थ लोकतंत्र के निर्माण में मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं को समाज में महिलाओं एवं बुजुर्गों को मतदान के महत्व पर जानकारी प्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि स्वस्थ समाज का निर्माण संभव हो सके। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, गैर शिक्षक एवं निर्वाचन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुविधा

सरकार के डीसीआर पोर्टल पर जाकर मिलेगी आवेदन की सुविधा

शिमला में अब भवन बनाने को मिलेगी ऑनलाइन मंजूरी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला

शिमला शहर में अब भवन बनाने के लिए ऑनलाइन मंजूरी दी जाएगी। शहरवासियों को अब नगर निगम के दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। निगम की एपी ब्रांच में नक्शों संबंधी आवेदन के लिए रोजाना लोग पहुंच रहे थे।

इसमें खामी होने पर निगम के कई चक्कर काटने पड़ रहे थे लेकिन अब यह सुविधा मिलने से दफ्तर के चक्कर काटने से छुटकारा मिलेगा। नगर निगम के आर्किटेक्ट प्लानर महबूब शेख का कहना है कि सॉफ्टवेयर बन चुका है जल्द आम जनता की सुविधा के लिए ओपन कर दिया जाएगा। टीसीपी ने नए डेवलपमेंट प्लान के मुताबिक सॉफ्टवेयर तैयार किया है। सरकार के डीसीआर पोर्टल पर लोगों को ऑनलाइन सुविधा मिलेगी। हालांकि इससे पहले भी यह सुविधा थी लेकिन नया प्लान लागू होने के बाद यह बंद कर दी गई थी। एक बार फिर से यह शुरू होगी। अभी सॉफ्टवेयर का ट्रायल लिया जा रहा है आगामी हफ्ते से लोगों को घर बैठे ही आवेदन की सुविधा मिलेगी। सॉफ्टवेयर में नक्शे, रिवाइज नक्शे, कंपलीशन आदि के लिए व्यक्ति की एक ही आईडी बनेगी।

भवन बनाने के लिए ये रहेंगे नियम

कोर एरिया में दो मंजिला भवन के साथ एक पार्किंग और एटिक बनाने की मंजूरी है। कोर क्षेत्र में रिहायशी और व्यावसायिक दोनों तरह के भवन निर्माण होंगे। कोर क्षेत्र में बनने वाले रिहायशी भवनों और व्यावसायिक परिसरों की अधिकतम ऊंचाई 13 मीटर रहेगी।

नॉन कोर एरिया में चार मंजिला भवन बनाने के निर्देश

नॉन कोर एरिया में 3 मंजिला भवन के साथ एक पार्किंग और एटिक की सुविधा मिलेगी। यहां रिहायशी भवन की अधिकतम ऊंचाई 16.50 मीटर रहेगी। वहीं व्यावसायिक भवनों में चार मंजिलें बनाने की छूट रहेगी। पार्किंग फ्लोर और एटिक की भी सुविधा मिलेगी। व्यवसायिक भवनों की अधिकतम ऊंचाई 21 मीटर रहेगी।

ग्रीन एरिया में बना सकते हैं एटिक

ग्रीन एरिया में एक मंजिला भवन, पार्किंग और एटिक लोग बना सकते हैं। ग्रीन बेल्ट में मकान की अधिकतम ऊंचाई 10 मीटर रखी गई है। यहां पुरानी तर्ज पर पुन निर्माण की अनुमति होगी, लेकिन पेड़ों की कटाई पर पूरी तरह से रोक रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

ईपीएल : लीवरपूल और मैनचेस्टर यूनाइटेड का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ

मैनचेस्टर। लीवरपूल ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबाल में मैनचेस्टर यूनाइटेड से 2-2 से ड्रॉ खेलकर अंक तालिका के शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। लीवरपूल को 23वें मिनट में लुई डियाज ने बढ़त दिलाई लेकिन ब्रूनो फर्नांडिज ने 50वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। कोबी मेनू ने 67 मिनट में मैनचेस्टर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। मोहम्मद सालाह ने हालांकि 84वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर लीवरपूल को हार से बचा लिया। जीत दर्ज करने में नाकाम रहने के कारण लीवरपूल ने अंक तालिका में शीर्ष पर बढ़त बनाने का मौका गंवा दिया। टीम अब 31 मैच में 71 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। आर्सेनल के भी इतने ही मैचों में इतने ही अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण वह शीर्ष पर है।

कोलिंस को चार्ल्सटन ओपन का खिताब

चार्ल्सटन (अमेरिका)। डेनियले कोलिंस ने दारिया कसात्किना को सीधे सेट में हराकर मियामी ओपन के बाद चार्ल्सटन ओपन टेनिस चैंपियनशिप का भी खिताब जीत लिया। कोलिंस ने दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी कसात्किना को 6-2, 6-1 से हराकर लगातार 13वीं जीत दर्ज की जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कोलिंस 2013 में सेरेना विलियम्स के बाद पहली खिलाड़ी हैं, जिसने मियामी में हार्डकोर्ट के बाद चार्ल्सटन में क्लेकोर्ट पर भी खिताब जीता हो।

भारतीय अमेरिकी गोल्फर को वालेरो टेक्सास ओपन का खिताब

सेन एंटोनियो (अमेरिका)। भारतीय अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया ने प्लेऑफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए वालेरो टेक्सास ओपन का खिताब जीता और अगले महीने होने वाले अगस्ता मास्टर्स में जगह बनाई। भाटिया ने पहली बार किसी मेजर टूर्नामेंट के लिए क्वलीफाई किया है। भाटिया ने प्लेऑफ में डैनी मैकार्थी को पछाड़ा, जिन्होंने अपने अंतिम नौ होल में से आठ में बर्डी की।

संजय दत्त ने चुनाव लड़ने की खबर को बताया अफवाह

करनाल। हरियाणा की लोकसभा सीट करनाल से अभिनेता संजय दत्त के चुनाव लड़ने की खबरों पर एक्टर ने विराम लगा दिया है। अभिनेता संजय दत्त ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि वो अभी किसी भी पार्टी में शामिल नहीं हो रहे हैं। अगर वो राजनीति में आएंगे तो वो इसकी घोषणा खुद करेंगे। संजय दत्त ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लिखा कि मैं अपने राजनीति में शामिल होने की सभी अफवाहों पर विराम लगाना चाहता हूं। मैं किसी पार्टी में शामिल नहीं हो रहा हूं या चुनाव नहीं लड़ रहा हूं।

भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर पर देश में सबसे अधिक मुकदमे

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से प्रत्याशी चंद्रशेखर के खिलाफ देश भर में सबसे ज्यादा मुकदमे दर्ज है। यह दावा एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट में किया गया है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक नगीना सीट पर आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी चंद्रशेखर आजाद उर्फ रावण पर देश भर में सबसे ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। आजाद समाज पार्टी कांशीराम के नेता और मुखिया 36 वर्षीय चंद्रशेखर की संपत्ति भी लाखों में है।

मंत्री रेड्डी के बेटे पर लग्जरी घड़ियों की तस्करी का आरोप

चेन्नई। चेन्नई कस्टम ने तेलंगाना के मंत्री के बेटे पोंगुलेटी हर्षा रेड्डी पर कार्रवाई की है। अधिकारियों के मुताबिक, पोंगुलेटी हर्षा रेड्डी पर रई करोड़ों की घड़ियों की तस्करी का आरोप लगा है। सूत्रों ने बताया कि रेड्डी को 4 अप्रैल को पेश होने के लिए कहा गया था, लेकिन हर्षा रेड्डी ने 27 अप्रैल के बाद पूछताछ के लिए सहमति जताई है।

आईपीएल-2024 सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों का मौजूदा सत्र में अब तक रहा हैं प्रभावशाली प्रदर्शन

घरेलू मैदान पर पंजाब का पलड़ा भारी

एजेंसी, मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां जब आमने-सामने होंगी तो दोनों की नजरें जीत हासिल करके अंक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करने पर टिकी होंगी। घरेलू मैदान पर पंजाब का पलड़ा भारी लग रहा है। सनराइजर्स और पंजाब दोनों ने चार-चार मैच में समान दो जीत दर्ज की हैं और दो मैच गंवाए हैं। ये दोनों उन चार टीम में शामिल हैं जिनके चार-चार अंक हैं और दोनों की नजरें जीत हासिल करके तालिका में आगे बढ़ने पर लगी हैं।

सनराइजर्स की टीम ने अब तक बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है और मौजूदा सत्र में अधिकतर मौकों पर उसके बल्लेबाजों ने प्रभावित किया लेकिन पंजाब की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के दौरान सनराइजर्स ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाया जबकि शुक्रवार को गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी टीम ने छह विकेट की आसान जीत दर्ज की।

अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन और ऐडन मारक्रम जैसे बल्लेबाजों ने विरोधी गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया है और टीम को तेज शुरुआत दिलाई है।

शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो और लियाम लिविंगस्टोन की मौजूदगी में पंजाब के पास भी बड़े शॉट खेलने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन कप्तान धवन के अलावा अन्य किसी के प्रदर्शन में निरंतरता नजर नहीं आई है।

पंजाब को अपने भारतीय खिलाड़ियों प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दोनों टीमें अपने पिछले मुकाबले जीतकर इस मैच में उतरेंगी और नवनिर्मित महाराज यादविंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस सिर्फ दूसरे आईपीएल मैच में पावरप्ले में टीम का प्रदर्शन अहम भूमिका निभाएगा।

दोनों टीमों की गेंदबाजी चिंता का विषय है। पंजाब की टीम को डेथ ओवरों में जूझना पड़ा है जबकि सनराइजर्स के गेंदबाज नई गेंद से काफी महंगे साबित हुए हैं।

पंजाब के लिए दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबादा छह विकेट के साथ उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं, लेकिन डेथ ओवरों के विशेषज्ञ अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी टीम के लिए चिंता की बात है। लैग स्पिनर राहुल चाहर काफी महंगे साबित हुए हैं, लेकिन हरप्रीत बरार ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, मयंक मार्कंडे और भुवनेश्वर कुमार ने काफी रन लुटाए हैं।

काफी अनुभवी होने के बावजूद भुवनेश्वर को नई गेंद से जूझना पड़ा है। वह पिछले मैच में हालांकि विकेट चटकाने में सफल रहे। दो मैच से बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले टी नटराजन ने अब तक चार विकेट हासिल किए हैं। अब तक चार मैच में पांच विकेट चटकाने वाले कप्तान पैट कमिंस ने अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से लगातार समर्थन की जरूरत है।

दोनों टीमों के बीच पिछले पांच मैच में से सनराइजर्स ने तीन जबकि पंजाब ने दो जीते हैं जिससे दोनों टीमों के बीच एक और रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

संभावित टीमें

सनराइजर्स हैदराबाद : जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडे, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, पैट कमिंस (कप्तान), वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को यानसेन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी, ऐडन मारक्रम, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, वानिंदु हसरंगा और उमरान मलिक।

पंजाब किंग्स : शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कैगिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े लिजाड

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग में हैरी ब्रूक के विकल्प के तौर पर सोमवार को दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज लिजाड विलियम्स को टीम में शामिल किया। इंग्लैंड के बल्लेबाज ब्रूक अपनी दादी के निधन के कारण टूर्नामेंट से हट गए थे। वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से 30 साल के विलियम्स ने दो टेस्ट, चार एकदिवसीय और 11 टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया है। वह 50 लाख रुपए के आधार मूल्य पर दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगे।

शेल्टन ने क्ले कोर्ट चैंपियनशिप जीती

ह्यूस्टन। अमेरिका के बेन शेल्टन नेव गत चैंपियन फ्रांसिस टियाफो को तीन सेट तक चले कड़े फाइनल में हराकर अमेरिकी पुरुष क्ले कोर्ट टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीता। इक्कीस साल के शेल्टन ने टियाफो को 7-5, 4-6, 6-3 से हराकर अपने करियर का दूसरा एटीपी टूर खिताब जीता। शेल्टन ने मैच के दौरान 21 ऐस लगाए और 2002 में एंडी रोडिक के 19 साल की उम्र में यहां खिताब जीतने के बाद वह यह खिताब जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं।

सीए की केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल हुईं सोफी मोलिनक्स

एजेंसी, मेलबोर्न

क्रिकेट के सभी प्रारुपों में सफल वापसी के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने केंद्रीय अनुबंध सूची में सोफी मोलिनक्स को शामिल किया है।

मोलिनक्स, जिन्हें दो साल पहले सूची से बाहर कर दिया गया था, ने विभिन्न चोटों, हाल ही में एसीएल के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद पिछले दो महीनों में टेस्ट, वनडे और टी-20 खेले हैं। मोलिनक्स ने पर्थ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में वापसी की। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था, जो पिछले सप्ताह समाप्त हुआ था। बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 सीरीज में उन्होंने छह विकेट लिए थे।

ऑस्ट्रेलिया महिला अनुबंध सूची : डार्सी ब्राउन, एशले गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, ग्रेस हैरिस, एलिसा हीली, जेस जोनासेन, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिसे पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, तायला व्लामिनक, जॉर्जिया वेयरहैम।

विश्व रग्बी सेवंस सीरीज 2023-24

न्यूजीलैंड ने पुरुष और महिला वर्गों का खिताब जीता

एजेंसी, हांगकांग

न्यूजीलैंड ने हांगकांग रग्बी सेवंस में अपना दबदबा जारी रखते हुए पुरुष और महिला दोनों वर्गों का खिताब हासिल किया। हांगकांग रग्बी सेवंस ने इस वर्ष हांगकांग स्टेडियम में अपनी 30वीं वर्षगांठ मनाई। इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही 24 टीमों (पुरुष और महिला वर्ग प्रत्येक में 12-12) ने हिस्सा लिया। 12 टीमों को 4-4 के तीन पूलों में बांटा गया था, प्रत्येक पूल के शीर्ष-2 और 2 सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड ने ग्रुप चरण में अच्छा प्रदर्शन किया और नॉकआउट चरण में फिजी और ऑस्ट्रेलिया को बाहर किया, जिससे फ्रांस के खिलाफ फाइनल मुकाबला तय हुआ। फाइनल में न्यूजीलैंड ने फ्रांस को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने आयरलैंड को 14-5 से हराया।

महिला वर्ग के फाइनल में न्यूजीलैंड ने संयुक्त राज्य अमेरिका को 36-7 से हराकर लगातार दूसरी बार रग्बी सेवंस सीरीज का खिताब जीता। मौजूदा महिला ओलंपिक चैंपियन ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। वहीं, मैडिसन लेवी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस पर 24-21 से जीत के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

शतरंज : गुकेश ने करूआना को बराबरी पर रोका, गुजराती फिर हारे

एजेंसी, टोरंटो

ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में शीर्ष वरीय अमेरिका के फाबियानो करूआना को बराबरी पर रोका, लेकिन विदित गुजराती को रूस के इयान नेपोमनियाची के खिलाफ एक और हार का सामना करना पड़ा।

आर प्रज्ञानंदा ने अमेरिका के हिकारू नाकामूरा से अंक बांटे जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव और फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा की बाजी भी बराबरी पर छूटी। आठ खिलाड़ियों की इस डबल राउंड रोबिन प्रतियोगिता से अगली विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर का फैसला होगा।

नेपोमनियाची सफेद मोहरों से खेलते हुए दूसरी जीत से तीन अंक के साथ टूर्नामेंट में एकल बढ़त बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे आधा अंक पीछे करूआना और गुकेश ढाई अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रज्ञानंदा दो अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं जबकि विदित, अबासोव, अलीरेजा और नाकामूरा चारों के समान डेढ़ अंक हैं।

यूपी में बदले कानून-व्यवस्था के हालात : नड्डा

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- राज्य में अब बेटियां बिना रोक-टोक कर रहीं पढ़ाई

एजेंसी, लखनऊ

यूपी में हालात बदल चुके हैं। एक वक्त ऐसा था, जब बेटियां जब तक अपने घर न पहुंच जाए तब तक घरवालों की धड़कने बढ़ी रहती थी, मगर आज बिना रोक-टोक बेटियां पढ़ाई कर पा रही हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुई कही।

उन्होंने कहा, 'यह चुनाव की बेला है, अभी-अभी प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से नवाजा। इसके लिए मैं पीएम मोदी का आभार व्यक्त करता हूं।'

उत्तर प्रदेश के रामपुर में एक जनसभा को संबोधित करते जेपी नड्डा।

देश को विकसित करने का चुनाव

जेपी नड्डा ने कहा कि यह चुनाव घनश्याम लोधी का नहीं, बल्कि देश को विकसीत करने का चुनाव है, देश की बदलती राजनीति का चुनाव है। लोगों का भरोसा बना है, गुड गवर्नेंस देखने को मिला है।

सीएम योगी ने दुरुस्त की कानून-व्यवस्था

नड्डा ने यूपी में मौजूदा कानून-व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे वह दिन भी याद है, जब दुकानें बंद रहती थीं, बेटियां जब तक अपने घर न पहुंच जाए तब तक घरवालों की धड़कने बढ़ी रहती थी, लेकिन आज बिना रोकटोक के बेटियां अपना अध्यापन कर रही हैं। यह स्थिति पीएम मोदी और सीएम योगी के कारण हुई है। पहले यहां लोगों का अपहरण होता था, लोग पलायन कर रहे थे। एक समय में रामपुर चाकू, हिंसा के लिए मशहूर था, लेकिन आज वायलिन मशहूर हो गया हैं।

खालिस्तानी पन्नू ने पीएम और रक्षा मंत्री को दी धमकी

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक वीडियो जारी कर धमकी दी है। पन्नू ने लोकसभा चुनाव में पीएम के खिलाफ एक बड़ी साजिश रचने की भी बात कही है। उसने कहा कि वह अपने लोगों से कहेगा कि भाजपा की रैलियों में जाकर मोदी को शर्मिंदा करें और उनके खिलाफ प्रदर्शन करें।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सेट पर नजर आएंगे चमकीला के स्टार्स

एजेंसी, नई दिल्ली

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के अगले गेस्ट का खुलासा हो गया है। शो पर बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म चमकीला के स्टार कास्ट नजर आने वाले हैं। शनिवार को शो का दूसरा एपिसोड रिलीज किया गया, जहां भारतीय क्रिकेटर रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर पहुंचे थे। वहीं, अब कपिल के अगले गेस्ट का भी खुलासा हो गया है।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के अलगे एपिसोड में चमकीला की स्टार कास्ट बतौर गेस्ट नजर आने वाली है। परिणीति चोपड़ा और दिलजीत दोसांझ अपनी अपकमिंग फिल्म के प्रमोशन के लिए शो पर आएंगे। बता दें कि चमकीला 12 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। जबसे इसका ट्रेलर आया है, फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने शेयर की तस्वीरें

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गुरुग्राम में तीन दिन में बेच डाले 3000 करोड़ के घर

एजेंसी, नई दिल्ली

देश में लग्जरी हाउसिंग की मांग किस कदर बढ़ती जा रही है उसका एक और उदाहरण गुरुग्राम के हाउसिंग मार्केट में देखने को मिला है। मुंबई बेस्ड रियल एस्टेट डेवलपर गोदरेज प्रॉपर्टीज ने गोजरेज जेनिथ नाम के हाउसिंग प्रोजेक्ट के लांचिंग के महज तीन दिनों में 3,000 करोड़ रुपये के फ्लैट्स बेच डाले हैं। इस खबर के चलते कंपनी के शेयर में भी जोरदार तेजी देखी जा रही है।

सेल्स में 473 फीसदी का उछाल

कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में गुरुग्राम के रेसिडेंशियल मार्केट में कंपनी के सेल्स में 473 फीसदी का उछाल देखने को मिला है और मौजूदा वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी गुरुग्राम के सेक्टर 103, सेक्टर 43 और सेक्टर 54 में नए हाउसिंग प्रोजेक्ट लांचिंग की तैयारी में है।

मस्क की ब्राजील के जज को हटाने की मांग

रियो डी जनेरियो। सोशल मीडिया एक्स के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के पद से हटाने की मांग की। एलोन मस्क ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पर गलत सूचना फैलाने के संदेह में खातों को ब्लॉक करने के लिए सेंसरशिप का आरोप लगाया था। मस्क ने एलेक्जेंडर डी मोरेस के बारे में कहा कि इस जज ने बेशर्मी से और बार-बार ब्राजील के संविधान और लोगों को धोखा दिया है। उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

गाजा के खान यूनिस से पीछे हटी इसराइली सेना

इसराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कहा- अब राफा में अटैक करेंगे

एजेंसी, गाजा

इसराइली सेना साउथ गाजा के खान यूनिस शहर से पीछे हट गई है। इसराइली सेना ने इसराइली मीडिया हारेत्ज से कहा, 'हमने सेना को वापस बुला लिया है। अब वहां सेना की जरूरत नहीं है। हमने वहां हजारों हमास आतंकियों को मार गिराया है। अब विस्थापित हुए लोग वापस जा सकते हैं।'

वहीं, इसराइली के रक्षा मंत्री योव गैलेंट का कहना है कि इसराइली सैनिक खान यूनिस से हटने के बाद, राफा शहर में जमीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। यहां जंग शुरू होने के बाद से हवाई हमले हो रहे थे। अब सैनिक शहर में घुसकर आतंकियों को मारेंगे। अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इसराइल की सेना ने खान यूनिस पर 4 महीने पहले हमला किया था। वहीं, शहर लौटे लोगों का कहना है कि चारों तरफ सिर्फ मलबा दिखाई दे रहा है। सेना के पीछे हटने के बात खान यूनिस लौटीं माहा थाएर ने न्यूज एजेंसी एएफपी को बताया, 'यहां शहर तो बचा ही नहीं है, सिर्फ मलबा है। मैं खुद को रोने से नहीं रोक पाई। सब तबाह हो गया।'

सोना पहली बार 71 हजार के पार, चांदी भी चमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

पीली धातु सोना सोमवार को एक बार फिर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, कारोबार के दौरान आज 10 ग्राम सोना 1182 रुपए महंगा होकर 71,064 रुपए का हो गया है। चांदी भी आज अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। एक किलो चांदी का भाव 2287 रुपए बढ़कर 81,383 रुपए हो गया है। एक दिन पहले ये 79,096 रुपए पर थी।

इससे पहले 4 अप्रैल को चांदी ने 79,337 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। इस साल अब तक सिर्फ 3 महीने में ही सोने के दाम 7,762 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,302 रुपए पर था। वहीं अकेले मार्च में सोना 4 हजार रुपए से ज्यादा महंगा हुआ है। ये 62,592 रुपए प्रति ग्राम से 67,252 रुपए पर पहुंच गया। भारत ही नहीं विदेशी बाजार में भी सोना और चांदी दोनों धमाकेदार तेजी का प्रदर्शन कर रहे हैं।

उछाल मार्केट में देखने को मिली तेजी, सेंसेक्स 74,742 और निफ्टी 22,666 के स्तर पर हुआ बंद

हफ्ते के पहले दिन नई ऊंचाइयों पर शेयर बाजार

एजेंसी, मुंबई

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स ने 74,869 का और निफ्टी ने 22,697 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, बाद में ये थोड़ा नीचे आया और सेंसेक्स 494 अंक की तेजी के साथ 74,742 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 152 प्वाइंट की तेजी रही, ये 22,666 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली है। इसके अलावा बंधन बैंक के शेयर में 6.21 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सेक्टोरियल टेलविंड और चौथी तिमाही की आय वृद्धि की उम्मीदों की वजह से बाजार में उछाल दिखा।

ऑटो सेक्टर में दिखी सबसे ज्यादा 2.16 प्रतिशत की तेजी

एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा 2.16 प्रतिशत की तेजी रही। इसके अलावा निफ्टी रियल्टी में 1.33 प्रतिशत, निफ्टी ऑयल एंड गैस में 1.45 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.83 प्रतिशत की तेजी है। जबकि, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.89 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 0.77 प्रतिशत और आईटी सेक्टर में 0.52 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली।

शेयर बाजार में 5 अप्रैल को दिखी थी मामूली बढ़त

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (5 अप्रैल) को शेयर बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 20 अंक की बढ़त के साथ 74,248 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में कोई बढ़त या गिरावट नहीं रही, ये फ्लैट 22,513 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी देखने को मिली।

ताइवान से सेमीकंडक्टर बनाने में माहिर लोगों को भारत लाएगा टाटा ग्रुप

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप सेमीकंडक्टर और चिप बनाने की फील्ड में उतर चुका है। टाटा ग्रुप ने गुजरात और असम में चिप पैकेजिंग प्लांट लगाने का फैसला किया है। इनकी मदद से लगभग 47 हजार जॉब पैदा होंगे। हालांकि, टाटा ग्रुप अब अपने सेमीकंडक्टर प्लान में प्रोफेशनल लोगों को जोड़ने की तैयारी में है। कंपनी सेमीकंडक्टर बनाने में माहिर ताइवान के प्रोफेशनल को अपने साथ जोड़ने में जुट गई है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का रोडशो जल्द ताइवान में होने वाला है। कंपनी वहां से 7 तरह के प्रोफेशनल भारत लाना चाह रही है। ताइवान को सेमीकंडक्टर बनाने में महारत हासिल है। दुनिया में बनने वाले 60 फीसदी सेमीकंडक्टर इसी छोटे से देश में बनते हैं। यही वजह है कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ताइवान से टैलेंट को भारत लाना चाहती है।